हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, गुरुवार, 12 दिसंबर 2024 | अंक 60 / वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

परभणी में भड़की हिंसा

मुंबई।

महाराष्ट्र के परभणी शहर में मंगलवार को संविधान की प्रतिकृति को नुकसान पहुंचाए जाने के बाद हिंसक प्रदर्शन हुआ। इस हिंसा को रोकने के लिए पुलिस ने शहर में कर्फ्यू लगा दिया है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, हिंसा के बाद शहर में सार्वजनिक स्थलों पर पांच या उससे अधिक लोगों के एकत्र होने पर पाबंदी लगा दी गई है। इसके अलावा, कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए राज्य के रिजर्व पुलिस बल की एक कंपनी को तैनात किया गया है।

परभणी रेलवे स्टेशन के पास बाबासाहब आंबेडकर की प्रतिमा के पास कांच में संविधान की प्रतिकृति रखी हुई थी। मंगलवार को यह प्रतिकृति खंडित पाई गई। जैसे ही यह खबर सामने आई, आंबेडकर के समर्थकों ने विरोध प्रदर्शन शुरू किया। प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर जिला कलेक्टर के कार्यालय पर हमला किया और वहां की संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया।

पुलिस ने इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। लेकिन बुधवार सुबह से प्रदर्शनकारियों ने फिर से विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया।

संविधान के अपमान पर मचा बवाल

बुधवार को हिंसक प्रदर्शन और तेज हुआ, कर्फ्यू लागू

प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने दागे आंसू गैस के गोले

मामले की गहराई से जांच करने की मांग की

कानून-व्यवस्था की समीक्षा करने वाले पुलिस अधिकारियों ने जनता से अपील की है कि वे सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान न पहुंचाएं और हिंसा से बचें। मुंबई की सांसद और अंबेडकरवादी नेता वर्षा गायकवाड़ ने मामले की गहराई से जांच की मांग की। उन्होंने कहा, संविधान का अपमान कैसे किया जा सकता है? गिरफ्तार किए गए लोगों से सख्ती से पूछताछ होनी चाहिए, ताकि इसके पीछे के मास्टरमाइंड का पता चल सके।

विपक्ष ने सरकार को ठहराया जिम्मेदार

कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने सरकार और स्थानीय प्रशासन को लापरवाही का जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि अगर सही समय पर कार्रवाई की जाती, तो हिंसा को टाला जा सकता था। वहीं, शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने संविधान की प्रतिकृति के अपमान की निंदा की और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने प्रदर्शनकारियों से शांति बनाए रखने की भी अपील की।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने दोपहर एक बजे के आसपास एक दुकान के बाहर पीवीसी पाइप को आग के हवाले कर दिया। जैसे ही भीड़ हिंसक हुई, पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे और प्रदर्शनकारियों को वहां से खदेड़ा।

प्रदर्शनकारी मांग कर रहे थे कि पुलिस यह पता लगाए कि संविधान की प्रतिकृति को नुकसान पहुंचाने के पीछे कौन लोग थे। अधिकारी ने बताया कि प्रदर्शनकारी बड़ी तादाद में आगे बढ़ते हुए कलेक्टर कार्यालय तक पहुंचे। कुछ महिला कार्यकर्ताओं सहित प्रदर्शनकारियों ने कार्यालय के अंदर घुसकर वहां के फर्नीचर और कांच की खिड़कियां तोड़ दीं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति पर काबू पाया।

अधिकारी ने बताया कि प्रदर्शनकारियों का एक समूह कलेक्टर को ज्ञापन सौंपने के लिए सुबह पहुंचा था। लेकिन रास्ते में समूह ने दुकानों के साइन बोर्ड और सीसीटीवी कैमरों को नुकसान पहुंचाया और सड़क पर टायर जलाए। इस बीच, वस्मात क्षेत्र में भी बंद का आयोजन किया गया, जिसके कारण स्थानीय प्रशासनको अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था तैनात करनी पड़ी। मंगलवार शाम को प्रदर्शनकारियों ने परभणी रेलवे स्टेशन पर ट्रैक भी बाधित किया और नंदीग्राम एक्सप्रेस के लोको पायलट के साथ मारपीट की। पुलिस अधिकारियों ने स्थिति की गंभीरता को समझते हुए तत्काल कार्रवाई की।

खबरें! एक नजर में!!

सिसोदिया को सुप्रीम कोर्ट से राहत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आबकरी नीति मामले से जुड़े करप्शन और मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में जमानत की शर्तों में बदलाव कर मनीष सिसोदिया की मांग को मंजूरी दे दी। ज़मानत की शर्तो के मुताबिक उन्हें हफ्ते में दो बार जांच एजेंसियों के दफ्तर में हाजिरी लगानी पड़ती थी। कोर्ट ने सिसोदिया के आग्रह पर इस शर्त को आज हटा लिया। हालांकि कोर्ट ने सिसोदिया को कहा है कि वो नियमित रूप से ट्रायल में शामिल हों।

बारामूला में फिर मिला आईईडी विस्फोटक

श्रीनगर। कश्मीर में हंदवाड़ा-बारामूला हाईवे पर सुरक्षा बलों ने एक संदिग्ध इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) मिला। सुरक्षाबलों ने दहशतगर्दों की साजिश को नाकाम कर दिया। सुरक्षाबलों ने आईईडी को नष्ट कर दिया है। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस और सेना के संयुक्त गश्ती दल को कुपवाड़ा जिले के हंदवाड़ा इलाके के लंगेट में हाईवे के किनारे एक संदिग्ध बैग मिला।

हिमाचल प्रदेश में खाई में गिरी बस

शिमला। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले के आनी क्षेत्र में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। यात्रियों से भरी एक निजी बस के गहरी खाई में गिरने से चालक सहित तीन लोगों की मौत हो गई जबकि 39 यात्री घायल हुए हैं। गंभीर रूप से घायल 25 से अधिक यात्रियों को आईजीएमसी शिमला रेफर किया गया है। बाकि घायल आनी अस्पताल में भर्ती हैं। बुधवार की सुबह एक निजी बस(एनपीटी) करसोग के आनी जा रही थी।

जालना में ट्रक ड्राइवर पर गोलीबारी

जालना। जिले में तीन लोगों की तरफ से कथित तौर पर की गई गोलीबारी में एक ट्रक चालक घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि 30 वर्षीय चालक के कुछ रिश्तेदारों पर गोलीबारी में शामिल होने का संदेह है। वित्तीय विवाद के कारण मंगलवार रात करीब 10 बजे इस घटना को अंजाम दिया गया। कार से तीन लोग बाहर निकले और उन्होंने कथित तौर पर चालक पर तीन गोलियां चलाईं और अपने वाहन में बैठकर भाग गए।

चिन्मयकृष्ण दास की जमानत फिर टली

नई दिल्ली। बांग्लादेश के चटगांव अदालत में हिंदू सन्यासी चिन्मयकृष्ण दास की जमानत याचिका पर सुनवाई का मामला एक बार फिर टल गया। बुधवार को इस याचिका को सुनवाई के लिए आगे लाने की अपील खारिज कर दी गई। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील रविंद्र घोष ने यह याचिका दायर की थी लेकिन अदालत में मौजूद वकीलों ने इसका कड़ा विरोध किया। घोष ने अदालत में तीन याचिकाएं दायर की थीं।

खाली चल रही मेरठ-लखनऊ वंदे भारत

नई दिल्ली। एक रूट पर चलने वाली मेरठ-लखनऊ वंदे भारत एक्सप्रेस की सीटें अक्सर खाली रहती हैं। यात्रियों की कमी से जूझ रही इस ट्रेन के लिए रेलवे ने एक खास योजना बनाई है। रेलवे प्रशासन ने इस ट्रेन को वाराणसी तक विस्तारित करने का फैसला लिया है और इसके लिए कार्य शुरू कर दिया है। इस कदम का उद्देश्य न केवल यात्रियों की संख्या बढ़ाना है, बल्कि ट्रेन की क्षमता का भी बेहतर उपयोग सुनिश्चित करना है।

अपने दम पर चुनाव लड़ेगी 'आप'

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच गठबंधन की खबरों पर अरविंद केजरीवाल ने विराम लगा दिया है। केजरीवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी दिल्ली में अपने बलबूते पर चुनाव लड़ेगी। कांग्रेस के साथ किसी भी तरह के गठबंधन की संभावना नहीं है। इससे पहले सूत्रों के हवाले से बताया था कि आप और कांग्रेस के बीच गठबंधन की बात अंतिम चरण में है। गठबंधन में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के अलावा इंडिया गठबंधन के कुछ अन्य दलों को भी शामिल करने की बात सामने आई। कहा जा रहा था कि कांग्रेस को 15 सीटें और अन्य इंडिया गठबंधन सदस्यों को 1 या 2 सीटें मिल सकती हैं। बाकी सीटों पर आम आदमी पार्टी खुद चुनाव लड़ेगी। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी अब तक दो सूची जारी कर चुकी है। पहली सूची में पार्टी 11 सीटों पर उम्मीदवारों का एलान किया। वहीं, दूसरी सूची में सोमवार को 20 सीटों के लिए प्रत्याशी घोषित किए गए। जानकारी के लिए बता दें कि दिल्ली में अगले साल 2025 में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं।

एक्शन में भारतीय चुनाव आयोग

'वोट जिहाद' जैसे विवादित जुमलों की जांच होगी तेज

मुंबई।

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव खत्म होने के बाद नतीजे और यहां तक की राज्य में सरकार का गठन भी हो चुका है। लेकिन चुनाव प्रचार के दौरान नेताओं की तरफ से इस्तेमाल किए गए विवादित जुमलों को लेकर चुनाव आयोग अब कार्रवाई करने में जुट गया है। एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि हाल ही में संपन्न महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में चुनाव प्रचार के दौरान कुछ राजनीतिक दलों की तरफ से इस्तेमाल किए गए 'वोट जिहाद' जैसे विवादास्पद जुमले भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) की जांच के दायरे में हैं।

महाराष्ट्र के अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ.किरण कुलकर्णी ने यह भी कहा कि राज्य चुनावों के दौरान चुनाव आचार संहिता उल्लंघन के 650 से अधिक मामले दर्ज किए गए, और प्रवर्तन एजेंसियां यह सुनिश्चित करेंगी कि इन मामलों को निष्कर्ष तक पहुंचाया जाए। वहीं जब उनसे 'वोट जिहाद' के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, ईसीआई आगे की कार्रवाई करने से पहले कानूनी, भाषाई और सामाजिक क्षेत्रों में इसके निहितार्थों का सावधानीपूर्वक विश्लेषण कर रहा है... हमें 'वोट जिहाद' जैसे शब्दों से बहुत सावधान रहना चाहिए क्योंकि इनके गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

उन्होंने कहा, 'यह एक नया मुहावरा है, जिसके लिए गहन अध्ययन की आवश्यकता है। इसमें कानूनी, भाषाई, सामाजिक और धार्मिक पहलुओं पर विचार किया जाना चाहिए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी, मैं और तमाम ईसीआई अधिकारी इसका विश्लेषण कर रहे हैं और इन सभी पहलुओं की व्यापक समीक्षा के बाद हम उचित निर्णय लेंगे। इस दौरान यह पूछे जाने पर कि क्या इस तरह के विवादास्पद जुमलों ने चुनावी प्रचार को प्रभावित किया है, तो एसीईओ कुलकर्णी ने जल्दबाजी में निष्कर्ष निकालने के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने कहा, यह एक लंबी प्रक्रिया है। शब्दों और उनके संदर्भों को अच्छी तरह से परिभाषित और विश्लेषित करने की आवश्यकता है। नई शब्दावली के लिए कोई सख्त कानूनी ढांचा नहीं है, इसलिए हमें ऐसे मामलों को सावधानीपूर्वक संभालना चाहिए, उनके परिणामों को ध्यान में रखते हुए।

लोस से ज्यादा विस चुनाव में केस दर्ज

किरण कुलकर्णी ने कहा कि चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के लिए राज्य में कुल 659 मामले दर्ज किए गए, जो इस साल की शुरुआत में हुए लोकसभा चुनावों के दौरान दर्ज किए गए 366 मामलों से काफी अधिक है। उन्होंने कहा, लोकसभा मामलों में हमारी जांच एजेंसियों ने बेहतरीन काम किया है और 300 आरोपपत्र पहले ही अदालतों में दाखिल किए जा चुके हैं। हमारी प्रवर्तन एजेंसियां जांच कर रही हैं और सभी आरोपपत्र अदालतों में दाखिल किए जाएंगे।

रेलवे संशोधन विधेयक लोकसभा में पारित

रेल मंत्री बोले-इससे निजीकरण नहीं होगा

नई दिल्ली। रेलवे संशोधन विधेयक 2024 बुधवार को लोकसभा में पारित हो गया। विधेयक को बहस के बाद ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। इसे लेकर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि संशोधन विधेयक से रेलवे का निजीकरण नहीं होगा। विपक्ष केवल झूठ फैला रहा है। संविधान को लेकर विपक्ष की फर्जी कहानी पहले ही बेनकाब हो गई है। अब उनका यह झूठ भी विफल हो जाएगा।

सदन में रेल मंत्री वैष्णव ने कहा कि कुछ सदस्यों ने कहा है कि विधेयक से रेलवे का निजीकरण होगा, एक फर्जी कहानी बनाने का प्रयास है। मैं पूरी ईमानदारी से अपील करता हूं कि वे ऐसा न करें, संविधान के बारे में उनकी एक फर्जी कहानी पहले ही विफल हो चुकी है। रेलवे (संशोधन) विधेयक 2024 का उद्देश्य रेलवे बोर्ड के कामकाज और स्वतंत्रता को बढ़ाना है। सरकार रेलवे अधिनियम 1989 और भारतीय रेलवे बोर्ड अधिनियम के एकीकरण की दिशा में आगे बढ़ी है। विधेयक पर चर्चा के दौरान रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि 10 हजार लोकोमोटिव और 15 हजार किमी रेलवे ट्रैक पर कवच का काम चालू हो गया है। विकसित देशों ने जो 20 साल में काम किया, वह काम भारत ने पांच साल में किया। कवच लगने से 10 किमी दूर का सिग्नल ड्राइवर को केबिन में मिल जाएगा। बाहर कुहासा हो, तो भी कवच से सिग्नल मिलेगा। ओवर स्पीड होने पर कवच ऑटोमेटिक ब्रेक लगा देगा। आप विश्वास नहीं करेंगे कि ट्रायल के दौरान लोको पायलट के चेहरे पर कितनी खुशी थी।

जनरल कोच की बढ़ी मांग

रेल मंत्री ने कहा कि ट्रेनों में दो तिहाई कोच नॉन एसी होते हैं। एक तिहाई एसी कोच होते हैं। जनरल कोच की मांग भी बढ़ी है। इसलिए 12,000 जनरल कोच विशेष तौर पर बनाए जा रहे हैं। 900 अतिरिक्त जनरल कोच ट्रेनों में लगाए जा चुके हैं। उन्होंने यह भ्सी कि रेल दुर्घटनाओं की संख्या 1960 के दशक में प्रति वर्ष 1390 से घटकर पिछले दशक में 80 प्रति वर्ष हो गई। 2021-2022 में अभी भी 34, 2022-23 में 48 और 2023-2024 में 40 परिणामी दुर्घटनाएं हुईं।

चुनाव परिणामों पर 'इंडिया ब्लॉक' खफा

ईवीएम के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएगा

मुंबई. महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक ने चुनाव आयोग और भाजपा पर चुनाव में कथित 'धांधली' का आरोप लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट जाने का फैसला लिया है। मंगलवार को शरद पवार गुट के नेता प्रशांत जगताप ने इसकी जानकारी दी। एनसीपी (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार, आम आदमी पार्टी (आप) संयोजक अरविंद केजरीवाल और जाने-माने वकील एवं कांग्रेस नेता अभिषेक सिंघवी के बीच यहां हुई एक बैठक के बाद इस फैसले की घोषणा की गई। विपक्षी गठबंधन का आरोप है कि भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन के पक्ष में ईवीएम में कथित गड़बड़ी हुई जिसके कारण वह महाराष्ट्र में चुनाव हार गया। बैठक के दौरान केजरीवाल ने दिल्ली में मतदाता सूची से संबंधित अपनी चिंताओं को उठाया, जहां अगले साल की शुरूआत में विधानसभा चुनाव होने की संभावना है। प्रशांत जगताप ने एएनआई को दिए बयान में कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा भाजपा को जिताने के लिए जो धांधली की गई, उसके खिलाफ हम सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर करेंगे। हमें सुप्रीम कोर्ट पर भरोसा है और हम उम्मीद करते हैं कि शीर्ष अदालत हमारे पक्ष में और घोटाले के खिलाफ फैसला सुनाएगी। विपक्षी गठबंधन ने एनडीए पर हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के दौरान चुनावी धांधली का आरोप लगाया है और कहा है कि सरकार को लाभ पहुंचाने के लिए प्रक्रिया में हेराफेरी की गई।

भारत पहुंचे नेपाल के सेना प्रमुख

नई दिल्ली। नेपाल के सेना प्रमुख जनरल अशोक राज सिग्देल ने बुधवार को भारत के सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी से मुलाकात की। चार दिवसीय यात्रा पर भारत पहुंचे नेपाल के सेना प्रमुख ने भारतीय समकक्ष के साथ द्विपक्षीय रक्षा सहयोग और क्षेत्रीय सुरक्षा समेत तमाम मुद्दों पर चर्चा की।

विपक्ष के नोटिस पर होगा एक्शन?

धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का आइडिया टीएमसी का!

नई दिल्ली। विपक्षी गठबंधन द्वारा राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को उपराष्ट्रपति पद से हटाने का नोटिस दिया जा चुका है। शीतकालीन सत्र में अब करीब 10 दिन का ही समय बचा हुआ है। ऐसे में सवाल है कि क्या इस सत्र में इस नोटिस पर कोई ऐक्शन हो पाएगा? बता दें कि संसद का शीतकालीन सत्र 20 दिसंबर को समाप्त हो जाएगा।

विपक्ष के मुताबिक अगर इस सत्र में कोई कार्रवाई नहीं होती है तो वह अगले सत्र में भी ऐसी नोटिस देंगे। बताया जाता है कि जगदीप धनखड़ को नोटिस देने का आइडिया टीएमसी का था। गौरतलब है कि राज्यसभा में पहली बार किसी सभापति के खिलाफ इस तरह का नोटिस दिया गया है।

करीब 10 दिन पहले टीएमसी ने सबसे पहले उपराष्ट्रपति के खिलाफ इस कदम का आइडिया दिया था। जानकारी के मुताबिक कांग्रेस अडानी मुद्दे पर आगे बढ़ रही थी। इसी दौरान टीएमसी द्वारा सोनिया गांधी के पास इस बाबत संदेश भिजवाया गया।

सोनिया ने कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से बात की और इस मुद्दे से जुड़ने के लिए कहा। इसके बाद मॉनसून सत्र के दौरान विपक्षी दलों ने अपने खिलाफ भेदभाव को लेकर सबूत जुटाने शुरू किए। इसमें वीडियो क्लिप्स से लेकर आर्टिकल्स और अन्य डॉक्यूमेंट्स शामिल थे। विपक्ष धनखड़ के खिलाफ कई मुद्दों को लेकर नाराज है। इसमें भाजपा सदस्यों द्वारा कांग्रेस प्रतिनिधियों और जॉर्ज सोरोस के बीच संबंधों को लेकर सवाल उठाना भी शामिल है।

धनखड़ पर विपक्ष का गंभीर आरोप

विपक्ष के प्रस्ताव में जगदीप धनखड़ को विपक्षी सदस्यों पर अस्वीकार्य टिप्पणियां करने का आरोप लगाया गया है। विपक्ष ने आरोप लगाया है कि जुलाई में सदन को चलाते हुए धनखड़ ने खुद को आरएसएस का एकलव्य बताया था। इसके अलावा आरोप में यह भी कहा गया है कि धनखड़ ने विपक्षी सांसदों की उचित मांगों को भी अस्वीकार किया है। विपक्ष का आरोप है कि वह देश भर में विभिन्न मंचों से सरकार की नीतियों के प्रवक्ता की तरह से बात करते हैं।

महाकुंभ में श्रद्धालुओं की साइबर सिक्योरिटी

44 वेबसाइट्स को रडार पर रखकर तैयारी कर रहे हैं योगी के योद्धा

प्रयागराज। कल से महाकुंभ मेला का आगाज होगा। महाकुंभ की तैयारियों को अंतिम रूप देने में लगी योगी आदित्यनाथ सरकार पहली बार इतने व्यापक स्तर पर महाआयोजन का डिजिटलीकरण करने जा रही हैडिजिटलाइजेशन के साथ साथ ऑनलाइन धोखाधड़ी को रोकने के लिए भी व्यापक तैयारी की जा रही है। इसी क्रम में साइबर सिक्योरिटी प्रदान करने के लिए मेला क्षेत्र में साइबर थाने की शुरुआत की गई है। इसके माध्यम से एआई, डार्क वेब और सोशल मीडिया का दुरुपयोग कर लोगों को झांसा देना संभव नहीं हो पाएगा।

इसमें खास बात ये है कि इस बार देश विदेश से इतनी बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं की ऑनलाइन सुरक्षा के लिए पूरे प्रदेश के चुनिंदा अफसरों की एक स्पेशल टीम बुलाई गई है। यहां प्रदेश के चुनिंदा साइबर एक्सपर्ट्स पहुंच चुके हैं, जो 45 करोड़ श्रद्धालुओं की साइबर सुरक्षा में 24 घंटे तैनात रहेंगे। सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर महाकुम्भ 2025 को अब तक का सबसे भव्य और दिव्य आयोजन बनाने के लिए वृहद स्तर पर तैयारी की जा रही है। मेला के दौरान यहां 45 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है, जिनकी सुरक्षा को लेकर मुख्यमंत्री योगी ने अफसरों को विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया है। इसी क्रम में एक एक श्रद्धालु की सुरक्षा पर मेले के अधिकारी विशेष ध्यान दे रहे हैं। यही नहीं, उन्हें साइबर सिक्योरिटी प्रदान करने के लिए पूरे प्रदेश के चुनिंदा अफसरों की एक स्पेशल टीम महाकुंभनगर बुला ली गई है।

महाकुंभनगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी बताते हैं कि फेक और डार्क वेबसाइट और सोशल मीडिया के शातिरों से श्रद्धालुओं की हर तरह से हिफाजत करने की योजना तैयार कर ली गई है। इसके लिए पूरे प्रदेश के अनुभवी अफसरों को यहां महाकुंभनगर में बुलाया गया है। आते ही साइबर सेल के एक्सपर्ट अपनी पोजिशन ले चुके हैं। सबसे खास बात यह है कि महाकुम्भ में एआई, एक्स, फेसबुक और गूगल का किसी भी प्रकार से दुरुपयोग नहीं किया जा सकेगा।

पैसे मांगने वालों पर विशेष नजर

जो लोग एआई, फेसबुक, एक्स या इंस्टाग्राम के माध्यम से लोगों से पैसे मांगते हैं, उन पर भी साइबर एक्सपर्ट नजर रख रहे हैं। शिकायत मिलते ही उन पर प्रभावी कार्यवाही की जाएगी। इनके अलावा फर्जी वेबसाइट और लिंक के जरिए धोखाधड़ी करने वालों पर भी सख्ती की जाएगी। महाकुंभ में आने वाले एक-एक श्रद्धालु की सुरक्षा में साइबर एक्सपर्ट की टीम 24 घंटे अलर्ट मोड में है।

घर बनाना हुआ महंगा

सीमेंट के दाम में हुआ जबरदस्त इजाफा

नई दिल्ली.

अगर कोई अपने घर का निर्माण करने जा रहा है, तो उसकी कॉस्ट में इजाफा हो सकता है. इसका प्रमुख कारण है सीमेंट की कीमतों में इजाफा होना. देश भर में सीमेंट डीलर्स ने दिसंबर की शुरुआत से कीमतों में इजाफा कर दिया है. जिससे डीलर मार्जिन कम हो गया है और सीमेंट कंपनियों के मुनाफे पर असर पड़ा है. डीलर्स के अनुसार बढ़ोतरी रियल एस्टेट सेक्टर की बढ़ती डिमांड के कारण है, जो त्योहारी सीजन के बाद बेहतर लेबर अवेलेबिलिटी और इंफ्रा सेक्टर के ऑर्डर में वृद्धि से प्रेरित है. बीते करीब 5 महीनों से सीमेंट के दाम फ्लैट देखने को मिल रहे थे.

पश्चिमी भारत में सीमेंट की कीमत सबसे ज्यादा हैं. इधर, डीलरों ने प्रति 50 किलो बैग पर करीब 5-10 रुपये की बढ़ोतरी कर दी है. देश के बाकी हिस्सों में, विशेष रूप से दक्षिणी और पूर्वी क्षेत्रों में, कीमतों में बढ़ोतरी अधिक हुई है. हालांकि, इन क्षेत्रों में कीमतें पश्चिमी और उत्तरी भारत की तुलना में कम हैं. डीलर्स और विभिन्न बी2बी प्लेटफॉर्म पर लिस्टिंग के अनुसार, पश्चिमी भारत में नई सीमेंट की कीमतें 350-400 रुपए प्रति 50 किलोग्राम बैग हैं. दिल्ली के सीमेंट डीलर्स के अनुसार सभी ब्रांडों की कीमतों में 20 रुपए प्रति बैग की बढ़ोतरी की गई है, क्वालिटी और ब्रांड के आधार पर नई कीमतें 340-395 रुपये प्रति बैग के बीच हैं.

चेन्नई के एक बड़े सीमेंट डिस्ट्रीब्यूटर के अनुसार दक्षिणी भारत में, जहां सीमेंट की कीमतें सबसे कम हैं, डीलर्स ने अधिकांश ब्रांडों की कीमतों में 40 रुपए प्रति बैग तक की बढ़ोतरी की है, जिससे सीमेंट के 50 किलोग्राम बैग की कीमतें लगभग 320 रुपये हो गई हैं. पूर्वी भारत में कई महीनों के बाद कीमत में बढ़ोतरी देखने को मिली है. कुछ राज्यों में त्योहार के बाद इंफ्रा और रियल एस्टेट कंस्ट्रक्शन में तेजी की वजह से डीलर्स ने 30 रुपए प्रति बैग तक का इजाफा किया है.

दूसरी छमाही में सरकारी खर्च में तेजी देखने को मिलेगी

इनक्रेड इक्विटीज की रिपोर्ट में कहा गया है कि दिसंबर में सभी रीजंस में कीमतों में लगभग 10-15 रुपये प्रति बैग की बढ़ोतरी होगी. कीमतें "नीचे आ गई हैं", और छोटी कीमतों में बढ़ोतरी ही आगे बढ़ने का रास्ता है क्योंकि चुनाव और मानसून से संबंधित व्यवधानों के बाद वित्त वर्ष 2025 की दूसरी छमाही में सरकारी खर्च में तेजी देखने को मिलेगी. वैसे रिपोर्ट में कहा गया है कि नई क्षमताओं के आने के कारण मांग में वृद्धि के बावजूद ज्यादा बढ़ोतरी को लागू करना मुश्किल होगा. इसके अलावा, बड़े सीमेंट प्लेयर्स वॉल्यूम और बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने के बारे में सोच सकते हैं और प्राइस हाइक से दूर रह सकते हैं.

नवंबर में एसआईपी से 25320 करोड़ का निवेश आया

नई दिल्ली.

इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश नवंबर, 2024 में मासिक आधार पर 14 फीसदी घटकर 35,943 करोड़ रह गया। विभिन्न आर्थिक कारकों, कई देशों में तनाव व अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों से उत्पन्न अस्थिरता के कारण निवेश में गिरावट आई है। इसके बावजूद नवंबर में लगातार 45वें महीने इक्विटी आधारित फंड में शुद्ध निवेश आया, जो निवेशकों के बीच म्यूचुअल फंड के बढ़ते आकर्षण का संकेत है। हालांकि, सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) में निवेश स्थिर रहा। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) की ओर से मंगलवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले महीने एसआईपी में 25,320 करोड़ रुपये का निवेश आया।

अक्तूबर में यह 25,323 करोड़ रुपये रहा था। आंकड़ों के मुताबिक, पिछले महीने म्यूचुअल फंड उद्योग में कुल 60,295 करोड़ रुपये का निवेश हुआ। यह आंकड़ा अक्तूबर के 2.4 लाख करोड़ रुपये की तुलना में करीब 75 फीसदी कम है। इसकी प्रमुख वजह डेट फंड निवेश में बड़ी गिरावट है।

अक्तूबर के 1.57 लाख करोड़ की तुलना में नवंबर में डेट फंडों में सिर्फ 12,915 करोड़ का निवेश हुआ। निवेश में गिरावट के बावजूद म्यूचुअल फंड उद्योग की प्रबंधन के अधीन शुद्ध परिसंपत्तियां (एयूएम) बढ़कर 68.08 लाख करोड़ रुपये पहुंच गईं, जो अक्तूबर में 67.25 लाख करोड़ रुपये थीं।

केंद्रीय कर्मचारियों की बल्ले बल्ले

> दो भत्ते में बढ़ेगी सैलरी

नई दिल्ली.

केंद्र सरकार ने जुलाई में केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में 3 फीसदी की बढ़ोतरी की थी. इससे यह 53 फीसदी हो गया है. अब सरकार ने दो और भत्ते में बढ़ोतरी की है. अब इसका असर सीधा कर्मचारियों के सैलरी पर देखने को मिलेगा. यानि की अब उनकी सैलरी बढ़ेगी. इन दो भत्ते नर्सिंग भत्ता और ड्रेस भत्ता है. जब महंगाई भत्ता 50 फीसदी हुआ था, तो 7 वीं वेतन आयोग ने कई भत्तों में बढ़ोतरी का सुझाव दिया था.सितंबर में नर्सिंग भत्ता और ड्रेस भत्ता दोनों को एलिजिबल कर्मचारियों के लिए संशोधित किया गया है.

4 जुलाई 2024 को द्वारा जारी किए गए एक सर्कुलर में कहा गया था कि महंगाई भत्ते के 50 फीसदी होने के बाद, जिन भत्तों पर प्रभाव पड़ता है, उन्हें 25% बढ़ा दिया जाए. स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के 17 सितंबर 2024 के अनुसार ड्रेस भत्ता हर बार 50फीसदी महंगाई भत्ता होने पर 25 फीसदी बढ़ाया जाएगा. नर्सिंग भत्ता जो सभी नर्सों को दिया जाता है. अब उसमें भी 25 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है. स्वास्थ्य मंत्रालय के 17 सितंबर 2024 के अनुसार नर्सिंग भत्ता भी तब बढ़ेगा जब महंगाई भत्ता 50 फीसदी हो जाएगा. केंद्रीय वेतन आयोग हर 10 साल में बनता है. यह सरकारी कर्मचारियों के वेतन, भत्तों और लाभों का इवोल्यूशन करता है. 7 वीं वेतन आयोग की सिफारिशें 1 जनवरी 2016 से लागू हुई थी. 17 सितंबर 2024 के अनुसार ड्रेस भत्ता हर बार 50 फीसदी महंगाई भत्ता होने पर 25 फीसदी बढ़ाया जाएगा.

अमेज़न ने पांचवें वार्षिक संस्करण में विकसित भारत की कल्पना की

नई दिल्ली.

अमेज़न ने सालाना आयोजित होने वाले अपने 'संभव समिट' के पांचवें संस्करण में 'विकसित भारत' के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता का विस्तार करने वाली कई पहलों की घोषणा की है। संभव समिट, अमेज़न के भारत के छोटे व्यवसायों का जश्न मनाने, उनका समर्थन करने और उन्हें सशक्त बनाने से जुड़े प्रयास का अंग है, जिसका उद्देश्य है, भारत और दुनिया भर में उन व्यवसायों के विकास में तेज़ी लाना। अमेज़न ने इस प्रयास के तहत, भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने की सरकार की प्रमुख प्राथमिकता को गति देने के लिए डीपीआईआईटी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया हैं। अमेज़न ने अपने संभव वेंचर फंड से 120 मिलियन डॉलर ऐसे स्टार्टअप में निवेश करने के लिए निर्धारित किए हैं जो भारत में उपभोक्ता वस्तुओं के विनिर्माण को डिजिटल बनाएंगे और घरेलू और वैश्विक मांग को पूरा करेंगे, जिससे हज़ारों की तादाद में रोज़गार पैदा होंगे। अमेज़न अपनी निर्यात प्रतिबद्धता को चार गुना बढ़ा रही है और 2030 तक भारत से कुल 80 अरब डॉलर से अधिक का निर्यात संभव बनाने की योजना बना रही है। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि भारतीय एमएसएमई, विनिर्माताओं और डी2सी स्टार्टअप के लिए अमेज़न के ग्लोबल सेलिंग प्रोग्राम के ज़रिये करने के साथ-साथ अमेज़न के ग्लोबल मार्केटप्लेस में बेचे जाने वाले मेड-इन-इंडिया उत्पादों की सोर्सिंग के संयोजन से प्रेरित होगी। अमेज़न विभिन्न क्षेत्रों से निर्यात करने में मदद करना जारी रखेगी, जिसमें घर एवं रसोई से जुड़े उत्पाद, परिधान एवं वस्त्र, खिलौने, स्वास्थ्य एवं न्यूट्रिशन सप्लीमेंट, आयुर्वेदिक उत्पाद आदि शामिल हैं।

जीवन बीमा के क्षेत्र में आ रहा बदलाव

नई दिल्ली

अवीवा लाइफ इंश्योरेंस इंडिया ग्राहकों की सेहत, पारदर्शिता और बीमा की सुलभता को ध्यान में रखते हुए मजबूती के साथ जीवन बीमा के क्षेत्र में बड़ा बदलाव लेकर आ रहा है। भविष्य की सोच के साथ, अवीवा ने ऐसे इनोवेटिव प्रोडक्ट और पहल की शुरुआत की है। अवीवा की यह पहल बीमा के क्षेत्र में एक नया मानक स्थापित कर रही है। कंपनी के ये प्रोडक्ट इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के "इंश्योरेंस फॉर ऑल" मिशन को ध्यान में रखकर पेश किए गए हैं।

अवीवा की इस एप्रोच में कंपनी का पूरा फोकस ग्राहकों के संपूर्ण स्वास्थ्य पर है। यह एप्रोच पाँच प्रमुख स्तंभों पर आधारित है, ये स्तंभ हैं शारीरिक फिटनेस, मानसिक सेहत, प्रोएक्टिव हेल्थ चेक, संतुलित पोषण और वित्तीय सुरक्षा। सेहत को लेकर कंपनी की यह एप्रोच अवीवा के प्रमुख प्रोडक्ट में भी दिखाई देती है। कंपनी के इन प्रोडक्ट में एक प्रिवेंटिव वैलनेस पैकेज भी है, जिसमें स्मार्ट स्केल, बीपी मॉनिटर, स्मार्टवॉच, एआई-पावर्ड डाइट गायडेंस, जीनोम टेस्टिंग के साथ ही न्यूट्रिशनिस्ट के साथ एक कंसल्टेशन जैसे स्मार्ट हेल्थ टूल्स भी प्रदान किए जाते हैं। वैलनेस टूल्स का यह सेट पॉलिसीधारकों को प्रोएक्टिव तरीके से अपनी सेहत को दुरुस्त रखने के लिए प्रोत्साहित करता है, इसी के साथ ही ग्राहकों की जिंदगी को बेहतर बनाने के लिए अवीवा के प्रयासों को और मजबूती प्रदान करता है।

अवीवा इंडिया के असित रथ ने कहा, "एक लाइफ इंश्योरेंस प्रोवाइडर के रूप में, हमारा मानना है कि सच्ची सुरक्षा वित्तीय सुरक्षा से कहीं अधिक व्यापक होती है; यह हमारे ग्राहकों को सेहतमंद जिंदगी जीने के लिए उन्हें मजबूती प्रदान करता है। हमारी वैलनेस-सेंट्रिक एप्रोच लाइफ इंश्योरेंस को सेहत से जुड़े एक संपूर्ण संसाधन में बदल देता है। इसी के साथ ही यह प्रोडक्ट पारंपरिक बीमा के दायरों से परे हमारे ग्राहकों की सेहत को बेहतर बनाने का प्रयास करता है।पारदर्शिता और नैतिक प्रथाओं के प्रति अवीवा की प्रतिबद्धता इसके अवीवा सिग्नेचर प्रोडक्ट सीरीज में साफ झलकती है।

इस सीरीज का उद्देश्य मिस सेलिंग को खत्म करना है, इसी के साथ ही इसका प्रयास है कि प्रत्येक उत्पाद ग्राहक की विशेष जरूरतों के अनुकूल हो। एथिकल प्रोडक्ट पर इस फोकस ने अवीवा के प्रति ग्राहकों का विश्वास मजबूत बनाया है। कंपनी की इन्हीं कोशिशों ने अवीवा को लाइफ इंश्योरेंस सेक्टर में अलग पहचान दिलाई है। अवीवा के प्रोडक्ट पोर्टफोलियो में शामिल किए गए नए प्रोडक्ट अवीवा के एडवाइजर्स को कॉम्पटीटिव लॉन्ग टर्म कमीशन मॉडल के साथ उनकी मदद करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। यह मॉडल एडवाइर के रूप में एक लंबे करियर के लिए इसे टिकाऊ और फायदेमंद विकल्प बनाता है.इन क्षेत्रों में अवीवा की जमीनी स्तर पर भागीदारी की रणनीति में जागरूकता पैदा करने वाली एक्टिविटी, रोजगार के अवसर पैदा करना और इंश्योरेंस के ईकोसिस्टम में सभी की भागीदारी को बढ़ावा देना शामिल है। कंपनी की यह रणनीति सभी भारतीयों को सुरक्षा और मानसिक शांति प्रदान करने की कंपनी की प्रतिबद्धता को मजबूती प्रदान करती है।

बीमा लेने वाला व्यक्ति कही भी रहता हो या फिर किसी भी पृष्ठभूमि का हो, हम हर भारतीय को जीवन बीमा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उत्तराखंड के दूरदराज के इलाकों में विस्तार करके, हम न केवल ज्यादा से ज्यादा परिवारों को वित्तीय सुरक्षा प्रदान कर रहे हैं, बल्कि समुदायों के बीच जागरूकता एवं विश्वास बढ़ाने में भी मदद कर रहे हैं।

इन पहलों के साथ, अवीवा लाइफ़ इंश्योरेंस आज की दुनिया में इंश्योरेंस प्रोवाइडर होने का अर्थ फिर से परिभाषित कर रहा है। सेहत, वैलनेस, पारदर्शिता और समावेशिता के प्रति प्रतिबद्धता के माध्यम से, अवीवा न केवल जिंदगी को सुरक्षित बना रहा है बल्कि व्यक्तियों को सेहत, आर्थिक सुरक्षा और बेहतर जिंदगी हासिल करने में मदद कर रहा है।

शुरू हुई टेस्ला शोरूम के लिए जगह की तलाश

नई दिल्ली.

दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी और टेस्ला प्रमुख एलन मस्क का भारत में एंट्री का सपना जल्द पूरा हो सकता है. इसके लिए एलन मस्क ने भारत के लिए अपनी ओर से री-स्टार्ट का बटन दबा दिया है. रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार एलन मस्क की टेस्ला ने नई दिल्ली में शोरूम के लिए जगह की तलाश फिर से शुरू कर दी है. रॉयटर्स सूत्रों के अनुसार एलन मस्क एक बार फिर से इंडियन मार्केट में एंट्री करने का विचार कर रहे हैं. इससे पहले साल की शुरुआत में एलन मस्क ने भारत में इंवेस्टमेंट प्लानिंग को ठंडे बस्ते में डाल दिया था.

मस्क मौजूदा साल के अप्रैल महीने में भारत की यात्रा करने वाले थे, जहां उनकी मुलाकात देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से होनी थी और उन्हें उन्हें संभावित रूप से भारत में 2-3 बिलियन डॉलर के निवेश की घोषणा करनी थी. हालांकि, कम होती सेल के बीच टेस्ला द्वारा अपने 10 फीसदी कर्मचारियों को बर्खास्त करने

का फैसला लेने के बाद उन्होंने आखिरी समय में अपनी भारत यात्रा कैंसल कर दी थी. रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार टेस्ला ने दिल्ली और आसपास के इलाकों शोरूम के लिए जगह की तलाश शुरू कर दी है. इसके लिए टेस्ला ने देश के बड़े रियल एस्टेट डेवलपर डीएलएफ के साथ बातचीत चल रही है. दोनों के बीच की बातचीत अभी प्राइमरी फेज में है. रॉस्टर्स सूत्र के अनुसार यह फिक्स नहीं है कि भारत के सबसे बड़े प्रॉपर्टी डेवलपर के साथ टेस्ला की बातचीत से कोई डील हो पाएगी और टेस्ला दूसरे डेवलपर्स के साथ भी चर्चा कर रहा है. टेस्ला और डीएलएफ की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है.

हाइड्रोजन इंटर्नल कंबशन इंजन टेस्ट बेड सुविधा का उद्घाटन

आत्मनिर्भर भारत मिशन के अनुरूप

पुणे.

ऊर्जा और पर्यावरण, बायो एवं हेल्थकेयर और मैटेरियल एवं सेमीकंडक्टर सहित समूह के तीन क्षेत्रों के लिए एनालिटिकल उपकरण एवं मेज़रमेंट सॉल्यूशंस उपलब्ध कराने वाले क्योटो स्थित जापान के अग्रणी होरिबा लिमिटेड समूह की कंपनी होरिबा इंडिया ने तेजी से उभरते हाइड्रोजन के वृहद क्षेत्र में कदम रखा है।

होरिबा ने पुणे के चाकन में होरिबा इंडिया टेक्निकल सेंटर में अपनी पहली हाइड्रोजन इंटर्नल कंबशन इंजन टेस्ट बेड सुविधा का उद्घाटन किया है। यह नई इकाई ना केवल कारोबार के रास्तों का विस्तार करेगी, बल्कि कार्बन न्यूट्रलिटी, डीकार्बनाइजेशन और टिकाऊपन हासिल करने के वैश्विक विजन को हासिल करने में भी उल्लेखनीय रूप से योगदान करेगी।

होरिबा इंडिया की चाकन इकाई- होरिबा इंडिया टेक्निकल सेंटर (एचआईटीसी) को 100 करोड़ रुपये से अधिक निवेश से 2016 में लांच किया गया जो 10,000 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र में फैला है। उत्सर्जन मापन प्रणालियों, उन्नत एनालिटिकल इंस्ट्रूमेंट्स और देशज कस्टमाइजेशन इकाई के लिए यह 2006 से एक प्रदर्शन आधार के तौर पर काम कर रही है। होरिबा ने हाल ही में इस इकाई में मास फ्लो कंट्रोलर्स (एमएफसी) का रिपेयर, कैलिबरेशन और प्रोडक्शन शुरू किया है।

इस कंपनी ने इस हाइड्रोजन

इंटर्नल कंबशन इंजन टेस्ट बेड सुविधा को स्थापित करने में और करीब 28-30 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इस सुविधा की इंजन टेस्टिंग क्षमता 380 किलोवाट तक की है जो भारतीय वाणिज्यिक वाहन खंड की जरूरतें पूरी करती है। मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत मिशन की तर्ज पर होरिबा की भारत में तीन विनिर्माण इकाइयां हैं जो पुणे के चाकन, नागपुर और हरिद्वार में हैं और ये टियर-2 शहरों में रोजगार के अवसरों का सृजन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

होरिबा लिमिटेड का वैश्विक कारोबार 2.3 अरब डॉलर है। इस कंपनी ने वर्ष 2022 के मुकाबले वर्ष 2032 तक CO_2 उत्सर्जन 42 प्रतिशत तक घटाने की प्रतिबद्धता जताई है।

यह हाइड्रोजन इंटर्नल कंबशन इंजन टेस्ट बेड सुविधा की स्थापना एक टिकाऊ कल की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होने जा रहा है और यह भारत की हरित ऊर्जा क्रांति में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

हरित ऊर्जा क्रांति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी

यह पहल प्रामाणिकता और उत्कृष्टता की होरिबा की विरासत का एक प्रमाण है जोकि हॉनमैमन बढ़ाने के हमारे मिशन में समाहित है। इस प्रथम हाइड्रोजन इंटर्नल कंबशन इंजन टेस्ट बेड सुविधा की स्थापना होरिबा इंडिया के इतिहास में एक यादगार कदम है। 50 से 380 किलोवाट तक के इंजनों की जांच की सुविधा के साथ यह इकाई वैश्विक सुरक्षा मानकों और अनुपालन जरूरतों को पूरा करती है। इसे भारतीय बाजार की निरंतर विकसित होती मांगों को पूरा करने के लिहाज से डिजाइन किया गया है और यह भारत की हरित ऊर्जा क्रांति में सहयोग करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

भरतिया ग्रुप कोका-कोला में खरीदने जा रहा 40 फीसदी हिस्सेदारी

नई दिल्ली.

कोका कोला से जुड़ी एक बड़ी जानकारी बाहर निकल कर आ रही है. हिंदुस्तान कोका कोला बेवरेज अपनी 40 फीसदी हिस्सेदारी बेचने जा रहा है. यह कोका कोला इंडिया की पूरी बोतलिंग इकाई है. इस डील की औपचारिक ऐलान आज होने की उम्मीद है. इसे भरतिया ग्रुप खरीदने जा रहा है. यह जुबिलेंट भरतिया ग्रुप का हिस्सा है. रिपोर्ट के अनुसार, गोल्डमैन सैक्स इस खरीद के लिए फाइनेंशियल सहायता प्रदान करेगा. साथ ही इस डील में भरतिया ग्रुप का साझीदार भी बनेगा. भारत कोका कोला का पांचवां सबसे बड़ा बाजार है. भारत में पैक किए गए सॉफ्ट ड्रिंक्स की प्रति व्यक्ति खपत बहुत कम है. जिससे यहां पर बढ़ने की अच्छी संभावना है. हाल ही में HCCB ने 5 सालों में करीब 12,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की घोषणा की है. इसमें गुजरात में जूस और एयरेटेड ड्रिंक्स बनाने के लिए 3,000 करोड़ रुपये और मध्य प्रदेश में स्पार्कलिंग ड्रिंक्स और जूस बनाने के लिए 350 करोड़ रुपये का निवेश शामिल है. भरतिया ग्रुप का यह डील अबतक का सबसे बड़ा डील है. इस ग्रुप के पास डोमिनोज पिज्जा का भारत में विशेष फ्रेंचाइजी राइट है. कोकाकोला अपनी बोतलिंग ऑपरेशन को हल्का और ज्यादा लाभकारी बनाने की कोशिश कर रहा है. दूसरी तरफ कोका कोला का कॉम्पिटिटर पेप्सिको ने अपने सभी बोतलिंग ऑपरेशन को रवि जयपुरिया की कंपनी वरुण बेवरेजेस को सौंप दिया है. इसका मार्केट वैल्यू पिछले एक साल में 47% फीसदी बढ़ा है अपनी आय में 9.2 फीसदी का इजाफा किया और 14,021 करोड़ रुपये की कमाई की. साथ ही इसका नेट प्रॉफिट 247 फीसदी बढ़कर 2,808.3 करोड़ रुपये तक पहुंच गया.

१- श्रद्धा सबुरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लॉटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

विदर्भ स्टॉकिस्ट **प्रविण कडू : 9822472123**

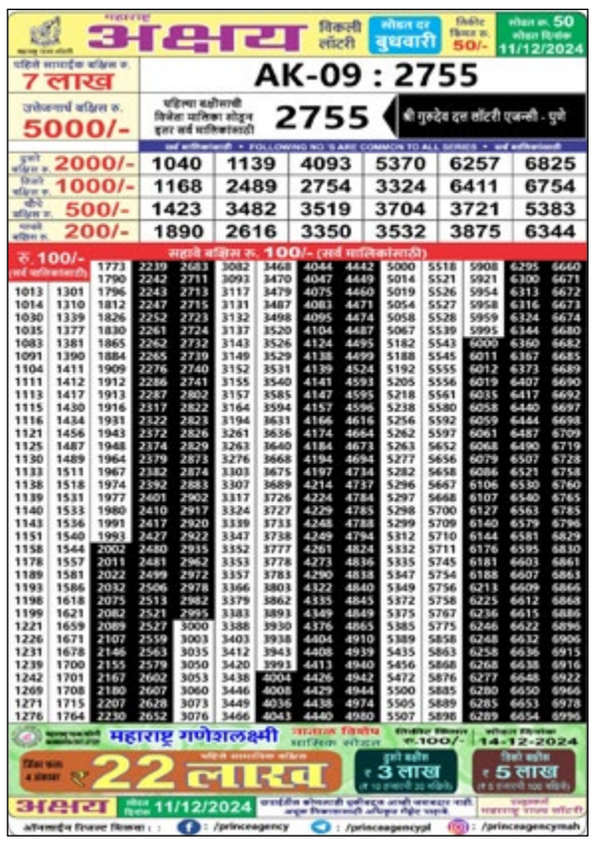

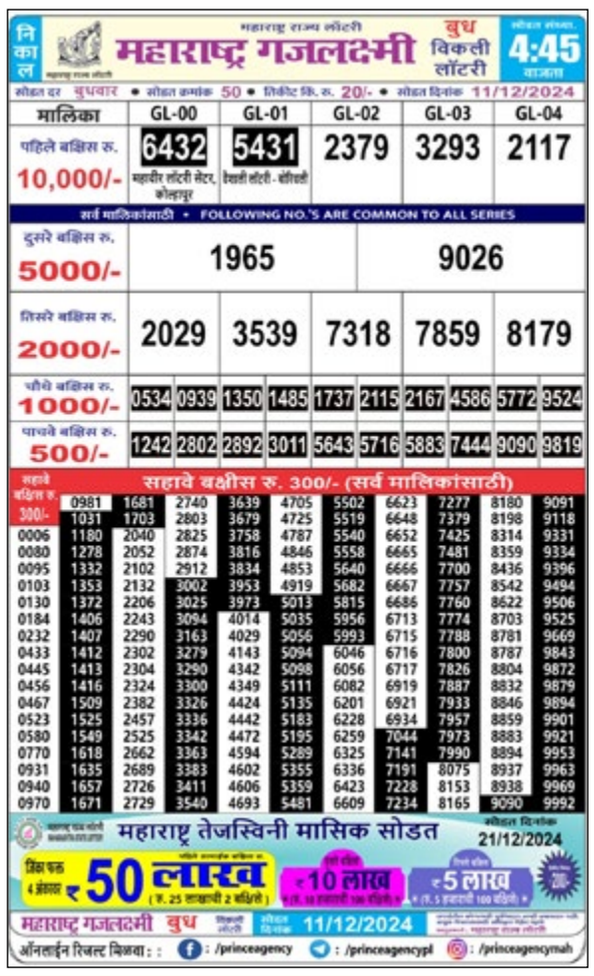

मंत्रिमंडल का विस्तार 14 तक होने की संभावना

मुंबई.

राज्य से मिली बड़ी खबर के अनुसार मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अगुवाई वाली सरकार के मंत्रिमंडल का विस्तार आगामी 14 दिसंबर तक होने की संभावना है। इस बाबत भारतीय जनता पार्टी के एक वरिष्ठ नेता बताया है। वहीं मुख्यमंत्री कार्यालय ने बताया कि फडणवीस बुधवार को दिल्ली रवाना हुए। मुख्यमंत्री बनने के बाद दिल्ली का यह उनका पहला दौरा हो रहा है और इस दौरान वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू एवं उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मिलेंगे। कहा जा रहा है कि, यह एक शिष्टाचार भेंट होगी।

इस बाबत एक बीजेपी नेता ने कहा कि शिवसेना को गृह विभाग नहीं मिलेगा और राजस्व विभाग भी उसे दिये जाने की संभावना नहीं है।

उन्होंने कहा कि बातचीत में देरी इसलिए हो रही है क्योंकि तीन पार्टियां (महायुति के सहयोगी भाजपा, शिवसेना और एनसीपी) इसमें शामिल हैं। वहीं इस नेता ने अपना नाम नहीं जाहिर करने की शर्त पर कहा, ''मंत्रिमंडल विस्तार 14 दिसंबर तक होने की संभावना है। शिवसेना को गृह विभाग दिए जाने की संभावना नहीं है।

शिवसेना को शहरी विकास विभाग मिल सकता है, लेकिन राजस्व विभाग मिलने की संभावना नहीं है। वहीं इस बीच बीजेपी नेता प्रवीण दारेकर ने संकेत दिया कि अगर विकास उनकी प्राथमिकता है तो शरद पवार के नेतृत्व वाली शरद गुट के कुछ सांसद उनकी पार्टी में शामिल हो सकते हैं। हालांकि वहीं शरद गुट की नेता विद्या चव्हाण ने दारेकर के इन दावों को खारिज करते हुए कहा कि हमारे सांसद दृढ़ हैं और गठबंधन को हम दुसरों की तरह धोखा नहीं देंगे।

पांच मंत्री पद खाली रखे जा सकते हैं

बीजेपी के मुख्यमंत्री समेत 21 -22 मंत्री पद रखने की संभावना है। उन्होंने कहा कि चार-पांच मंत्री पद खाली रखे जा सकते हैं। उपमुख्यमंत्री एवं शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे राष्ट्रीय राजधानीं की यात्रा नहीं कर रहे हैं। उनके कार्यालय ने यह जानकारी दी। महायुति गठबंधन द्वारा विधानसभा चुनाव में 288 में से 230 सीट जीतने के बाद पांच दिसंबर को फडणवीस ने मुख्यमंत्री के रूप में तथा शिंदे एवं राकांपा नेता नेता अजीत पवार ने उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। महाराष्ट्र मंत्रिमंडल में मुख्यमंत्री सहित अधिकतम 43 मंत्री हो सकते हैं।

युवा सरपंच की हत्या कर शव को फेंका

मुंबई. बीड जिले के मसाजोग गांव के युवा सरपंच संतोष देशमुख की सोमवार को दिनदहाड़े किडनैप कर हत्या कर दी गई. घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है. वारदात की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच शुरू की. इस मामले में पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों जयराम चाटे और महेश केदार को गिरफ्तार किया है. जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है. यह घटना 9 दिसंबर को दोपहर करीब तीन बजे की है, जब संतोष देशमुख अपने चचेरे भाई शिवराज देशमुख के साथ टाटा इंडिगो कार में मसाजोग गांव जा रहे थे. रास्ते में एक काली स्कॉर्पियो गाड़ी ने उनकी कार को रोका. गाड़ी से छह लोग उतरे और सरपंच संतोष देशमुख को जबरन गाड़ी से खींचकर अपहरण कर लिया. इसके बाद उनका शव केज तालुका के दहितना फाटा पर बरामद हुआ. संतोष के शरीर पर गहरी चोटों के निशान मिले थे.

प्रियंका चतुर्वेदी ने चुनाव आयोग को बताई जिम्मेदारी

मुंबई.

विधानसभा चुनाव के नतीजों में करारी हार के बाद विपक्ष को बड़ा झटका लगा है। इसके बाद विपक्ष ने सारा दोष ईवीएम पर लगाया है। विपक्ष का कहना है कि नतीजों को लेकर ईवीएम से छेड़छाड़ की गई और अब न्याय के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया जा रहा है। शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की विश्वसनीयता पर चिंता दोहराई है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में विपक्ष की याचिका के जवाब में कहा है कि मतदाता मतदान और ईवीएम के बीच विसंगतियों पर सवाल उठाए गए हैं। उन्होंने न्यायिक हस्तक्षेप के माध्यम से इस मुद्दे पर स्पष्टता की मांग की है। एएनआई से बात करते हुए, चतुर्वेदी ने इस तरह की चिंताओं को दूर करने में भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) की जिम्मेदारी की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा, "भारत के चुनाव आयोग की भी कुछ जिम्मेदारी है, खासकर जब भारत के पूर्व चुनाव आयोग ने भी कहा है कि मतदाता मतदान बढ़ता है और संख्याओं में गड़बड़ी देखी जाती है, इस पर जांच होनी चाहिए।"

हाल के चुनावों में ईवीएम पारदर्शिता और चुनावी गड़बड़ी के आरोपों पर बढ़ती आशंकाओं के बीच विपक्ष ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। विपक्षी दलों ने बार-बार चुनाव आयोग से मतदान प्रक्रिया में जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।

इससे पहले भारत ब्लॉक ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में ईवीएम और वीवीपीएटी मशीनों के साथ कथित छेड़छाड़ को लेकर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने का फैसला किया था। यह एनसीपी (एससीपी) प्रमुख शरद पवार, सुप्रिया सुले, आप संयोजक अरविंद केजरीवाल, आप के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह और वरिष्ठ कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी के बीच एक उच्च स्तरीय बैठक के बाद हुआ है। सीईओ ने पहले ईवीएम में हेरफेर के दावों को खारिज कर दिया था, मशीनों की अखंडता और मजबूत सुरक्षा उपायों पर जोर दिया था। 23 नवंबर को मतगणना प्रक्रिया के दौरान, मतगणना पर्यवेक्षक/उम्मीदवारों के प्रतिनिधियों के सामने, प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में रैंडम तरीके से चुने गए पांच मतदान केंद्रों की वीवीपीएटी पर्चों की गिनती की गई थी।

बाल अधिकार आयोग की कार्रवाई तेज

मुंबई.

बाल अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए और उनके संरक्षण और उनके अधिकारों से उन्हें अवगत कराने के लिए महाराष्ट्र बाल अधिकार आयोग ने 35 पॉक्सो और मामलों की सुनवाई की। महाराष्ट्र राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने हाल ही में यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम और बच्चों के निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा के अधिकार अधिनियम से संबंधित 35 मामलों की सुनवाई की, जिसमें पोक्सो अधिनियम के तहत मिली शिकायतों पर विचार किया गया।

इस सुनवाई में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, बाल कल्याण समिति के सदस्य, जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी और शिक्षा विभाग के अधिकारी शामिल हुए। आयोग ने लगभग सभी मामलों में आरोप पत्र दाखिल करने के लिए पुलिस की सराहना की, जो अब अदालत में लंबित हैं। आयोग कानूनी प्रक्रिया में तेजी लाने और उल्लंघनों को रोकने के लिए दिशा-निर्देश जारी करने की भी योजना बना रहा है।

आधिकारिक बयान के अनुसार, "महाराष्ट्र राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम और बच्चों के निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा के अधिकार अधिनियम (2009) से संबंधित 35 मामलों की सुनवाई की, जो पोक्सो अधिनियम के तहत प्राप्त शिकायतों से संबंधित थे। उल्लेखनीय है कि पुलिस ने सुनवाई से पहले लगभग सभी मामलों में आरोप पत्र दाखिल कर दिए हैं। आयोग ने इसके लिए पुलिस की सराहना की और मामले अभी अदालत में लंबित हैं। बयान के अनुसार, आयोग प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने, उल्लंघनों को रोकने और समय बचाने के लिए दिशा-निर्देश और सिफारिशें जारी करने के लिए तैयार है। इसके अतिरिक्त, बयान में उल्लेख किया गया है कि सुनवाई महाराष्ट्र राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष एडवोकेट सुशी बेन शाह और आयोग के सदस्यों, जिनमें एडवोकेट संजय सेंगर, एडवोकेट नीलिमा चौहान, सायली पालखेडकर और एडवोकेट प्रदन्या खोसरे शामिल हैं, की उपस्थिति में हुई।

अनधिकृत स्कूलों को बंद करने की उठी मांग

ठाणे. राज्य में अनधिकृत स्कूलों को लेकर एक बड़ा एक्शन लिया गया है। इसमें बताया जा रहा है कि ठाणे में अनधिकृत शैक्षणिक संस्थानों को बंद करने की मांग रखी गई है, जिसके लिए मुंबई उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया गया है। स्कूल न्यासियों के एक निजी संगठन ने कहा है कि उसने महाराष्ट्र के ठाणे जिले में दिवा क्षेत्र के अनधिकृत शैक्षणिक संस्थानों को तत्काल बंद करने का अनुरोध करते हुए एक याचिका मुंबई उच्च न्यायालय में दायर की है। कुछ दिनों पहले मुंब्रा इलाके में एक निजी स्कूल में एक व्यक्ति द्वारा 10 वर्षीय लड़की के साथ छेड़छाड़ किए जाने की घटना की जानकारी कथित रूप से पुलिस को नहीं देने के आरोप में उसकी प्रधानाध्यापिका को गिरफ्तार किया गया।

योजनाओं के लाभ को लेकर छिड़ी बहस

> राणे ने कहा - लाड़ली योजना का फायदा ले रहे मुस्लिम

मुंबई.

चुनाव में लाड़ली बहन योजना की खास चर्चा रही थी. राज्य की तमाम महिलाओं को इसके लाभ के दायरे में रखा गया था, जिससे चुनाव में भी पार्टी को जोरदार फायदा हुआ. अब बीजेपी के नेता दावे कर रहे हैं कि इस योजना का लाभ सबसे ज्यादा मुस्लिम महिलाओं को हो रहा है. पार्टी विधायक नितेश राणे ने कहा कि वोट करते वक्त मोदी नहीं चाहिए, लेकिन हमारी योजनाओं का उन्हें लाभ चाहिए.

बीजेपी विधायक नारायण राणे ने मीडिया से बातचीत में कहा, "वोट करते वक्त मोदी उन्हें नहीं चाहिए. मुसलमानों को हिंदुत्व विचारधारा, महायुती सरकार नहीं चाहिए लेकिन हर एक सरकारी योजना का लाभ चाहिए. सरकारी योजना का लाभ लेने के लिए मुस्लिम समुदाय के लोगों की संख्या अधिक रहती है.

तुम (मुसलमानों) लोगों को तुम्हारा धर्म महत्वपूर्ण लगता है, तो योजना का लाभ क्यों ले रहे हो नितेश राणे ने कहा, "मुख्यमंत्री लाडकी बहन योजना के लाभार्थी में ज्यादा से ज्यादा लाभार्थी मुसलमान समुदाय के नजर आ रहे हैं. मैं मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से विनती करने वाला हूं कि आदिवासी समाज को छोड़कर जिन्हें 2 से ज्यादा बच्चे हैं उन्हें सरकारी योजना से बाहर निकाला जाए. जिस वजह से ज्यादा से ज्यादा हिंदू समाज और हमें जो वोट करते हैं. मोदी के नेतृत्व को जो विश्वास रखते हैं. महायुती और देवेंद्र फडणवीस पर जो विश्वास रखते हैं, ऐसे लोगों को हमारे योजना का लाभ मिलना चाहिए. सरकारी योजनाओं के लाभ को लेकर बीते कई दिनों से बहस छिड़ी है. खासतौर पर बीजेपी के नेता लगातार दावे कर रहे हैं कि उनकी सरकार की तरफ से जिन लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ ज्यादा मिल रहा है, वे मुस्लिम समुदाय के हैं. इससे पहले पूर्व सीएम एनकनाथ शिंदे ने भी एक बयान में दावा किया था कि सरकारी योजनाओं का लाभ सबसे ज्यादा मुस्लिम महिलाओं को मिल रहा है. इस योजना की शुरुआत उनके ही कार्यकाल में की गई थी, और वह इसका पूरा श्रेय भी लेते नजर आते है.

'लाड़ली बहन योजना काफी कारगर साबित हुई'

महाराष्ट्र की महिलाओं ने पीएम का किया धन्यवाद

मुंबई.

लाडली बहन योजना इस समय पूरे महाराष्ट्र में जोरशोर से चल रही है. इसको लेकर महिलाओं में खुशी का माहौल है. आईएएनएस की टीम ने लाडली बहनों से बातचीत की. रीता सिंह नाम की एक लाभार्थी ने कहा कि इस योजना के लिए मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद करना चाहती हूं. हम लोगों के खाते में 1500 रुपये मिलने लगे हैं. हम महिलाओं की इस सरकार में पूछ परख हो रही है. हम अपने आप को खुशनसीब समझ रहे है कि कहीं ना कहीं सरकार की योजनाओं का लाभ हम जैसी महिलाओं को मिल रहा है.

उन्होंने कहा, "1500 रुपये से हम अपनी बुनियादी जरूरतों को पूरा कर सकते हैं. हम इस पैसे के खुद राजा हैं. मैं पीएम मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का आभार जताती हूं. मैं पीएम मोदी की माता का विशेष तौर पर धन्यवाद देना चाहूंगी कि उन्होंने ऐसे बेटे को जन्म दिया है.

इज्जत घर से लेकर महिला सशक्तिकरण की दिशा में कई अभूतपूर्व काम हुए हैं. साधना सिंह ने कहा, "सरकार की लड़की बहन योजना काफी कारगर साबित हुई है. इसके लिए पीएम मोदी को मैं धन्यवाद कहती हूं. पहले महिलाएं आर्थिक तौर पर परिवार के ऊपर निर्भर रहती थी. आज हम लोगों को 1500 रुपये मिलने से आर्थिक तौर पर एक सहारा मिला है.

महिलाओं की अपनी जरूरतें हैं और हम इससे अपनी उन जरूरतों को पूरा करते हैं. सरकार महिलाओं के लिए तमाम बड़े काम कर रही है और हम उनके साथ हैं.

दीपा खत्री ने कहा कि लड़की बहिन योजना पीएम मोदी की सोच से तैयार महाराष्ट्र सरकार की सबसे सफल योजना है. इससे महिलाओं को बड़े पैमाने पर लाभ मिला है. आज हम अपनी जरूरतों को पूरा करने में सक्षम हैं. हमें इस योजना का लाभ मिल रहा है और हम उनको धन्यवाद कहना चाहेंगे.

न्याय के अंतिम आसरे पर भी भ्रष्टाचार की आंच

मुंबई. न्याय के अंतिम सहारे पर भी भ्रष्टाचार की आंच पड़ गयी है. पीड़ितों को अदालत से इंसाफ की आस होती है. दोनों पक्षों को सुनने के लिए जज होता है. सुनवाई के बाद जज फैसला सुनाता है कि कौन दोषी है और कौन पीड़ित. जब जज कथित रिश्वतखोरी में पकड़ा जाए तो इंसाफ की आस धूमिल हो जाती है. महाराष्ट्र के सतारा से चौंकाने वाला मामला सामने आया है. भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने बड़ी कार्रवाई की है. जिला अदालत का एक जज घूसखोरी में पकड़ा गया है.

एसीबी की टीम ने जाल बिछाकर जज को पकड़ा. जिला एवं सत्र न्यायाधीश धनंजय निकम समेत तीन लोगों को एसीबी की टीम ने गिरफ्तार किया है. बताया जा रहा है कि वादी के पिता का मुकदमा जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत में चल रहा था. फरियादी ने जमानत की गुहार लगाई. जमानत के बदले 5 लाख रुपये की मांग की गयी. फरियादी ने रिश्वत मांगे जाने की शिकायत एसीबी से की. एसीबी ने शिकायत की पुष्टि कराई.

रिश्वत मांगे जाने का आरोप सही पाये जाने के बाद एसीबी की टीम ने जाल बिछाया.

एंटी रैगिंग नियमों का पालन न करने पर सख्त कार्रवाई

मुंबईः

मेडिकल डिग्री और पोस्ट ग्रेजुएट कोर्सेज में एडमिशन लेने वाले छात्र बड़ी संख्या में शिकायतें कर रहे हैं. इसमें मानसिक प्रताड़ना के साथ-साथ आत्महत्या के मामले भी शामिल हैं. इसे गंभीरता से लेते हुए, राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग ने मेडिकल कॉलेजों को चेतावनी दी है कि यदि वे मेडिकल कॉलेजों और संस्थानों में रैगिंग की रोकथाम और रोकथाम विनियम 2021 के प्रावधानों का पालन नहीं करते हैं तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग ने स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों की रैगिंग पर अंकुश लगाने और रैगिंग करने वाले छात्रों के लिए इसकी रिपोर्ट करना आसान बनाने के लिए एंटी-रैगिंग सेल और एंटी-रैगिंग हेल्पलाइन शुरू की है। पिछले कुछ दिनों से शिकायतों की संख्या बढ़ती जा रही है. वहीं कुछ मामले सोशल मीडिया और अखबारों के जरिए भी सामने आ रहे हैं. इन मामलों में छेड़छाड़, जबरदस्ती, मानसिक प्रताड़ना के साथ-साथ आत्महत्या के मामले भी शामिल हैं. हाल ही में धारपुर के जीएमईआर मेडिकल कॉलेज में रैगिंग मामले में एमबीबीएस प्रथम वर्ष के एक छात्र की मौत हो गई। इस पृष्ठभूमि में, छात्रों की सुरक्षा के लिए रैगिंग विरोधी उपायों को तत्काल सख्ती से लागू करने की आवश्यकता पर एक बार फिर से प्रकाश डाला गया है। राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान आयोग ने रैगिंग पर अंकुश लगाने के लिए नियम बनाए हैं। लेकिन बढ़ते मामलों से यह बात सामने आ रही है कि इस पर अमल नहीं हो रहा है. कॉलेजों में अपर्याप्त निगरानी प्रणाली, एंटी-रैगिंग स्क्वॉड का अभाव, कॉलेजों द्वारा वार्षिक एंटी-रैगिंग रिपोर्ट जमा न करना, कॉलेजों द्वारा रैगिंग को प्रभावी ढंग से खत्म करने के लिए पहल करने में विफलता आदि के कारण रैगिंग के मामले बढ़ रहे हैं। इसे ध्यान में रखते हुए आयोग ने हाल ही में सभी मेडिकल कॉलेजों के प्राचार्यों से वीडियो सिस्टम के जरिए बातचीत की.

पूर्व डीजीपी संजय पांडे की मुश्किलें बढ़ीं

क्राइम ब्रांच करेगी पूछताछ

मुंबई.

पूर्व महानिदेशक और आईपीएस अधिकारी संजय पांडे की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं. संजय पांडे और उनके छह सहयोगियों के खिलाफ ठाणे नगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज हुआ है. उन पर वसूली और फर्जी केस दर्ज करने के आरोप लगाए गए हैं. संजय पांडे के खिलाफ व्यवसायी संजय पुनियमिया ने शिकायत दर्ज कराई थी. पैसे वसूलने और झूठे केस दर्ज करने के मामले में बुधवार को ठाणे के वागले यूनिट-5 अपराध शाखा में संजय पांडे से पूछताछ की जाएगी. आरोप है कि मई 2021 से 30 जून 2024 के बीच दर्ज मामलों में आरोपियों ने पीड़ित को परेशान किया. आरोपियों ने ठाणे नगर पुलिस में 2016 में दर्ज एक केस की अवैध जांच की. शिकायतकर्ता पुनियमिया ने अपनी शिकायत में कहा है कि उन्हें और अन्य व्यवसायियों को झूठे केस की धमकी दी गई, पैसे वसूले गए और विशेष सरकारी वकील के रूप में फर्जी दस्तावेज तैयार कर न्यायालय को गुमराह करने की कोशिश की गई. ठाणे नगर पुलिस स्टेशन में 26 अगस्त 2024 को शिकायतकर्ता संजय पुनियमिया ने ईमेल के जरिए यह शिकायत दर्ज कराई थी. अपराध शाखा के उपायुक्त अमर सिंह जाधव इस मामले में गहराई से जांच कर रहे हैं.

राज्य में महा विकास अघाड़ी सरकार के दौरान संजय पांडे मुंबई पुलिस कमिश्नर थे. वे एमवीए सरकार के दौरान रिटायर हुए. लेकिन इसी बीच, मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर संजय पांडे को 19 जुलाई, 2022 को ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) ने अपनी निजी फर्म के माध्यम से नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के कर्मचारियों के फोन अवैध रूप से टैप करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया. उन्हें पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख और अन्य के खिलाफ जुलाई में दर्ज की गई एफआईआर में भी आरोपी बनाया गया है, जिसमें उन पर भाजपा नेता गिरीश महाजन को झूठे मामले में फंसाने की कोशिश करने का आरोप है, जब वे मुंबई के पुलिस कमिश्नर बनने से पहले महाराष्ट्र के डीजीपी थे.

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए तरक्की की राह पर आगे बढ़ने के लिए रहेगा। आपका मन किसी बात को लेकर यदि परेशान चल रहा था,

वृषभ- आज का दिन आपके लिए कमजोर रहने वाला है। आपको अपने कामों पर पूरा ध्यान देना होगा।

मिथुन -आज का दिन आपके लिए खर्चों से भरा रहने वाला है।

कर्क- आज का दिन आपके लिए उत्तम संपत्ति के संकेत दे रहा है। प्रतिस्पर्धा का भाव आपके मन में बना रहेगा।

सिंह- आज का दिन आपके लिए किसी नए काम की शुरुआत करने के लिए रहेगा। आपकी दीर्घकालीन योजनाओं को गति मिलेगी।

कन्या- आज का दिन आपके लिए आय और व्यय में तालमेल बनाकर चलने के लिए रहेगा। आपके खर्च बढ़ने से आप परेशान रहेंगे।

तुला - आज का दिन आपके लिए किसी कानूनी मामले में पूरा ध्यान देने के लिए रहेगा। आपको किसी काम को लेकर भागदौड़ अधिक रहेगी,

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए मौज-मस्ती से भरा रहने वाला है। आप अपने मित्रों के साथ कहीं घूमने-फिरने जाने की प्लानिंग कर सकते हैं।

धनु- आज का दिन राजनीति में कार्यरत लोगों के लिए अच्छा रहने वाला है। आपको कुछ अजनबी लोगों से मिलने का मौका मिलेगा।

मकर- आज का दिन आपके लिए सेहत के लिहाज से कमजोर रहने वाला है। आप अपने साथ-साथ और बाकी के कामों पर भी ध्यान लगाएंगे,

कुंभ- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपको अपनी किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा,

मीन- आज का दिन आपके लिए किसी नए काम की शुरुआत करने के लिए करने के लिए अच्छा रहेगा।

'वोट जिहाद' जैसे शब्दों की ईसी कर रहा जांच

> आचार संहिता उल्लंघन के 659 मामले दर्ज

मुंबई.

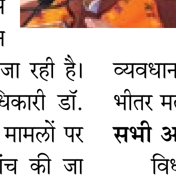

हाल में संपन्न महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में प्रचार के दौरान राजनीतिक दलों ने कई नारे दिए। इसमें कई नारे विवादास्पद भी रहे। ऐसे में निवार्चन आयोग ने आचार संहिता उल्लंघन के मामले दर्ज किए है। जिसकी जांच की जा रही है। महाराष्ट्र के अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. किरण कुलकर्णी ने आचार संहिता उल्लंघन मामलों पर जवाब देते हुए कहा कि सभी मामलों जांच की जा रही हैं। महाराष्ट्र के अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. किरण कुलकर्णी ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक विशेष साक्षात्कार में कहा कि राज्य में हुए चुनाव के दौरान चुनाव आचार संहिता उल्लंघन के 650 से अधिक मामले दर्ज किए गए और प्रवर्तन एजेंसियां यह सुनिश्चित करेंगी कि इन मामलों को तार्किक अंजाम तक पहुंचाया जाए।

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान कुछ राजनीतिक दलों द्वारा इस्तेमाल किये गये ''वोट जिहाद" जैसे विवादास्पद शब्दों की भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) द्वारा जांच की जा रही है। डॉ. किरण कुलकर्णी ने कहा कि उन्होंने कहा कि "निर्वाचन आयोग आगे की कार्रवाई करने से पहले कानूनी, भाषाई और सामाजिक क्षेत्रों में इसके प्रभावों का सतर्कतापूर्वक विश्लेषण कर रहा है। हमें वोट जिहाद जैसे शब्दों से बहुत सावधान रहना चाहिए क्योंकि इनके गंभीर परिणाम होते हैं। मतदान के दौरान व्यवधान के छह मामले सामने आए, लेकिन एक घंटे के भीतर मतदान प्रक्रिया बहाल कर दी गई।

सभी आरोपपत्र अदालतों में दाखिल किए जाएंगे

विधानसभा चुनाव के दौरान आचार संहिता उल्लंघन के मामलों के बारे में डॉ. किरण कुलकर्णी कि हम पूरी तत्परता से मामलों की जांच कर रहे हैं। हमारी प्रवर्तन एजेंसियां जांच कर रही हैं और सभी आरोपपत्र अदालतों में दाखिल किए जाएंगे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ये मामले तार्किक अंजाम पर पहुंचें। कार्रवाई की समय सीमा न्यायपालिका पर निर्भर करती है। कुलकर्णी ने महाराष्ट्र की मजबूत चुनावी प्रणाली का हवाला देते हुए मतदान के दौरान बूथ कब्जाने के आरोपों को खारिज किया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में बूथ पर कब्जे कभी नहीं हुए। ईवीएम के मामले में यह बेमानी है, क्योंकि मशीनें मजबूत हैं और डेटा को फिर से हासिल किया जा सकता है।

मध्य रेल

ई-निविदा सूचनाः NGP/L/2024/T/31R38 दिनांक 09/12/2024

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजिनियर (सा) मध्य रेल, नागपुर, कार्यालय डीआरएम बिल्डिंग नागपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए वेबसाइट www.ireps.gov.in के माध्यम से ई-निविदा आमंत्रित किए जाते है। **कार्य का नामः** नागपुर डिवीजन में नागपुर, अजनी और आमला स्टेशनों की रेलवे कॉलोनी पर बिजली आपूर्ति व्यवस्था और एलटी ओवरहेड लाइनों के पुनर्वास के लिए विद्युत कार्य। **अनुमानित लागतः** ₹ 2,21,57,369.37. **बयाना राशिः** ₹ 2,60,800/-. **टेंडर डॉक्युमेंट की कीमतः** ₹ Nil. **कार्य पूर्ण करने की अवधिः** 12 माह. **यह ऑफर 60 दिनों तक खुला रहेगा। निविदा जमा करने की तिथि एवं समयः** 07/01/2025 को 11.00 बजे तक. **निविदा खुलने की तिथि एवं समयः** 07/01/2025 को 11.15 बजे. **वेबसाइटः** www.ireps.gov.in टेंडर से संबन्धित नोटिस वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर, मध्य रेल, नागपुर कार्यालय, डीआरएम बिल्डिंग नागपुर में उपलब्ध है। इसके पश्चात किसी भी शुध्दिपत्र को केवल वेबसाइट पर देखा जा सकता है।

वरिष्ठ विद्युत इंजीनियर (सामान्य), नागपुर

अनाधिकृत रुप से रेल लाइन को पार करना दंडनीय अपराध है

SailNGP/400

DTE Code: 4270
BCYRC'S KDK COLLEGE OF PHARMACY AND RESEARCH INSTITUTE, NAGPUR
Great Nag Road, Nandanvan, Nagpur- 440009 | Call: 9960099619
Email: bcyrcsidp4270@gmail.com

DTE Code: 4272
BMCT'S BHAUSAHEB MULAK COLLEGE OF D. PHARMACY
Umrer- Bhiwapur Road, Umrer, Dist Nagpur- 441203
Call: 9923104393
Email: bmcdp@yahoo.co.in

(Approved by DTE Mumbai, Pharmacy Council of India, New Delhi, Affiliated to MSBTE, Mumbai)

ADMISSION NOTICE 2024-25

Application are invited from eligible Candidates
For institute level seats and against CAP Vacancies

	D. Pharm First Year 2024-25
1 Acceptance of application	Already Started till 09 Dec 2024 (Up to 01:30pm)
2 Display of Provisional merit list	09 Dec 2024 at 04:00 pm
3 Submission of grievance (If any)	10 Dec 2024 at 01:30 pm
4 Display of Final Merit List	11Dec 2024 at 04:00pm
5 Admission round for all categories	12 Dec 2024
6 Confirmation of admission by paying fees	13 Dec 2024 * (up to 04:30 pm)

For Admission Call 800718806 or 9960099619

(If Case of Vacancy arising due to cancellation or any reason additional round will be conducted before cut-off-date as per DTE)
Note: - Admission will be done strictly on the basis of Merit and as per, DTE, PCI & MSBTE Directives Fees as per the decision of Fee Regulatory Authority. * as per decide by DTE Regarding Admission Process 2024-2025

SPECTRUM

NAGPUR MUNICIPAL CORPORATION
Offline Tender Notice

Commissioner NMC invites Offline tender for the following work. These Offline tender can be Submitted by the registered contractor of NMC. The terms and conditions of Offline tender are available in Tender form. The sale and purchase of tender Form from Office of The Garden Superintendent, Garden Department 6 th Floor 'C' Wing NMC Civil Line Nagpur.

Tender No.	Name of the Work	Project Cost Rs.	EMD Rs.
173-2024/OT	Maintenance of Trees planted at Airforce Mess. Wardha Road	845470/-	8500/-
174-2024/OT	Supply of labour fore cleaning wild shrubs from Gandhisagar Lake	375265/-	4000/
175-2024/OT	Development work at Mahalaxmi Nagar Garden and Prerana Nagar Garden in pg. 29	505484/-	5500/-
176-2024/OT	Providing and Fixing Profile Sheet to Bamboo Library and Yoga Shed at Shivaji Nagar Garden.	419208/-	4200/-

NOTE - **1)** Cost of Blank Quotaion Form : Rs. 590/-, Time Period : 02 Months, Class of Contractor : 1 To 7, 8 N.M.C. Registered Contractor. **2)** Submission End Date : 20.12.2024 (15:00 P.M) **3)** Opening Date : 23.12.2024 (If Possible 16:00 P.M) **4)** Right to reject any or all Offline Tender without assigning any reasons is reserved by the Municipal Commissioner N.M.C. Nagpur. **5)** Eligiblity criteria and mode of submission shall be as stated in Tender Form.

Advt No. 763 PR Date 11.12.2024

Tree Conservator
Nagpur Municipal Corporation

P/N/24/763

सुविचार

जब कोई दोष छिपाया जाता है तो वह बड़ा हो जाता है, और स्वीकार करें तो वह गायब हो जाता है. बराबर ना..

संपादकीय

बिजनेस के नाम पर लोग तेजी से ले रहे लोन

इस वक्त जब अर्थव्यवस्था का रुख नीचे की तरफ है, लोगों की क्रयशक्ति न बढ़ने से बाजार में नरमी बनी हुई है, बैंकों के कारोबार में मंदी देखी जा रही है, तब बट्टे खाते का आकार बढ़ते जाना चिंता पैदा करता है। चालू वित्तवर्ष की पहली छमाही में सार्वजनिक बैंकों ने बयालीस हजार करोड़ रुपए का कर्ज बट्टे खाते में डाल दिया। यह जानकारी सरकार ने संसद में दी। कर्ज को बट्टे खाते में डालने का अर्थ है कि बैंकों ने मान लिया कि इस रकम की वसूली संभव नहीं है। हालांकि सरकार का कहना है कि बैंक बट्टे खाते में डाली गई रकम की वसूली के प्रयास करते रहते हैं। पिछले वित्तवर्ष में एक लाख सत्तर हजार एक सौ सात करोड़ रुपए बट्टे खाते में डाले गए थे। पिछले कुछ वर्षों में बैंकों का एनपीए यानी गैरनिष्पादित आस्तियों का आकार बढ़ता गया है। इसे लेकर चिंता व्यक्त की जाती रही है। मगर इस दिशा में अभी तक कोई व्यावहारिक उपाय नहीं तलाशा जा सका है। यह चलन लगातार बढ़ता गया है कि बड़े व्यवसायी सार्वजनिक बैंकों से किसी उद्यम के लिए कर्ज लेते हैं और फिर कंपनी बंद कर दिवालिया हो जाते हैं। इस तरह बैंकों का कर्ज डूब जाता है। अनेक व्यवसायी बड़ी रकम लेकर देश छोड़ गए।

इस तरह बैंकों के कारोबार पर बुरा असर पड़ता है। ऐसे में यह सवाल उठता रहा है कि कर्ज डूबने की समस्या से सार्वजनिक बैंकों को ही क्यों जूझना पड़ता है, जबकि निजी बैंकों के सामने यह समस्या इतनी बड़ी नजर नहीं आती। फिर, जब सामान्य लोगों के घर, वाहन, निजी उपयोग आदि के लिए लिए गए कर्ज की उगाही में बैंक विफल साबित नहीं होते, वे उनसे कर्ज वसूली कर ही लेते हैं, तो फिर बड़े कर्जों की वसूली में उनसे कहां और कैसे चूक हो जाती है। जाहिर है, कर्ज देते समय जरूरी एहतियात नहीं बरती जाती। सार्वजनिक बैंकों का पैसा डूबने का अर्थ है, आम लोगों का पैसा डूबना। ऐसा नहीं माना जा सकता कि अगर सरकार सचमुच बट्टे खाते का आकार बढ़ने से रोकने को लेकर गंभीर हो, तो ऐसे कर्जों की वसूली कठिन होगी।

आलेख

डॉ दीपक कोहली

जैविक हथियार: खतरे की घंटी

❒ प्राचीन समय से यह देखा गया है कि इस धरती पर युद्ध का अस्तित्व कभी समाप्त नहीं हुआ। हम वैश्विक शांति की जितनी अधिक कामना करते हैं, उतना ही अधिक युद्धों में उलझते जा रहे हैं। यह युद्ध चाहे पड़ोसी देशों के बीच सीमाओं को लेकर हुए हों या संसाधनों के बँटवारे को लेकर हुए हों या फिर आतंकवाद से उपजी परिस्थितियों के कारण हुए हों, इन सबके बीच दिन-प्रतिदिन इंसान व इंसानियत मृतप्राय होती जा रही है। युद्ध की सतत आशंका के कारण पूरी दुनिया में आधुनिक हथियारों के निर्माण की होड़ बढ़ती जा रही है। विगत सौ वर्षों में हथियारों के निर्माण में बेतहाशा वृद्धि देखी जा रही है। आधुनिक हथियारों के निर्माण में वृद्धि के साथ ही युद्ध के पारंपरिक तौर-तरीकों में भी बड़ा बदलाव देखा जा रहा है। इनमें एक नया तरीका जैविक हथियारों का भी है। कोरोना वायरस संक्रमण के तौर तरीकों को देखते हुए जैविक हथियार व जैव आतंक चर्चा के केंद्र में आ गया है। कोविड- 19 नामक संहारक बीमारी को पैदा करने वाले कोरोना वायरस के निर्माण और उसे पूरे विश्व में फैलाने को लेकर संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन में आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल रहा है।वर्तमान में आतंक के एक नए हथियार के रूप में उच्च तकनीकी आधारित जैव आतंक का प्रयोग किया जाने लगा है।

जैव आतंक का प्रयोग न केवल आतंकवादी समूह कर रहे हैं, बल्कि शक्ति संपन्न राष्ट्र भी प्रत्यक्ष रूप से युद्ध में भाग न लेकर परोक्ष रूप से जैव आतंकवाद का सहारा ले रहे हैं। आधुनिक काल में जैव आतंकवाद को ऐसी क्रूर गतिविधि के रूप में चिन्हित किया जा सकता है जिसके अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विषाणुओं, जीवाणुओं तथा विषैले तत्वों को मानव द्वारा ही प्राकृतिक अथवा परिवर्धित रूप में विकसित कर अपने लक्ष्य संधान हेतु किसी राष्ट्र के विरूद्ध निर्दोष जन, पशुओं अथवा पौधों को गंभीर हानि पहुँचाने हेतु योजनाबद्ध रूप से मध्यस्थ साधन के रूप में दुरूपयोग किया जाता है। वर्तमान समय में आत्मघाती जैव आतंकवाद की समस्या भी सामने आ रही है जिसमें आतंकवादी स्वयं को घातक रोगकारी संक्रमण से संक्रमित करने के पश्चात सामान्यजन के मध्य जा कर उन्हें भी संक्रमित कर देता है और पूरे क्षेत्र को विनाशक रोग से भर देता है।

ईसा पूर्व छठवीं शताब्दी में मेसोपोटामिया के अस्सूर साम्राज्य के लोगों ने शत्रुओं के पानी पीने के कुओं में एक विषाक्त कवक डाल दिया था, जिससे व्यापक पैमाने पर शत्रुओं की मृत्यु हो गई थी। यूरोपीय इतिहास में तुर्की तथा मंगोल साम्राज्यों द्वारा संक्रमित पशु शरीरों को शत्रु राज्य के जल स्रोतों में डलवा कर संक्रमित करने के कई उदाहरण मिलते हैं। प्लेग महामारी के रूप में बहुचर्चित 'ब्लैक डेथ' के फैलने का प्रमुख कारण तुर्की तथा मंगोल सैनिकों द्वारा रोग पीड़ित मृत पशु शरीरों को समीपवर्ती नगरों में फेंका जाना बताया जाता है।

व्यंग्य

अशोक गौतम

जागो सरकार प्यारे

❍ ज्यों ही पंचायत समिति के मिंबर बुद्धू ने नंदू प्रधान को स्नेहा दिया कि अमुक डेट को सरकारों की सरकार, बड़ी सरकार उसकी पंचायत के द्वार आ रही है तो उसकी दमे की मार से सिकुड़ी छाती फूल कर कुप्पा हो गई। अब देखता हूं बिपच्छी घुंघरू को! बड़ा बनता है अपने को सरकार का खासमखास! ला पाया क्या इतने सालों में वह सरकार पंचायत के द्वार? मेरे राज में आई। चौथे महीने ही। इसे कहते हैं धाकड़ नेता!नंदू प्रधान ने हाट से लेकर घराट तक गंगे की पीठ पर नगाड़ा पिटवा सुबह सात बजे से लेकर रात के आठ बजे तक हफ्ता भर अपने खर्चे पानी पर मुनादी करवा उसकी पीठ छिलवा दी,' सुने! सुने!! सुने!!! पंचायत का आम- खास सुने! पंचायत का घराटी हो या लाट सुने! साह सुने !! साहनी सुने! पुरोहित सुने, यजमानी सुने! होरी सुने,मसान में रहने वाला अघोरी सुने!! लखिया बाबा सुने, उसके कारदार सुने!!लुहार सुने, कुम्हार सुने!! छान छवाने वाला कीत्थु सुने! टोकरियां, सूप बुनने वाला गीत्तु सुने!! पंचायत में प्रधान के परताप से आने वाली चार तारीख को नंदू जी और केवल नंदू जी की पंचायत में रात आठ बजे सरकार पधार रही है। पांच तारीख को सुबह आठ बजे सरकार ने आम जनता को अपने दर्शन देने का मन बनाया है। जो सेवक सरकार के दर्शनाभिलाषी हों वे पंचायत के प्रधान के पास दो तारीख से पहले ही नाम दर्ज करा दें। जो प्रधान जी के आर्डर का मजाक उड़ाएगा वह सरकार के दर्शन तो दर्शन, सरकार की हवा भी नहीं ले पाएगा। और एक बात और ! सरकार पहली बार उनकी पंचायत में आ रही है। याद रखें- यह प्रधान जी की नाक का सवाल है। यह प्रधान जी का फरमान है कि जो भी सरकार से मिले, चुप मिले। बिना किसी शिकवे के, बिना किसी शिकायत के। उसके आगे रोना रोने की कोई जरूरत नहीं। हम गांव वाले रोते- रोते ही जीने के लिए पैदा होते हैं और रोते- रोते ही मरने के लिए बने होते हैं। गलती से भी जो सरकार के आगे अपना रोना रोने की जो हिम्मत करेगा उसके साथ पूरी पंचायत का सात पुश्तों तक हुक्का पानी बंद। एक हिदायत और- रोनी सूरत वालों को सरकार से मिलने की इजाजत नहीं दी जाएगी।

सरकार ने बताया आंतरिक मामला

अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों के बीच भारतीय विदेश सचिव की यात्रा रही बेअसर

सूरज तिवारी

❒ करीब चार महीने पहले बांग्लादेश में तख्तापलट और नई सरकार बनने के बाद भारत के विदेश सचिव पहली बार वहां की यात्रा पर गए। मगर अफसोस कि उनकी यह यात्रा पड़ोसी देश के साथ कूटनीतिक संबंधों से जुड़े मसलों पर बातचीत से ज्यादा बांग्लादेश की अल्पसंख्यक आबादी के खिलाफ वहां के लोगों और सरकार के रवैये पर चिंता की वजह से हुई, ताकि स्थिति में कुछ सुधार आ सके।

यह छिपा नहीं है कि शेख हसीना सरकार गिरने के बाद से ही बांग्लादेश में किसी न किसी बहाने अल्पसंख्यकों के जीवन को मुश्किल बनाने का प्रयास किया जा रहा है, कई जगहों पर खुली हिंसा की खबरें भी आईं। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि इस मसले पर अमेरिका तक ने चिंता जताई कि बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ जो हो रहा है, वह अनुचित है और उस पर तुरंत रोक लगाई जानी चाहिए। मगर चौतरफा आलोचना के बावजूद फिलहाल बांग्लादेश की सत्ता संभाल रही सरकार ने उपद्रवी तत्त्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करना और स्थिति को संभालना जरूरी नहीं समझा है, ताकि वहां हिंदू पहचान वाले लोग और अन्य अल्पसंख्यक समुदाय खुद को सुरक्षित महसूस कर सकें। गौरतलब है कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमले की घटनाओं के लगातार जारी रहने पर भारत ने चिंता जताई और इसके बाद भी जब वहां की सरकार की ओर से अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं देखी गई.

तब भारत के विदेश सचिव को वहां जाना पड़ा। सोमवार को उन्होंने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार मोहम्मद यूनुस, विदेश मामलों के सलाहकार तौहिद हुसैन और विदेश सचिव मोहम्मद सशीम उद्दीन से मुलाकात की। बैठक में भारत ने जहां दोनों देशों के बीच राजनयिक और आर्थिक संबंधों पर बातचीत की, वहीं बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया। विडंबना है कि जो काम बांग्लादेश सरकार को अपनी ओर से करना चाहिए था, उसके लिए उसके एक पड़ोसी देश को औपचारिक रूप से ध्यान दिलाने की जरूरत पड़ रही है। आखिर वहां के अल्पसंख्यक भी बांग्लादेश के नागरिक हैं और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है।

विडंबना है कि मानवीयता के लिहाज से भारत की पहलकदमी को गंभीरता से लेने के बजाय बांग्लादेश सरकार अब भी अपने दायित्व को लेकर लापरवाह नजर आ रही है। वहां के विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में जिस तरह अल्पसंख्यकों पर हमले और उससे उपजी स्थिति को 'बांग्लादेश का आंतरिक मामला' बताया गया है, उससे साफ है कि पीड़ित समुदायों की सुरक्षा का भरोसा देने के बावजूद सरकार हालात की गंभीरता को नजरअंदाज कर रही है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि अगस्त की शुरूआत में एक अराजक बगावत के बाद बांग्लादेश में मौजूदा सरकार अस्तित्व में आई है और उसके सामने एक ओर आंतरिक उथल-पुथल से निपटने की जटिल चुनौती खड़ी है, तो दूसरी ओर उसे नई परिस्थितियों में अपने अंतरराष्ट्रीय कूटनयिक संबंधों को भी सहज बनाना है। अगर वह देश के भीतर अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा और उनके मानवाधिकार सुनिश्चित नहीं कर पाती है, तो वहां एक गंभीर अराजकता पैदा हो सकती है।

ऐसे में भारत की चिंता बांग्लादेश के लिए एक जरूरी सलाह की तरह है, जिस पर उसे बिना देर किए गौर करना चाहिए। भारत ने जिस तरह एक लोकतांत्रिक, स्थिर, शांतिपूर्ण, प्रगतिशील और समावेशी बांग्लादेश के लिए समर्थन देने की बात कही है, वह परस्पर भरोसे पर आधारित है और यही दोनों देशों के हित में है।

स्वास्थ्य: यह सरकार पर निर्भर है

अंतर्राष्ट्रीय सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज दिवस

❒ आज 12 दिसंबर 2012 को, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने एक प्रस्ताव पारित किया जिसमें देशों से सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (UHC) की दिशा में प्रगति में तेज़ी लाने का आग्रह किया गया - यह विचार कि हर किसी को, हर जगह गुणवत्तापूर्ण, किफ़ायती स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच होनी चाहिए। आज ही 12 दिसंबर 2017 को, संयुक्त राष्ट्र ने संकल्प 72/138 द्वारा 12 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज दिवस (UHC दिवस) के रूप में घोषित किया। अंतर्राष्ट्रीय सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज दिवस का उद्देश्य बहु-हितधारक भागीदारों के साथ मजबूत और लचीली स्वास्थ्य प्रणालियों और सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज की आवश्यकता के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

हर साल आज ही 12 दिसंबर को, यूएचसी के समर्थक स्वास्थ्य की प्रतीक्षा कर रहे लाखों लोगों की कहानियों को साझा करने के लिए अपनी आवाज़ उठाते हैं, हमने अब तक जो हासिल किया है, उसका समर्थन करते हैं, नेताओं से स्वास्थ्य में बड़े और बेहतर निवेश करने का आह्वान करते हैं, और दुनिया को 2030 तक यूएचसी के करीब लाने में मदद करने के लिए प्रतिबद्धता बनाने के लिए विविध समूहों को प्रोत्साहित करते हैं।

कोविड -19 महामारी ने हमें फिर से दिखाया है कि यूएचसी और स्वास्थ्य सुरक्षा सभी को हर जगह सुरक्षित रखने के लिए आपस में जुड़े हुए लक्ष्य हैं, जिन्हें हम एक ही स्वास्थ्य प्रणाली के माध्यम से प्राप्त करते हैं - संकट और शांति में। स्वास्थ्य प्रणालियों के काम करने के लिए, उन्हें सभी के लिए काम करना चाहिए - चाहे वे कोई भी हों, वे जहाँ भी रहते हों, या उनके पास कितना भी पैसा हो। समान स्वास्थ्य कवरेज महिलाओं, बच्चों, किशोरों और सबसे कमज़ोर लोगों को सबसे पहले रखता है क्योंकि उन्हें आवश्यक देखभाल के लिए सबसे बड़ी बाधाओं का सामना करना पड़ता है।

आज 12 दिसंबर को, सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज पर कार्रवाई की मांग करने के लिए हमारे साथ जुड़ें और नेताओं से स्वास्थ्य के लिए वित्तीय सुरक्षा में निवेश करने का आह्वान करें। हमारा जीवन, आजीविका और भविष्य इस पर निर्भर करता है। एचसी का मतलब है कि हर कोई, हर जगह, वित्तीय कठिनाई के जोखिम के बिना अपनी ज़रूरत की स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच सकता है।

यह सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी लक्ष्य 3.8) में अंतर्निहित है और इसमें स्वास्थ्य संवर्धन, रोकथाम और उपचार तक फैली आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं की पूरी श्रृंखला शामिल है। यूएचसी के तीन आयाम हैं जनसंख्या कवरेज (कौन सेवाएँ प्राप्त करता है, समानता से जुड़ा हुआ), सेवा कवरेज (कौन सी स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध हैं), और वित्तीय सुरक्षा (यह सुनिश्चित करना कि स्वास्थ्य सेवाएँ वित्तीय कठिनाई का कारण न बनें)। यूएचसी समानता, गैर-भेदभाव और स्वास्थ्य के अधिकार के सिद्धांतों पर आधारित है, यह सुनिश्चित करता है कि सबसे हाशिए पर रहने वाली आबादी तक पहुँचा जाए और उसे कवर किया जाए, और कोई भी पीछे न छूटे।

कहानी

अल्का सैनी

कसौटी

❒ उसे असहनीय दर्द हो रहा था. रात आधी हो चुकी थी. उसे प्रसव-शूल शुरू हुआ था. पिछले नौ महीने से वह आने वाले मेहमान का इन्तजार कर रही थी. उसके घर से शहर कुछ दूरी पर था. शहर जाने के लिए किसी भी तरह की सुविधा उपलब्ध नहीं थी. संजय उसे स्कूटर पर बैठा कर शहर के अस्पताल की ओर ले जा रहा था. उसके पास इसके सिवा कोई और चारा भी नहीं था. कुछ ही दूर जाने पर संजय का स्कूटर अपने आप चलते- चलते रुक गया. पैट्रोल की डिक्की खोल कर उसने देखा तो उसमें पैट्रोल तो था ही नहीं. इधर उसका प्रसव-शूल तेज हो रहा था. आकांक्षा को लग रहा था कि मानो उसके प्राण निकल जाएँगे. जैसे- तैसे वह लोग घर वापिस पहुँचे और किसी पड़ोसी का स्कूटर माँगकर किसी तरह अस्पताल पहुँचे. रात के अँधेरे में वह प्रसूति गृह उसे काटने को दौड़ रहा था. उसकी वहाँ से भाग जाने की इच्छा हुई . यद्यपि यह उसका दूसरा प्रसव था, फिर भी वह मन ही मन डरी हुई थी. उसको समझ में नहीं आ रहा था कि उसके साथ क्या होने वाला है .

प्रसूति- गृह में कई प्रसूता स्त्रियाँ दर्द के मारे छटपटा रही थी. उनको देखकर आकांक्षा को और भी ज्यादा घबराहट होने लगी. दर्द से बेहाल उन औरतों को इस बात से कोई फर्क नहीं था कि कमरे में चेकअप करने के लिए आने वाले डॉक्टर मर्द है या औरत . कमरे में सफाई करने वाले कर्मचारी इधर- उधर घूम रहे थे. उस समय दर्द से कराहती औरतें स्वाभाविक नारी- लज्जा से कोसों दूर थी. आकांक्षा उस समय जल्द से जल्द उस दर्द से छुटकारा पाना चाहती थी. वह पिछले पाँच घंटों से दर्द से तड़प रही थी. बीच- बीच में वह जोर से चीख भी पड़ती थी ओर कभी दर्द से निढाल हो जाती थी.

उसकी चीखें सुनकर उसकी माँ, बहन ,भाई तथा सब रिश्तेदार उसके बेड के पास इकट्ठे हो गए. उसकी माँ भाई से कह रही थी,जाओ, जल्दी डॉक्टर को बुला कर ले आओ. इससे दर्द सहन नहीं हो रहा है. डॉक्टर को कहकर सीजेरियन करवा देते है, ऐसे तो दर्द से यह मर ही जाएगी. आकांक्षा मन ही मन भगवान् से प्रार्थना कर रही थी कि इस बार उसका बच्चा सही सलामत पैदा हो जाए तो वह फिर से माँ बनने का नाम नहीं लेगी. उधर आकांक्षा के बी. एड. की परीक्षा का परिणाम भी आने वाला है.

दो महीने पहले ही उसने बी ऐड की परीक्षा दी थी. जहाँ सब को उसके होने वाले बच्चे के बारे में जानने की उत्सुकता थी, उसको लड़का होगा या लड़की? सबको लड़का पैदा होने की उम्मीद थी. सबकी उम्मीदें देखते हुए आकांक्षा भी चाह रही थी कि उसको लड़का ही पैदा हो इस बार. यद्यपि पहले से ही वह सबके कहने पर भ्रूण परीक्षण की परीक्षा भी झेल चुकी थी , फिर भी एक अनजान सा डर उसके मन में समा गया था. उसे बी. एड. के परिणाम के बारे में चिंता नहीं थी वरन उसे पूरा विश्वास था कि वह अच्छे अंकों से उसमें पास हो जाएगी.

जब उसने बी. एड. की परीक्षा के लिए फॉर्म भरा था, तब उसे नहीं पता था कि वह गर्भवती हो जाएगी. परीक्षा देने के लिए उसे पास के शहर चालीस किलोमीटर दूर जाना पड़ता था. फॉर्म भरने के दो महीने बाद उसे अपने दूसरी बार गर्भवती होने का पता चला था. उसकी बेटी अभी दो साल की भी नहीं हुई थी, और दूसरे बच्चे की जिम्मेवारी उठाने के लिए वह अभी मानसिक तौर पर बिल्कुल तैयार भी नहीं थी. वह मन ही मन अपने पति संजय को इसके लिए जिम्मेदार ठहरा रही थी. वह गर्भपात भी नहीं करवाना चाहती थी, और सारे परिवार का भी यही मानना था कि उसके दो बच्चे तो कम से कम होने ही चाहिए.

लोक कथा

बेवकूफ मामो

सुषमा गुप्ता

इथियोपिया के एक गाँव में मामो नाम का एक लड़का अपनी माँ के साथ रहता था। उसके पिता नहीं थे। मामो की माँ बहुत ही गरीब थी इसलिये वह अपनी माँ की सहायता करना चाहता था। एक दिन वह एक किसान के पास गया और उससे उसे कुछ काम देने के लिए कहा। किसान भला था उसने मामो को अपने खेत पर कुछ काम दे दिया। जब मामो ने अपना काम खत्म कर लिया तो किसान ने उसके काम के बदले में उसको कुछ पैसे दिए। जब मामो घर वापस जा रहा था तो उसने वे पैसे रास्ते में फेंक दिए। जब मामो घर पहुंचा तो उसने अपनी माँ को बताया कि आज उसने एक किसान के पास काम किया था। माँ ने पूछा तो उसने तुम्हें पैसे दिये होंगे। तुम्हारे वे पैसे कहाँ हैं? मामो बोला वह तो मैंने फेंक दिये। इस पर उसकी माँ बहुत नाराज हुई और बोली "आगे से ऐसा कभी नहीं करना बल्कि जिसके लिये तुम काम करो वह अगर तुम्हें कुछ दे तो उसको अपनी जेब में रख कर लाना।" अगले दिन मामो फिर उसी किसान के पास गया और फिर उसका काम किया। काम खत्म होने के बाद किसान ने उस दिन उसको उसके काम के बदले में कुछ मक्खन दिया। अपनी माँ की बात याद करके मामो ने वह मक्खन अपनी जेब में डाल लिया। रास्ते में गरमी थी सो घर आते आते वह मक्खन पिघल गया। जेब में से मक्खन पिघल पिघल कर टपकता रहा। मक्खन भी गया और उसके सब कपड़े भी खराब हो गये। जब मामो की माँ ने यह सब देखा तो वह मामो पर फिर बहुत नाराज हुई और बोली "मामो, इस तरह तुम मेरी सहायता नहीं कर रहे हो।"मामो भी यह सुन कर बहुत दुखी हुआ क्योंकि वह सचमुच ही माँ की सहायता करना चाहता था। उसने माँ से कहा कि अगली बार वह ख्याल रखेगा। अगले दिन जब मामो ने अपना काम खत्म किया तो उस किसान ने मामो को कुछ माँस दिया। मामो ने उस माँस को रस्सी से बाँधा और उसको जमीन पर घसीटते हुए घर की तरफ चल दिया। कुछ कुत्तों ने वह माँस देखा तो वे मामो के पीछे लग गये और उन्होंने उसका सारा माँस खा लिया। जब तक मामो घर पहुंचा तब तक उस माँस में से कुछ भी नहीं बचा था। उसकी माँ यह देख कर फिर बहुत नाराज हुई और बोली - "अगली बार तुमको जो कुछ मिले अपने कंधे पर रख कर लाना। समझे।" अगले दिन किसान ने मामो से कहा - "कि वह उसके गधे को नदी पर नहलाने के लिये ले जाये।" मामो को अपनी माँ के शब्द याद आये तो उसने उस गधे को अपने कंधे पर रख लिया और नदी की तरफ चल पड़ा। रास्ते में रास डेमिसी का घर पड़ता था। रास डेमिसी की बेटी बहुत बीमार थी। वह हमेशा उदास रहती थी हंसती ही नहीं थी। रोज वह उदास चेहरा लिये गुमसुम सी अपनी खिड़की के पास बैठी रहती और खिड़की से बाहर देखती रहती। कोई डाक्टर उसका इलाज नहीं कर पा रहा था। कोई उसकी कुछ सहायता भी नहीं कर पा रहा था। जब मामो गधे को अपने कंधे पर रख कर नदी की तरफ ले जा रहा था तब भी वह अपनी खिड़की में बैठी बाहर ही देख रही थी। जब उसने मामो को कंधे पर गधे को उठाये देखा तो उसको बड़े ज़ोर से हंसी आ गयी। तो वह तो हंसते हंसते लोट पोट ही हो गयी।

उसकी हंसी की आवाज सुन कर सारा घर वहाँ आ गया। सब बहुत ही खुश हुए कि जो काम बड़े बड़े डाक्टर नहीं कर सके वह काम मामो के एक छोटे से काम ने कर दिया। उस घटना के बाद तो वह उसको याद कर करके अक्सर ही हंसती रहती। कुछ ही दिनों में वह ठीक हो गयी। रास डेमिसी ने अपनी बेटी की शादी मामो से कर दी। अब मामो की माँ गरीब नहीं रही। सब लोग खुशी खुशी रहने लगे। यह कहानी "बेवकूफ जैक" जैसी है पर वह कहानी इससे ज़्यादा पूरी और तर्कसंगत लगती है।

क्या आप अस्थमा दमा सांस रोग से परेशान हैं

❑ दमा सास या सास की बीमारी खासकर बारिश या ठंडी के मौसम में ज्यादा परेशान करती है कई लोगो को यह बीमारी कई सालो से लम्बे समय से होती है। ये लोग इसके लिए हमेशा आयुर्वेद में हिअ एलोपैथिक स्टेरॉइड, एंटीएलर्जिक मेडिसिन्स खाते रहते है परन्तु उनको केवल टेम्परारी रिलीफ हे मिलता है और तकलीफ नहीं छूटती। परन्तु आयुर्वेद एक ऐसा प्राचीन जीवनशास्त्र (लाइफ साइंस) एवं चिकित्सा शास्त्र (मेडिकल साइंस) है जिससे की सास जड़ से है की बीमारी में तुरंत आराम मिलता है एवं लम्बे समय तक कम दवाओं में बिना किसी साइड इफेक्ट्स के मरीज़ को आराम मिलता है बढ़ कुछ इलाज के बाद तो उनको दवाई भी लेने जड़ की जरुरत नहीं होती केवल कभी कभी ही तकलीफ होने पर होती है।

सास (अस्थमा) के रोगियों को चल रही रोगी आज कल चल रही कोरोना पान्डेमिक से भी ज्यादा सावधान रहने की ज़रूरत है क्यूंकि इन रोगियों को कोरोना आसानी से तकलीफ में डाल सकता है। आयुर्वेदिक उपचार में श्वास निवारण सिरप ,चित्रकहरीतकी, वासावलेह , स्पेशल श्वासाहर कैप्सूल ,तुलसी सृंग तुलसी प्लस स्ट्रांग सिरप, खोखो सिरप ,एलीनोज़ कैप्सूल इत्यादि से अस्थमा या सास की बीमारी में जल्दी आराम होते हुए देखा गया है। शिवशंकर आयुर्वेदिक चिकित्सालय सीताबर्डी टेम्पेल बाजार रोड। महाजन मार्किट में स्तिथ योग काम्प्लेक्स में एक ऐसा चिकित्सालय है जहा के अनुभवी डॉक्टर्स इस बीमारी अस्थमा ,श्वासरोग दमा का सटीक एकदम दुष्परिणाम विरहित इलाज करते है। जो रुग्ण पंप इन्हेलर्स का इस्तेमाल करते है उनके पंप लेने का प्रमाण धीरे धीरे काम होकर पूरी तरह से छूट भी जाता है। उनके अस्थमा अटैक्स कम होकर उनकी सेवेंटी भी कम हो जाती है। अस्थमा से पीड़ित इच्छुक रुग्ण 9112079000 / 8605245080 पर संपर्क स्थापित कर इस तकलीफ से आज भी छुटकारा पा सकते है।

पॅनल्स ऑफ डॉक्टर्स

डॉ. आकांशा रा. गुप्ता
B.A.M.S, MD, (A.M) C.C.H, C.G.O, C.V.D

डॉ. पारुल मोहित गुप्ता
B.A.M.S, PG-DEMS NDDY, CCNY, CCHC

डॉ. रचना मयूर गुप्ता
B.A.M.S, MD,

डॉ.अतुल तेलरांदे
B.A.M.S, MD, M.I.S.R (Mum), C.C.H, C.G.O, C.S.D, C.V.D

डॉ. विनोद तिवारी
बी.ए.एम.एस, पी.ओ.डी.

सीताबर्डी स्तिथ शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी अथवा क्लिनिक में इन दूरध्वनि क्रमांकों पर संपर्क स्थापित करें. 9112079000 / 8605245080.

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशकः फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादकः इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

जिले में हुआ 100 दिवसीय टीबी अभियान शुरू

> 2 लाख 32 हजार 888 संदिग्ध क्षय रोगियों की होगी जांच

चंद्रपुर, सुनील तायडे.

राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में 100 दिवसीय टीबी अभियान का शुभारंभ सांसद प्रतिभा धानोरकर द्वारा किया गया। अनुमंडल पदाधिकारी जेनिथ चंद्रा, जिला सर्जन डॉ. महादेव चिंचोले, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कटारे, तहसीलदार योगेश कोटकर, श्री साई वर्धा पावर जनरेशन लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारी कृष्ण किशोर, जिला क्षय अधिकारी डॉ. ललित कुमार पाटले एवं अन्य उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर एवं रॉबर्ट कॉक की छवि पर माल्यापर्ण कर किया गया।

इस मौके पर सांसद प्रतिभा धानोरकर ने चिंता व्यक्त करते हुए इलाज करा रहे क्षय रोगियों को पोषण किट उपलब्ध कराने का वादा किया. उन्होंने क्षय रोग के लक्षण दिखते ही स्वास्थ्य संस्थान में जाकर क्षय रोग की जांच कराने तथा क्षय रोग होने पर समय पर उपचार लेने का भी आग्रह किया। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कटारे ने 100 दिवसीय अभियान का मार्गदर्शन किया। अभियान अवधि में 364 आयुष्मान आरोग्य मंदिर में निक्षय शिविर एवं सक्रिय क्षय रोग पहचान अभियान का आयोजन कर जोखिम समूह के 2 लाख 32 हजार 888 व्यक्तियों एवं संदिग्ध क्षय रोगियों की जांच की जायेगी। इस अवसर पर प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत निक्षय मित्र श्री साई वर्धा पावर जेनरेशन लिमिटेड को सम्मानित किया गया। साथ ही सांसद द्वारा उपचाराधीन 10 क्षय रोगियों को पोषण किट का वितरण किया गया। इसके साथ ही, सचिन कामडी को वरोरा तालुका में टीबी चैंपियन के रूप में भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने तपेदिक के बारे में जागरूकता फैलाने में मदद की। इस दौरान उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों, अधिकारियों, पदाधिकारियों, अस्पताल कर्मियों ने टीबी मुक्त भारत की शपथ ली. 100 दिनों के टीबी अभियान के तहत, आयुष्मान आरोग्य मंदिर में निक्षय शिविर का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें जोखिम समूहों और संदिग्ध टीबी रोगियों की आबादी के लिए एनएएटी परीक्षण और एक्स-रे परीक्षा आयोजित की जाएगी। जोखिम वाली आबादी में निम्नलिखित व्यक्ति शामिल हैं। 1) 60 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति 2) मधुमेह रोगी 3) धूम्रपान करने वाले 4) पिछले पांच वर्षों में तपेदिक से पीड़ित व्यक्ति 5) तपेदिक रोगियों के परिवार के व्यक्ति 6) 18 से कम बीएमआई वाले व्यक्ति 7) एचआईवी संक्रमित व्यक्ति, परिचयात्मक कार्यक्रम जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. ललित कुमार पटले ने किया। संचालन उपजिला अस्पताल वरोरा की चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सोनाली रास्पयाले ने किया। तालुका स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.प्रतीक बोरकर, उपजिला अस्पताल के कर्मचारी, तालुका क्षय रोग टीम, जिला क्षय रोग केंद्र के कर्मचारी आदि उपस्थित थे।

एके 47 से चली गोलीयों से एक पुलिसकर्मी की मौत

गढ़चिरोली. गढ़चिरोली जिला अदालत में मुख्य न्यायाधीश की सुरक्षा में तैनात पुलिस कांस्टेबल की अचानक गोली चलने से मौत हो गई. घटना की विस्तृत जानकारी लेने के दौरान मृतक सिपाही की एके 47 राइफल से ऑटोमैटिक मोड में गलती से गोली दब गयी और बंदूक से सात-आठ राउंड गोली चल गयी, जिसमें से तीन गोली सिपाही के सीने में लगी. ऐसा अंदाज पुलिस की प्राथमिक जांच के द्वारा जारी किया गया। मृतक पुलिसकर्मी का नाम उमाजी केवलराम होली, उम्र 43 वर्ष, निवासी बेलगाम तालुका जिला गढ़चिरोली है। विशेष बात यह है कि मृतक आज एक दिन के मुख्य न्यायधीश की सुरक्षा टिम में सुरक्षा कर्मी के रूप में शामिल हुआ था। मृतक के परिवार के एक सदस्य ने बताया कि मृतक उमाजी के परिवार में मां, पत्नी और दो बेटियां हैं.

कल सशस्त्र सेना झंडा दिवस निधि संग्रह का शुभारंभ

चंद्रपुर. हर साल 7 दिसंबर को पूरे देश में सशस्त्र सेना झंडा दिवस निधि के रूप में मनाया जाता है। हमारे जिले का झंडा दिवस निधि संग्रहण कार्यक्रम एवं पूर्व सैनिक बैठक कल 13 दिसंबर को सुबह 10.30 बजे नियोजन भवन में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में मनाया जाएगा। इस अवसर पर झंडा दिवस निधि संग्रहण में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों को उपहार सामग्री, स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा, शहीद सैनिकों की वीर पत्नियों, वीर माताओं और पिताओं को शॉल एवं श्रीफल, शोर्य चक्र प्रदान किया जाएगा। पूर्व सैनिकों के बच्चों को पुरस्कार एवं चेक वितरित किये जायेंगे। हालांकि जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ने सुझाव दिया है कि उक्त कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पूर्व सैनिक शामिल हों.

पुराने प्यार को पाने महिला ने जान गंवाई

गोटाल पांजरी में चंद्रपुर की महिला की हत्या से सनसनी

नागपुर.

नागपुर - जबलपुर हाइवे रोड से नजदीक गोटाल पांजरी गांव के बंजर जमीन के सेप्टी टैंक में 35 वर्षीय महिला की लाश मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई. नागपुर के बेलतरोडी पुलिस थाना अंतर्गत गोटाल पांजरी गांव के समीप जब चंद्रपुर शहर पुलिस थाना प्रभारी प्रभावती एकुरे अपने दल बल के साथ पहुंची और बंजर जमीन के सेप्टी टैंक की तफ्तीश पुलिस करने की जानकारी आग की तरह श्री हरिश्चंद्र वेला, शंकरपुर और गोटाल पांजरी के गांववासियों को पता चलते ही घटना स्थल पर भीड़ उमड़ पड़ी. सभी में संभ्रम था कि आखिर क्या हुआ? चंद्रपुर पुलिस ने जब महिला की हत्या का संगीन अपराध होने की जानकारी दी तब डर का माहौल बन गया. हत्या की पूरी घटना इस प्रकार हैं. 26 नवंबर 2024 में चिमूर तहसील की लापता व्यावसायिक महिला का शव 10 दिसंबर 2024 को नागपुर के बेलतरोडी पुलिस थाना अंतर्गत गोटाल पांजरी गांव के नीर्जन स्थल पर मिला। चंद्रपुर शहर पुलिस के जांच दल ने आरोपी निष्काषीत पुलिस कर्मचारी नरेश डाहुले, घोगली, नागपुर निवासी को गिरफ्तार कर कड़ी पूछताछ के बाद जानकारी मिली कि चिमूर की देवांश जनरल स्टोअर्स की संचालीका अरुणा अभय काकडे उम्र 37 साल की गला घोंटकर हत्या करने की जानकारी आरोपी ने दी. आरोपी ने पुलिस के समक्ष अपना जुर्म कबूल करते हुए बताया कि, प्रेम संबंधों में तीसरे व्यक्ति की दखलंदाजी से आरोपी नरेश डाहुले परेशान था. 26 नवंबर को हत्यारा नरेश और मृतका अरुणा की मुलाकात रेशीमबाग इलाके में हुई. आरोपी ने अरुणा को कार में बिठाया और नागपुर शहर की दूसरी छोर में बसे बेसा उपनगर की तरफ ले आया. कार में ही अरुणा और नरेश का झगड़ा हो गया. गुस्से में आकर 26 नवंबर को दोपहर तकरीबन 2 बजे नरेश ने अरुणा का गला घोंटकर मार डाला. हालांकि आरोपी नरेश इसी क्षेत्र का रहनेवाला होनेसे पूरे इलाके की जानकारी थी.

लगभग 6 घंटे अरुणा की लाश को गाड़ी में ही इधर उधर घुमाने के बाद रात लगभग 8 बजे सुनसान गोटाल पांजरी गांव के बाहर बंजर जमीन के सेप्टी टैंक में अरुणा का शव सबूत मिटाने के लिए फेंक दिया. शव की बदबू से हत्या का भंडाफोड़ ना हो इसके लिए एक कुत्ते को मारकर उसी जगह डाल दिया. 26 नवंबर 24 को नागपुर के इतवारी बाजार में दुकान का सामान खरेदी करने के लिए आई अरुणा जब वापस चिमूर वापस ना लौटने से और अरुणा के मोबाईल पर कई बार संपर्क करने की कोशिश पति अभय ने की, अपने नागपुर रिश्तेदारों से अरुणा की जानकारी लेने की कोशिश की. आखिरकार हताश होकर पति अभय काकडे ने चिमूर पुलिस थाने में अरुणा लापता होने की शिकायत की थी। चंद्रपुर जिला व्यापारी मंडल ने अरुणा के लापता होने के मामले की जांच करने का निवेदन चंद्रपुर जिला पुलिस अधिक्षक मुम्मका सुदर्शन को दिया था। जिला पुलिस अधिक्षक मामले को गंभीरता से लेते हुए शहर पुलिस स्टेशन पुलिस निरीक्षक प्रभावती एकुरके को मामले की जांच का जिम्मा सौंपा था। शहर पुलिस ने दल तैयार कर विविध स्तर पर जांच करते हुए तांत्रीक दृष्टी से लापता अरुणा के कॉल रेकार्ड की जांच करने पर पुलिस महकमे से बर्खास्त आरोपी नरेश डाहुले का नंबर पाया गया। जिस पर पुलिस ने आरोपी नरेश डाहुले से पुछताछ करने पर पूरी हत्या की साजिश का पर्दाफाश हुआ.

> वर्ष 2023 में चंद्रपुर शहर के विविध क्षेत्र में घरफोडी के मामले की अपराध शाखा व्दारा जांच में पुलिस कर्मचारी नरेश डाहुले को चोरी के मामले में गिरफ्तार किया गया था। साथ ही नरेश डाहुले को पुलिस विभाग से बर्खास्त किया गया था।

कार हादसे में दुपहिया चालक की दर्दनाक मौत

चंद्रपुर. जिले के वरोरा वणी महामार्ग पर शेनबड के पास मंगलवार 10 दिसंबर 2024 को सुबह 10 बजे के दरम्यान कार और दुपहिया की दुर्घटना हुई है. इस दुर्घटना में कार ने दुपहिया को टक्कर मारी जिसमे दुपहिया चालक प्रवीण रामकृष्ण वाभितकर 45 रा. कर्मवीर वार्ड वरोरा की घटनास्थल पर ही मौत हुई है. प्रवीण अपनी दुपहिया क्र. एम. एच 34 ए जी 2839 से शेनबड अपने मामा की तेरवी के लिए जा रहे थे. गांव के मोड़ पर पलटने दरम्यान पीछे से तेज गति से आ रही एम जी कंपनी कार क्र. एम एच 29 बीपी 7722 से दुपहिया को जोरदार टक्कर मारी जिसमे जोरदार टक्कर मारी जिसमे प्रवीण की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी है. प्रवीण की पत्नी और 3 लड़की है. घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों ने आर्थिक मुवाबजा मिलने तक शव न उठाने की भूमिका लेने की जानकारी मिलते ही पोउपनि अनिल मेश्राम ने घटनास्थल पहुंचकर मामला शांत कराया.

भामरागढ़ उपविभाग के पेनगुंडा में नये पुलिस सहायता केंद्र की स्थापना...

गढ़चिरोली. 1000 सी-60 कमांडो, 25 बीडीडीएस टीमों, नए भर्ती हुए पुलिस कर्मियों, 500 विशेष पुलिस अधिकारियों और निजी ठेकेदारों की मदद से 24 घंटे के भीतर एक नया पुलिस राहत केंद्र स्थापित किया गया। विशेष पुलिस महानिरीक्षक, पश्चिमी क्षेत्र, सीआरपीएफ टी. विक्रम, विशेष पुलिस महानिरीक्षक (नक्सल विरोधी अभियान) संदीप पाटिल, पुलिस उप महानिरीक्षक गढ़चिरोली जोन अंकित गोयल, पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल, सीआरपीएफ के कमांडेंट जसवीर सिंह व ग्रामीणों की मौजूदगी में नये पुलिस सहायता केंद्र का उद्घाटन किया गया. पेनगुंडा गांव के ग्रामीणों ने हाल ही में माओवादियों को गांव से बाहर अथवा गांव के अंदर आने पर प्रतिबंध लगा दिया है. नये पुलिस सहायता केन्द्र की स्थापना क्षेत्र के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी... पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल. गार्डेवारा के बाद इस साल अति- सुदूर इलाकों में यह दूसरा नया पुलिस राहत केंद्र है. गढ़चिरोली जिला माओवादियों के प्रति अति संवेदनशील, सुदूर-अति दुर्गम क्षेत्र जहां कई आदिवासी आज भी विकास से कोसों दूर हैं, इसे विकसित करने एवं माओवादियों की गतिविधियों को रोकने हेतु आज दिनांक 11/12/2024 को गढ़चिरोली पुलिस बल की ओर से पेनगुंडा का दौरा करते हुए उपविभाग भामरागढ़ के अंतर्गत स्थान पर एक नया पुलिस सहायता डेस्क स्थापित किया गया। भामरागढ़ से 15 किमी, धोडराज से 10 किमी दूर और छत्तीसगढ़ सीमा से मात्र 03 कि.मी. निकट पेनगुंडा पुलिस सहायता केंद्र, नागरिकों की सुरक्षा और समग्र विकास में योगदान देकर सुदूर और अत्यंत दुर्गम पेनगुंडा और आसपास के गांवों के विकास में एक मील का पत्थर साबित होगा। उक्त पुलिस सहायता केंद्र स्थापित करने के लिए गढ़चिरौली पुलिस बल की एक बड़ी टुकड़ी तैनात की गई थी। कुल 1050 जनशक्ति, 10 जेसीबी, 10 ट्रेलर, 04 पोकलेन, 45 ट्रक आदि की सहायता से मात्र एक दिन में पुलिस राहत केंद्र स्थापित किया गया। पुलिस की सुविधा के लिए उक्त पुलिस सहायता केंद्र में वाईफाई सुविधा, 20 पोर्टा केबिन, जेनरेटर शेड, पेयजल के लिए आरओ प्लांट, मोबाइल टावर, शौचालय सुविधा, पोस्ट सुरक्षा के लिए मैक वॉल, बीपी मोर्चा, 08 बालू मोर्चा आदि का निर्माण कराया जा रहा है. केंद्र की सुरक्षा के लिए गढ़चिरोली पुलिस बल, एसआरपीएफ समूह 14, छत्रपति संभाजी नगर के 02 अधिकारी और 45 प्रवर्तक प्लाटून के साथ- साथ सीआरपीएफ 113 बीटी. सी कंपनी के 01 सहायक कमांडेंट और 70 अधिकारी, स्पेशल ऑपरेशंस टीम के 06 दस्ते (150 कमांडो) तैनात किए गए हैं। साथ ही पुलिस सहायता केंद्र के निर्माण कार्यक्रम के दौरान पुलिस सहायता केंद्र पेनगुंडा क्षेत्र में उपस्थित नागरिकों के बीच महिलाओं को साड़ीया, खाना पकाने के बड़े बर्तन, पुरुषों के वस्त्र, तिरपाल, स्प्रे-पंप, युवाओं के निचले पैंट, टी-शर्ट, चप्पल, बच्चों को कंबल, लड़कियों की साइकिल, नोटबुक, पेन, स्कूल बैग, फ्रॉक, चॉकलेट, बिस्कुट, क्रिकेट बैट, बॉल, वॉलीबॉल नेट, वॉलीबॉल आदि विभिन्न सामग्रियां वितरित की गईं। दूरस्थ क्षेत्र में नये पुलिस सहायता केन्द्र के निर्माण से नागरिकों ने संतोष व्यक्त किया तथा पुलिस प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

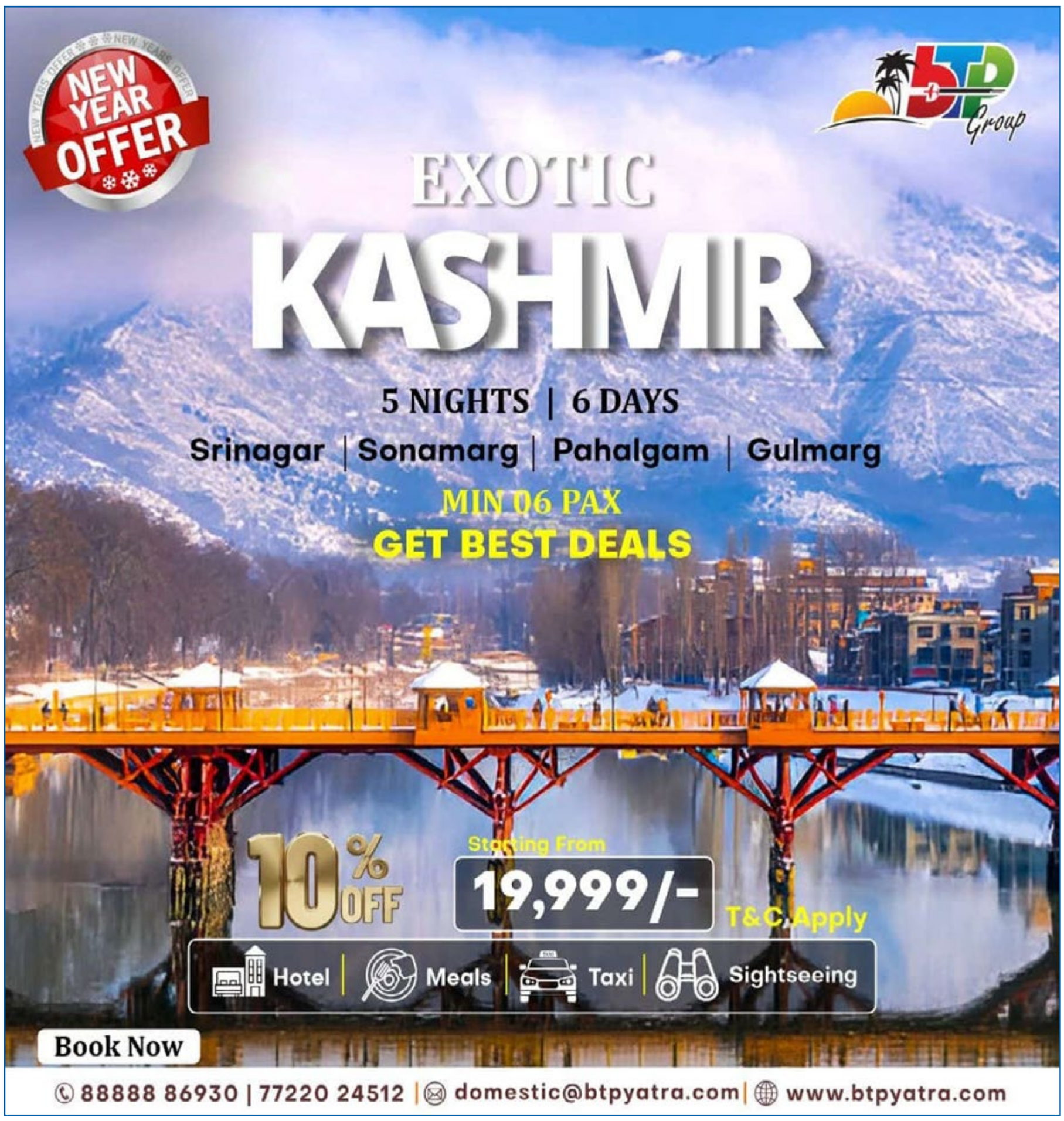

21 साल की उम्र में 'मां' बन गई थीं श्रीलीला

बॉलीवुड एक्ट्रेस सुष्मिता सेन ने महज 21 साल की उम्र में बेटी को गोद लेकर हर किसी को हैरान कर दिया था. आज के समय में एक्ट्रेस के इस काम की तारीफ हर कोई करता नजर आता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि सुष्मिता सेन के अलावा भी कई ऐसी एक्ट्रेस हैं, जिन्होंने ये काम किया है. हाल ही में फिल्म पुष्पा 2 रिलीज हुई है और इस इस फिल्म के एक हसीना ने महज 21 साल की उम्र में दो बच्चों को गोद लेकर सबको सदमे में ला दिया था.

हम बात कर रहे हैं श्रीलीला की, जो पुष्पा 2 में अपने आइटम नंबर से देशभर में छा गई हैं. गाने में श्रीलीला को काफी ज्यादा पसंद किया गया. क्या आप जानते हैं कि श्रीलीला 21 साल की उम्र में दो बच्चों की मां बन गई थीं. श्रीलीला एक बेहतरीन एक्ट्रेस और डांसर होने के साथ-साथ एक खूबसूरत इंसान भी हैं. एक्ट्रेस महज 21 साल की उम्र में लोगों की बातों को किनारे रखते हुए दो बच्चों की मां बन गई थीं. आपको जानकर हैरानी होगी कि श्रीलीला ने इतनी छोटी सी उम्र में दो बच्चों को गोद लिया था. 2022 में जब श्रीलीला अनाथालय गई थीं, तो वहां पर एक्ट्रेस दो दिव्यांग बच्चों को देखकर रुक गईं. श्रीलीला ने इस अनाथ आश्रम से 10 महीने के गुरु और एक लड़की शोभिता को गोद लिया था। आज के समय में वह अपने दम पर इन दोनों बच्चों की देखभाल कर रही हैं. दो बच्चों की जम्मेदारी के बीच 23 साल की श्रीलीला अपने करियर पर भी पूरा ध्यान दे रही हैं. एक्ट्रेस ने इतनी कम उम्र में लगभग 10 फिल्मों में काम कर लिया है. इतना ही नहीं, वह साउथ की टॉप आइटम गर्ल भी बन गई हैं.

अबू धाबी में सूरज संग रोमांटिक हुईं मौनी

मौनी रॉय टीवी की टॉप एक्ट्रेस हैं, जो सीरियल नागिन से घर घर में छा गईं. अब मौनी रॉय ने फिल्मों मे कदम रख लिया है. वह अपने करियर में काफी सफलता हासिल कर रही हैं, लेकिन मौनी अपनी पर्सनल लाइफ को भी पूरा समय देती हैं. मौनी ने साल 2022 में अपने बॉयफ्रेंड सूरज नांबियार संग शादी रचाई, जिसके बाद से ही दोनों समय मिलने पर एक दूसरे के साथ क्वालिटी टाइम बिताते हैं. इन दिनों दोनों अबू धाबी के वेकेशन पर हैं. यहां से कपल की ढेर सारी फोटोज सामने आई हैं, जिस पर फैंस ढेर सारा प्यार लुटा रहे हैं.

मौनी रॉय इन दिनों पति सूरज नांबियार के साथ अबू धाबी के वेकेशन पर हैं. यहां से मौनी ने पति संग ढेर सारी फोटोज शेयर की हैं, जिसमें वह काफी मस्ती करती नजर आ रही हैं. मौनी ने सबसे पहले अपना लुक दिखाया है, जो काफी कालिताना है. मौनी ने शॉर्ट ब्लैक ड्रेस पहनी है और लॉन्ग बूट से अपना लुक निखारा है. मौनी इस तस्वीर में अपने बालों में हाथ डालकर पोज दिए हैं. मौनी रॉय इस वेकेशन पर काफी मस्ती करती दिख रही हैं. इस तस्वीर में मौनी रॉय कैमरे के सामने देखकर फनी पोज दे रही हैं.

एक्टर मुश्ताक खान का हुआ किडनैप

कॉमेडियन सुनील पाल के किडनैपिंग की खबरें सुर्खियों में ही थीं कि एक और एक्टर के किडनैप होने का मामला सामने आया है. दरअसल फिल्म एक्टर मुश्ताक खान के अपहरण की घटना सामने आई है और उनका अपहरण सुनील पाल की तरह किया गया. बताया जाता है कि किडनैपर्स ने इवेंट के नाम पर बुलाकर उनका अपहरण किया और बंधक बनाया. इसके बाद एक्टर से तीन लाख रुपये की फिरौती वसूली. मुश्ताक खान के किडनैप के मामले में मंगलवार को उनके इवेंट मैनेजर ने बिजनौर कोतवाली नगर में रिपोर्ट दर्ज कराई है. बिजनौर के एसपी ने घटना के बाद जांच के आदेश दिए हैं.

रिपोर्ट में बताया जा रहा है मुश्ताक खान के इवेंट मैनेजर शिवम यादव ने मेरठ के राहुल सैनी और अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है. मुश्ताक खान के इवेंट मैनेजर ने बताया कि 15 अक्टूबर, 2024 को राहुल सैनी नाम के एक शख्स ने फोन किया था और कहा था कि एक्टर के द्वार वरिष्ठ लोगों को सम्मानित कराने का इवेंट है. इसके लिए राहुल सैन ने पैसे दिए और 20 नवंबर को मुंबई से दिल्ली के लिए के लिए एक फ्लाइट का टिकट बुक कराया था. मुश्ताक खान जब दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचे तो उन्हें एक कैब में रिसीव किया गया जिससे उन्हें मेरठ लेकर जाना था.

बताया जा रहा है आरोपियों ने मुश्ताक खान को दिल्ली एयरपोर्ट से कुछ किलोमीटर दूर चलने के बाद दूसरी गाड़ी में बैठा दिया और दो अन्य व्यक्ति भी गाड़ी में बैठ गए, एक्टर ने इसका विरोध किया. इसके बाद आरोपी उन्हें बिजनौर लेकर गए और वहां उन्हें बंधक बनाकर रखा. इसके बाद उनके मोबाइल से तीन लाख रुपये भी एक खाते में ट्रांसफर किए थे. जब आरोपी शराब के नशे में थे तो मुश्ताक खान वहां से चुपचाप निकल गए और एक मस्जिद में पहुंचे और अपनी फैमिली को सूचना दी.

राहुल विजय को डेट नहीं कर रही हैं मलाइका?

अब ये बात पूरी तरह से साफ हो चुकी है कि मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर अब साथ नहीं हैं. कुछ महीनों पहले ही अर्जुन कपूर और मलाइका अरोड़ा का ब्रेकअप हो चुका है. फिल्म सिंघम अगेन के प्रमोशन के दौरान अर्जुन कपूर ने इस खबर पर मुहर लगा दी थी. वहीं मलाइका अरोड़ा ने भी सोशल मीडिया पर कई बार अपने ब्रेकअप की तरफ इशारा किया था. बीते हफ्ते मलाइका अरोड़ा को एक शख्स के साथ भी देखा जा चुका है. राहुल विजय के इस शख्स को मलाइका अरोड़ा के साथ देखते सोशल मीडिया पर हंगामा मच गया था. लोगों को लगने लगा था कि मलाइका अरोड़ा को एक बार फिर से प्यार हो गया है.

सोशल मीडिया पर मलाइका अरोड़ा और राहुल विजय की तस्वीर ने हंगामा खड़ा कर दिया था. इसी बीच मलाइका अरोड़ा और राहुल विजय के रिश्ता का सच सामने आ गया है. मलाइका अरोड़ा के एक करीबी ने उनके रिश्ते की पोल खोलकर रख दी है. हिंदुस्तान टाइम्स से बात करते हुए मलाइका अरोड़ा के करीबी ने कहा, कोई भी खबर चलाने से पहले फैक्ट चैक करना जरूरी है. राहुल विजय, मलाइका अरोड़ा के बेटे अरहान खान का स्टाइलिस्ट है. इसके अलावा अरहान खान और राहुल विजय अच्छे दोस्त भी हैं. बात बस यहीं खत्म हो जानी चाहिए. मलाइका अरोड़ा और राहुल विजय के बीच में केवल यही रिश्ता है.

इस बयान ने एक बात साफ कर दी है कि मलाइका अरोड़ा फिलहाल पूरी तरह से सिंगल हैं और किसी को डेट नहीं कर रही हैं. एक समय के लिए तो फैंस को भी लगा था कि मलाइका अरोड़ा ने बड़ी ही आसानी से अपने पुराने रिश्ते को भुला दिया. हालांकि बीते कुई समय में मलाइका अरोड़ा कई बार क्रिप्टिक पोस्ट शेयर करके बवाल खड़ा कर चुकी हैं. हाल ही में मलाइका अरोड़ा ने दावा किया था कि वो फिलहाल प्यार के चक्कर में पड़ने नहीं वाली हैं. जुसके तुरंत बाद मलाइका अरोड़ा की डेटिंग की खबरें आने लग गईं.

भूत बंगला की रिलीज डेट अनाउंस

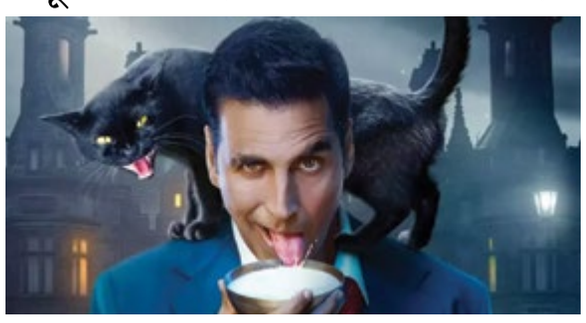

बॉलीवुड इंडस्ट्री से एक्शन से लेकर कॉमेडी फिल्में देने वाली एक्टर अक्षय कुमार हर साल कई बार सिनेमाघरों में दस्तक देते हैं. हालांकि, उनकी पिछली कुछ फिल्में लगातार बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई हैं. साल 2024 में अक्षय कुमार की तीन फिल्में रिलीज हुईं और फ्लॉप हो गईं. फिलहाल, अक्षय कुमार की पाइपलाइन में कई फिल्में हैं. इसमें से उन्होंने अपनी एक फिल्म 'भूत बंगला की रिलीज डेट अनाउंस की है. आइए जानते हैं कि अक्षय कुमार साल 2025 और साल 2026 में किन फिल्मों में नजर आएंगे.

अक्षय कुमार ने अपनी फिल्म 'भूत बंगला' की रिलीज डेट अनाउंस कर दी है. प्रियदर्शन के डायरेक्शन में बनने वाली फिल्म 'भूत बंगला' साल 2026 में 2 अप्रैल को रिलीज होगी. अक्षय कुमार की फिल्म 'स्काई फोर्स' 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी. अब अक्षय कुमार की फिल्म 'स्काई फोर्स' साल 2025 में 24 जनवरी को रिलीज होगी. अक्षय कुमार की फिल्म 'शंकरा' 14 मार्च, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. अक्षय कुमार के साथ फिल्म 'शंकरा' में अनन्या पांडे और आर माधवन भी नजर आने वाले हैं.

वहीँ अक्षय कुमार की फिल्म 'जॉली एलएलबी 3' 11 अप्रैल, 2025 को रिलीज होगी, अक्षय कुमार और अरशद वारसी की फिल्म 'जॉली एलएलबी 3' को लेकर लोग बेसब्र हो रहे हैं. अक्षय कुमार की'हाउसफुल' फ्रेंचाइजी का पांचवा पार्ट 'हाउसफुल 5' जब से अनाउंस हुआ तब से लोग एक्साइटेड हैं. ये फिल्म 6 जून, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

विक्की को लेकर जंगल पहुंचीं कटरीना

बॉलीवुड के पावर कपल कटरीना कैफ और विक्की कौशल के लिए बीता दिन बेहद खास था. बीते दिन कटरीना कैफ और विक्की कौशल ने अपनी शादी की सालगिरह सेलिब्रेट की है. फैंस को पता ही नहीं चला कि कटरीना कैफ और विक्की कौशल की शादी को तीन साल का समय हो चुका है. एक शानदाप पोस्ट शेयर करके कटरीना कैफ ने विक्की कौशल को शादी की सालगिरह की मुबारकबाद दी. इसी बीच कटरीना कैफ ने एक और पोस्ट शेयर करके सनसनी मचा दी है. इस समय कटरीना कैफ और विक्की कौशल जोधपुर में वेकेशन सेलिब्रेट कर रहे हैं. कटरीना कैफ ने अपने इसी वेकेशन की तस्वीरें फैंस के साथ शेयर कर दी हैं इन तस्वीरों में कटरीना कैफ और विक्की कौशल जंगल सफारी करते नजर आ रहे हैं. कटरीना कैफ ने इस दौरान कई जानवरों की तस्वीरें कैमरे में उतारीं. एक तस्वीर में कटरीना कैफ जंगल के चक्कर लगाती दिख रही हैं. इन तस्वीरों को शेयर करते हुए कटरीना कैफ ने बताया कि उन्होंने 48 घंटे जंगल में बिताए हैं. शेयर की गई तस्वीरों में कटरीना कैफ ने अपने होटल की फोटोज भी शेयर की हैं. इनमें से एक तस्वीर में कटरीना कैफ और विक्की कौशल शैम्पेन के गिलास को फ्लॉन्ट कर रहे हैं.कटरीना कैफ और विक्की कौशल की इन फोटोज ने सोशल मीडिया की दुनिया को हिलाकर रख दिया है.

पीएम मोदी से मिलने गई कपूर फैमिली

बॉलीवुड को कई बेहतरीन फिल्म देने वाले राज कपूर को इंडस्ट्री का शोमैन कहा जाता था. उनकी फिल्में आज भी काफी ज्यादा पसंद की जाती है. आने वाले 14 दिसंबर यानी शनिवार को राज कपूर की 100वीं बर्थ एनिवर्सरी है. इस खास मौके पर कपूर फैमिली एक भव्य समारोह करने की तैयारी कर रहा है. इसी बीच कपूर फैमिली पीएम नरेंद्र मोदी से मिलने के लिए दिल्ली गई है. दिल्ली जाने से पहले नीतू कपूर, करिश्मा कपूर, रणबीर कपूर, आलिया भट्ट सहित कपूर फैमिली के अन्य मेंबर्स कैमरे में कैद हुए हैं. इनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं.

राज कपूर की 100वीं बर्थ एनिवर्सरी को कपूर फैमिली स्पेशल बनाना चाहती है. इस खास मौके के लिए 10 दिसंबर यानी मंगलवार को कपूर फैमिली के मेंबर्स नीतू कपूर, करिश्मा कपूर, रणबीर कपूर, आलिया भट्ट, करीना कपूर, सैफ अली खान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इनवाइट करने के लिए दिल्ली गए. मुंबई के कलीना एयरपोर्ट पर कपूर फैमिली के सदस्यों को पैपराजी ने कैमरे में कैद किया है. बताते चलें कि राज कपूर की 100वीं बर्थ एनिवर्सरी 13 दिसंबर से 15 दिसंबर तक फेस्टिवल होगा, जिसमें शोमैन की कई फिल्मों को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा.

राज कपूर की फिल्म दिखाने को लेकर रणबीर कपूर ने बताया था, 'मुझे याद है कि जब मैं पहली बार आलिया भट्ट से मिला था तो उन्होंने मुझसे पूछा था कि किशोर कुमार कौन हैं? ये लाइफ साइकिल है. लोग भूल जाते हैं और फिर नए आर्टिस्ट आते हैं, इसलिए मुझे लगता है कि ये बहुत महत्वपूर्ण है कि हम अपनी जड़ों को याद रखें. सिर्फ राज कपूर ही नहीं, ऐसे कई फिल्ममेकर्स और आर्टिस्ट हैं, जिनका हमें लगातार जश्न मनाना चाहिए.

बजरंग दल की धमकियों के बीच दिलजीत कही ये बात

पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ इन दिनों खूब लाइमलाइट बटोर रहे हैं. दिलजीत दोसांझ अपने दिल लुमिनाटी टूर पर हैं. वह लगातार देशभर के तमाम शहरों में अपना कॉन्सर्ट कर रहे हैं, लेकिन उनके ये कॉन्सर्ट पर कुछ न कुछ विवाद भी हो रहा है. हाल ही में दिलजीत दोसांझ ने इंदौर में अपना कॉन्सर्ट पूरा किया, लेकिन उससे पहले वह बजरंग दल के निशाने पर आ गए. दिलजीत दोसांझ को बजरंग दल की तरफ से धमकी मिली। इतना ही नहीं, उनका शो कैंसिल करने की मांग भी उठाई गई, लेकिन अब दिलजीत दोसांझ ने इस मामले पर अपने ही अंदाज में प्रतिक्रिया दी है.हाल ही में बजरंग दल की तरफ से दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट में शराब और नेनवॉज परोसे जाने के खिलाफ आवाज उठाई गई थी. इस दल की तरफ से इंदोर में होने वाले कॉन्सर्ट का भी विरोध किया गया था, लेकिन दिलजीत दोसांझ ने इस विवाद के बीच इंदौर में काफी शानदार अंदाज में अपना कॉन्सर्ट पूरा किया, लेकिन यहां पर सिंगर ने कुछ ऐसा बोल दिया, जिसे सुनकर लोग भी हैरान हैं. दिलजीत ने इंदौर के कॉन्सर्ट में स्टेज पर राहत इंदौरी की एक शायरी कही. ये शायरी लोगों ने बजंरग दल की धमकी से जोड़ दी. हालांकि, दिलजीत की तरफ से किसी का नाम नहीं लिया गया. सिंगर ने कहा, 'अगर खिलाफ हैं होने दो, जान थोड़ी है। ये सब धुआं है, आसमां थोड़ी है। सभी का खून है शामिल यहां की मिट्टी में, किसी के बाप का हिंदुस्तान थोड़ी है।'

ऑस्ट्रेलिया में गरजा मंधाना का बल्ला

मैक्ग्रा की टीम को घर में दिया मुंहतोड़ जवाब

नई दिल्ली.

स्मृति मंधाना एक कैलेंडर ईयर में 4 वनडे सेंचुरी जड़ने वाली पहली महिला क्रिकेटर बन गई हैं. उन्होंने ऑट्रेलिया के खिलाफ पर्थ के वाका में जारी सीरीज के तीसरे और आखिरी वनडे में 103 गेंदों पर शतक जड़ा. मंधाना के वनडे करियर का यह नौवां वनडे शतक है. उन्होंने अपनी शतकीय पारी में 14 चौके और एक छक्का लगाया. भारतीय टीम मेजबान ऑस्ट्रेलिया की ओर से रखे गए 299 रन के लक्ष्य का पीछा कर रही है. मंधाना ने इतिहास रच दिया है.वह महिला वनडे क्रिकेट में एक कैलेंडर ईयर में 4 शतक जड़ने वाली पहली पहली महिला क्रिकेटर बन गई हैं.

स्मृति मंधाना भारत की ओर से महिला वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक जड़ने वाली बल्लेबाज हैं. इससे पहले मिताली राज ने भारत के लिए वनडे में सबसे ज्यादा शतक लगाया था. मिताली के नाम महिला वनडे में 7 शतक दर्ज हैं. मिताली ने 211 पारियों में ये शतक जड़े थे जबकि स्मृति ने 91 पारियों में नौ शतक ठोक दिए. ऑस्ट्रेलिया टीम की कप्तानी तालिया मैक्ग्रा कर रही हैं.

इससे पहले, भारतीय तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी के शानदार स्पैल के बाद अनाबेल सदरलैंड के शतक से ऑस्ट्रेलिया ने 6 विकेट पर 298 रन बनाए. अरुंधति (26/4) ने करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया के चार विकेट जल्दी-जल्दी चटकाए जिससे टीम का स्कोर चार विकेट पर 78 रन हो गया. सदरलैंड (95 गेंद में 110 रन, नौ चौके, चार छक्के) ने इसके बाद एशलेग गार्डनर (50) के साथ पांचवें विकेट के लिए 96 और कप्तान ताहलिया मैक्ग्रा (56) के साथ छठे विकेट के लिए 122 रन रन जोड़कर पारी को संभाला. भारत वाका मैदान पर टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया जिसके बाद फोएबे लिचफील्ड (25) और जॉर्जिया वोल (26) ने पहले विकेट के लिए 10.1 ओवर में 58 रन जोड़कर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई.

दीप्ति ने 34वें ओवर में एशलेग को मीनू मनि के हाथों कैच कराके इस साझेदारी को तोड़ा. एशलेग ने 64 गेंद का सामना करते हुए पांच चौके मारे. सदरलैंड को इसके बाद कप्तान ताहिलिया के रूप में उम्दा जोड़ीदार मिली और दोनों ने तेजी से रन जुटाए तथा टीम का स्कोर 300 रन के करीब पहुंचाया. सदरलैंड ने पारी के अंतिम ओवर में दीप्ति पर मिड विकेट के ऊपर से छक्का जड़कर शतक पूरा किया लेकिन इसके बाद रन आउट हो गईं. सदरलैंड ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया अपना 5वां वनडे खेल रही अरुंधति ने हालांकि 11वें ओवर में चार गेंद के भीतर दोनों सलामी बल्लेबाजों को आउट करके ऑस्ट्रेलिया को दोहरा झटका दिया. अरुंधति ने अंदर की ओर स्विंग होती गेंद पर पिछली मैच की शतकवीर वोल को बोल्ड किया जबकि बाएं हाथ की बल्लेबाज लिचफील्ड को बाहर की ओर स्विंग होती गेंद पर विकेटकीपर रिचा घोष के हाथों कैच कराया. अरुंधति ने इसके बाद ऑलराउंडर एलिस पैरी (04) को बोल्ड किया और फिर बेथ मूनी (10) को रिचा के हाथों कैच कराया जिससे ऑस्ट्रेलिया का स्कोर बिना विकेट के 58 रन से चार विकेट पर 78 रन हो गया.

गाबा की पिच से उठ गया पर्दा

एडिलेड. भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली जा रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का रोमांच और भी ज्यादा बढ़ गया है क्योंकि दोनों टीमें 1-1 मैच जीतकर सीरीज में बराबरी पर हैं। पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट मैच में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 295 रनों से करारी शिकस्त देकर सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल की थी। इसके बाद एडिलेड में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया ने जबरदस्त पलटवार करते हुए टीम इंडिया को 10 विकेट से हरा दिया। इस तरह सीरीज 1-1 से बराबर हो गई। अब सीरीज का तीसरा मुकाबला ब्रिसबेन के गाबा में खेला जाएगा जहां दोनों टीमें सीरीज में एक-दूसरे आगे निकलना चाहेंगी।

गाबा में खेले जाने वाले तीसरे टेस्ट मैच का 14 दिसंबर से आगाज होगा जिसमें गेंदबाजों को पिच से पारंपरिक गति और उछाल मिलने की उम्मीद है। भारत ने अपने पिछले दौरे पर गाबा में शानदार जीत दर्ज की थी। ऋषभ पंत की शानदार पारी की बदौलत भारत ने ऑस्ट्रेलिया में लगातार दूसरी सीरीज जीती। यह 1988 के बाद से मेजबान टीम की इस मैदान पर यह पहली हार थी। तब से ऑस्ट्रेलिया अपने 'गढ़' में वेस्टइंडीज से भी हार चुका है।'क्रिकेट.कॉम.एयू' ने शनिवार से शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट से पहले गाबा के क्यूरेटर डेविड सैंडर्स के हवाले से कहा कि साल के अलग-अलग समय निश्चित रूप से इसे अलग बनाते हैं, यह थोड़ी अलग पिच हो सकती है। उन्होंने कहा कि सेशन के आखिर में पिचों में थोड़ी अधिक टूट-फूट हो सकती है। सेशन की शुरुआत में पिचें आमतौर पर थोड़ी नई होती हैं और उनमें थोड़ी अधिक गति और उछाल होती है। सैंडर्सकी ने कहा कि आम तौर पर हम अब भी पिच को हर बार ठीक उसी तरह से तैयार करते हैं ताकि हम वह अच्छी गति और उछाल प्राप्त कर सकें जिसके लिए गाबा को जाना जाता है। हम बस हर साल की तरह गाबा का पारंपरिक विकेट बनाने की कोशिश कर रहे हैं। पिछले महीने घरेलू गुलाबी गेंद के मैच के पहले दिन गाबा में 15 विकेट गिरे थे और क्यूरेटर ने कहा कि सतह वैसी ही होगी। सैंडर्सकी

बेंगलुरू बुल्स 15 अंक से हारा

बंगाल वारियर्स ने प्लेआफ की संभावना बरकरार रखी

नई दिल्ली.

बंगाल वारियर्स ने बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बैडमिंटन हॉल में मंगलवार को खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 104वें मैच में बेंगलुरू बुल्स को 44-29 के अंतर से हराकर प्लेआफ की दौड़ में खुद को बरकरार रखा है। दूसरी ओर, बुल्स के लिए इस सीजन का एक लिहाज से समापन हो गया है। बंगाल ने 17 मैचों में चौथी जीत के साथ एक स्थान की छलांग लगाई है। इस जीत में एस. विश्वास (14), प्रणय (9) और डिफेंस में नितेश (7) और फजल (7) का योगदान रहा। बंगाल ने अपने डिफेंस के दम पर यह मैच जीता। उसने डिफेंस में 8 के मुकाबले 18 अंक लिए। दूसरी ओर, परदीप नरवाल (14) के शानदार प्रदर्शन के बावजूद बुल्स बड़ी हार को मजबूर हुए।

बहरहाल, चोटिल मनिंदर के बगैर मैट पर उतरी बंगाल ने पहली ही रेड पर परदीप को लपक लिया लेकिन विश्वास को लपक नितिन ने उन्हें रिवाइव करा लिया। तीन मिनट बाद बंगाल 4-1 से आगे थे। इसके बाद परदीप ने डुबकी पर सुपर रेड के साथ स्कोर बराबर कर दिया। बंगाल सुपर टैकल सिचुएशन में थे लेकिन विश्वास ने मल्टी प्वाइंटर के साथ यह स्थिति टाल दी।

बंगाल ने तीन मिनट बाकी रहते 8-5 की लीड ले ली थी। इसके बाद बुल्स ने 1 के मुकाबले दो अंक लेकर 10 मिनट की समाप्ति तक स्कोर 7-9 कर दिया। ब्रेक के बाद नीतेश ने अपने तीसरे शिकार के साथ स्कोर 10-7 कर दिया। फिर चार के डिफेंस में डू ओर डाई रेड पर मल्टी प्वाइंटर के साथ विश्वास ने बुल्स को आलाउट की ओर धकेल दिया।

इसके बाद फजल ने परदीप का शिकार किया और फिर बंगाल ने आलआउट लेते हुए 16-8 की लीड ले ली। सुशील ने इस बीच परदीप को रिवाइव करा लिया औऱ बुल्स ने 2 के मुकाबले तीन अंक लेकर वापसी की राह पकड़ी। बंगाल हालांकि अपनी पकड़ी ढीली नहीं होने दे रहे थे। 20 मिनट के बाद भी बंगाल को 22-12 की लीड मिली हुई थी।

परदीप ने हाफटाइम के बाद एक और डुबकी पर दो अंक लेकर स्कोर 14-23 कर दिया। इसके बाद भी बुल्स ने दो अंक लिए लेकिन इतने ही अंक लुटा भी दिए। इसके बाद फजल ने परदीप का शिकार किया तो नितेश ने सुशील को आउट कर हाई-5 पूरा किया। फिर प्रणय ने डू ओर डाई रेड पर सौरव का शिकार कर बुल्स के लिए सुपर टैकल आन कर दिया।

परदीप अगली रेड पर एक अंक लेकर लौटे लेकिन प्रणय ने मल्टी प्वाइंटर के साथ बुल्स को आलआउट की ओर धकेल दिया। नितेश ने परदीप को एंकल होल्ड किया और फिर बंगाल ने आलआउट लेकर 33-19 की लीड ले ली। आलइन के बाद परदीप ने सुपर-10 पूरा किया। इसके तुरंत बाद फजल ने भी हाई-5 पूरा किया।

कीर्ति आजाद ने रोहन जेटली की गिनाई नाकामियां

नई दिल्ली.

डीडीसीए (दिल्ली एण्ड डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन) के प्रेसिडेंट पद के लिए खड़े हुए उम्मीदवार कीर्ती आज़ाद ने नैतिक शासन के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की है। भारतीय क्रिकेट में अपने बेहतरीन योगदान के साथ वे डीडीसीए के सुनहरे दौर की शुरूआत के लिए तैयार हैं। मौजूदा अधिकारियों द्वारा डीडीसीए में हो रहे दुराचार पर रोशनी डालते हुए कीर्ती आज़ाद और उनकी टीम ने 'फंड्स के गलत मैनेजमेन्ट' पर सवाल उठाया। इस दौरान रोहन जेटली और उनकी टीम से कड़े सवाल पूछे गए।

इन चुनावों में अपने नारे 'अब नहीं बदलेगा तो कभी नहीं बदलेगा' के साथ कीर्ती आज़ाद तत्काल प्रभाव से डीडीसीए की फंक्शनिंग में बदलाव लाना चाहते हैं। उनका उद्देश्य भारतीय क्रिकेट और खिलाड़ियों के छवि में 'सम्मानजनक' बदलाव लाना है। एसोसिएशन के सदस्यों में उन्हें दी जाने वाली सुविधाओं के प्रति गर्व की भावना उत्पन्न करना है। कीर्ति आज़ाद ने कहा, डीडीसीए के सदस्यों को लम्बे समय से उचित दर्जे से वंचित रखा गया है। एसोसिएशन को मिलने वाले अनुदान का गलत प्रबन्धन किया गया है। खातों की सही ऑडिटिंग नहीं हो रही हैं, एसोसिएशन के सदस्यों को उन सुविधाओं से वंचित रखा गया है, जिनके वे हकदार हैं। सबसे बड़ी बात, रोहन जेटली के नेतृत्व में डीडीसीए स्टेडियम को अपग्रेड करने में नाकाम रहा है, जैसा कि वादा किया गया था।कीर्ति आज़ाद-संजय भारद्वार के पैनल ने मौजूदा डीडीसीए पैनल पर फंड्स के गलत प्रबन्धन, अपनी पसंद के सदस्यों में टिकट वितरण, जमीनी स्तर पर विकास की अनदेखी और सदस्यों की सहभागिता की कमी पर सवाल उठाए। कीर्ति आज़ाद की अध्यक्षता डीडीसीए में पारदर्शिता और सुधार का स्पष्ट आह्वान है, जो क्रिकेट संस्थानों को चरम पर पहुंचाने का वादा करता है। वहीं सचिव पद के उम्मीदवार संजय भारद्वाज ने भी कीर्ति आज़ाद का पक्ष लिया। 1986 से 1989 के बीच उन्होंने रणजी ट्रॉफी में दिल्ली का प्रतिनिधित्व किया और कीर्ति आज़ाद, मदन लाल, मोहिन्दर अमरनाथ, सुरिंदर खन्ना, रमन लाम्बा, संजय भारद्वाज जैसे दिग्गजों के साथ खेल चुके हैं। 2018 में वे डीडीसीए राजनीति में कदम रखा और क्रिकेट में सुधार लाने की सोच के साथ आदर्श उम्मीदवार बन गए।

शमी ने बड़ौदा के खिलाफ मचाई सनसनी

नई दिल्ली.

सैयद मुस्ताक अली ट्रॉफी 2024 के क्वार्टर फाइनल नंबर 1 में बंगाल और बड़ौदा आमने सामने हुईं। बंगाल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया और बड़ौदा को 172 रन पर ही रोक दिया। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच पर टी20 क्रिकेट में 200 के आसपास रन बनते हैं लेकिन बंगाल की शानदार गेंदबाजी की बदौलत वे 180 का आंकड़ा भी नहीं छू पाए।

इस मुकाबले में मोहम्मद शमी ने शुरुआती ओवरों में काफी रन लुटाए लेकिन अपने आखिरी ओवर में सिर्फ 3 रन खर्च कर दो विकेट हासिल किए। इस मैच में पहला विकेट हासिल करते ही शमी ने इतिहास रच दिया और वह टी20 फॉर्मेट में 200 विकेट हासिल करने वाले तीसरे भारतीय तेज गेंदबाज बन गए हैं।मोहम्मद शमी के टी20 में अब कुल 201 विकेट हो गए हैं।

आकाश ने रोहित के बैटिंग परफॉर्मेंस पर उठाए सवाल

नई दिल्ली.

बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के दूसरे टेस्ट मैच में टीम इंडिया को 10 विकेट से हार झेलनी पड़ी है. रोहित शर्मा पर्थ के पहले टेस्ट मैच भारतीय टीम का हिस्सा नहीं थे, जिसे भारत ने 295 रनों से जीता था. लेकिन इस बार भारतीय टीम रोहित शर्मा और शुभमन गिल की वापसी के बावजूद पहली पारी में 180 और दूसरी पारी में 175 रन पर आउट हो गई. 2020-21 के दौरे पर भी भारत 36 रन पर आउट हुआ था और इस बार टीम दोनों पारियों को मिलाकर 80 ओवर भी नहीं खेल पाई. इस प्रदर्शन के बाद आकाश चोपड़ा ने रोहित के प्रदर्शन पर सवाल उठाए हैं. दूसरे टेस्ट मैच में हार के बाद आकाश चोपड़ा ने रोहित शर्मा की बल्लेबाजी पर सवाल उठाए हैं. उन्होंने कहा कि लगातार चार टेस्ट हारने वाले रेयरेस्ट कप्तानों की सूची में शामिल हुए हैं. लेकिन यह मुद्दा नहीं है. रोहित शर्मा पिछली 12 पारियों में मात्र एक बार पचास का आंकड़ा छू पाए हैं. उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे खिलाड़ी का प्रदर्शन बेहतर होता जाता है, वह बल्लेबाजी क्रम में ऊपर बढ़ाता जाता है और जैसे-जैसे उसकी परफार्मेंस खराब होती जाती है, वह बैटिंग ऑर्डर में डाउन होता जाता है. इस मैच में रोहित छठवें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे. हालांकि इस मौके पर उन्होंने केएल राहुल के ऊपर उतरने की वजह से खुद को नीचे रखा, लेकिन यहां भी वे नहीं चले और अंदर आने वाली गेंद पर आउट हो गए.

पाकिस्तान चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करेगा -वसीम अकरम

नई दिल्ली.

पाकिस्तान के दिग्गज तेज गेंदबाज वसीम अकरम हाल ही में कोक स्टूडियो के एक कार्यक्रम में शामिल हुए. उनके हाथ में इस दौरान चैंपियंस ट्रॉफी थी और अकरम ने इस दौरान दर्शकों को लंबे इंतजार के लिए शुक्रिया अदा किया. हालांकि, अभी यह तय नहीं है कि आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी, जिसका आयोजन फरवरी-मार्च 2025 के बीच पाकिस्तान में होना है, वो किस मॉडल के तहत खेला जाएगा. भारत द्वारा पाकिस्तान जाने से इनकार किए जाने के बाद चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर सवाल है और रिपोर्ट्स की मानें तो टूर्नामेंट के हाइब्रिड मॉडल को लेकर बीसीसीआई, आईसीसी और पीसीबी के बीच गतिरोध बना हुआ है. वहीं इस कार्यक्रम के दौरान वसीम अकरम ने एक बड़ा दावा किया है और उन्हें अगले साल पूरे टूर्नामेंट की मेजबानी देश में करने का पूरा भरोसा है.

चैंपियंस ट्रॉफी अभी अपने पाकिस्तान टूर पर है और हाल ही में अकरम यह ट्रॉफी लेकर कोक स्टूडियो के कार्यक्रम में शामिल हुए. इस दौरान उन्होंने बड़ा ऐलान करते हुए कहा,"मैं सब लोगों को धन्यवाद देना चाहूंगा. आप सब लोगो का पैशन, जो टिपिकल पाकिस्तान पैशन है. यह चैंपियंस ट्रॉफी है, जो पाकिस्तान में हो रही है." वसीम अकरम ने आगे कहा,"पाकिस्तान चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन करने के लिए तैयार है."

चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर चल रहे ताजा विवाद के बीच खबर है कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अगले साल चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी के मुद्दे पर पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी को 'पूर्ण समर्थन'

का आश्वासन दिया है और सूत्रों के अनुसार उन्होंने कहा है कि देश को इस मामले से निपटने के दौरान अपना आत्मसम्मान बनाए रखना चाहिए. शरीफ पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के संरक्षक भी हैं. उन्होंने नकवी से यह भी कहा कि यह केवल पैसे का मामला नहीं है क्योंकि जनता की भावनाओं को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए.

नकवी ने रविवार को शरीफ को पर्दे के पीछे के घटनाक्रमों के बारे में जानकारी दी, लेकिन पीसीबी ने बैठक का विवरण नहीं बताया. सूत्र ने कहा,"प्रधानमंत्री ने इस मुद्दे पर पीसीबी को अपना पूरा समर्थन देने का आश्वासन दिया और भारत द्वारा पाकिस्तान में खेलने से इनकार करने पर (पीसीबी) अध्यक्ष द्वारा अपनाए गए रुख की सराहना की." उन्होंने कहा कि शरीफ ने नकवी से कहा कि सब कुछ पैसे के बारे में नहीं है और पाकिस्तान को अपने आत्मसम्मान और गौरव को ध्यान में रखते हुए इस मामले से निपटना चाहिए.

अफरीदी ने टी 20 में मचाया तहलका

महारिकॉर्ड बनाकर रचा इतिहास

नई दिल्ली. शाहीन अफरीदी ने इतिहास रच दिया है. साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 मैच में शाहीन ने कमाल की गेंदबाजी की और 4 ओवर में 22 रन देकर तीन विकेट लेने में सफल रहे. ऐसा करते ही शाहीन ने टी-20 इंटरनेशनल में अपने 100 विकेट पूरे कर लिए. शाहीन ने अपने 74वें टी-20 इंटरनेशनल मैच में 100 विकेट लेने का कमाल किया है. ऐसा कर शाहीन ने सबसे तेज 100 विकेट लेने के मामले में लसिथ मलिंगा के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है. मलिंगा ने टी-20 इंटरनेशनल में 100 विकेट अपने 76वें मैच में हासिल करने में सफलता हासिल की थी. वहीं, शाहीन ने अपने 74वें मैच में यह कमाल कर दिखाया है. बता दें कि टी-20 इंटरनेशनल में सबसे तेज 100 विकेट राशिद खान के नाम है. राशिद ने 53 मैच में य़ह कारनामा किया है. वहीं, पाकिस्तान के लिए सबसे तेज 100 टी 20आई विकेट हारिस रऊफ ने चटकाए हैं. हारिस ने 71 मैच में यह कारनामा किया है. ऐसे में शाहीन, पाकिस्तान की ओर से सबसे तेज 100 विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज बन गए हैं. शाहीन पाकिस्तान की ओर से 100 विकेट हासिल करने वाले ओवरऑल तीसरे गेंदबाज बनने में सफल हो गए हैं. हारिस रऊफ और शादाब खान ने शाहीन से पहले टी 20आई में 100 विकेट लिए हैं. राशिद ने 53 मैच में य़ह कारनामा किया है. वहीं, पाकिस्तान के लिए सबसे तेज 100 टी20आई विकेट हारिस रऊफ ने चटकाए हैं. हारिस ने 71 मैच में यह कारनामा किया है. ऐसे में शाहीन, पाकिस्तान की ओर से सबसे तेज 100 विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज बन गए हैं. शाहीन पाकिस्तान की ओर से 100 विकेट हासिल करने वाले ओवरऑल तीसरे गेंदबाज बनने में सफल हो गए हैं. हारिस रऊफ और शादाब खान ने शाहीन से पहले टी20आई में 100 विकेट लिए हैं.पहले टी-20 की बात करें तो साउथ अफ्रीका ने पहले खेलते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 183 रन बनाए. साउथ अफ्रीका की ओर से डेविड मिलर ने तहलका मचाया और 40 गेंद पर 82 रन की पारी खेली. किलर मिलर ने 4 चौके और 8 छक्के लगाकर पाकिस्तानी गेंदबाजों की जमकर धुनाई की.

इसके अलावा शाहीन विश्व क्रिकेट के केवल चौथे ऐसे गेंदबाज बन गए हैं जिनके नाम तीनों फॉर्मेट में 100 या उससे ज्यादा विकेट दर्ज है. वहीं, शाहीन पाकिस्तान के पहले ऐसे गेंदबाज हैं जिन्होंने यह कारनामा अपने नाम करने में सफलता हासिल की है.

शोएब अख्तर की भविष्यवाणी

चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब यह टीम जीतेगी

नई दिल्ली.

दुनिया के सबसे तेज गेंदबाज के तौर पर मशहूर हुए शोएब अख्तर ने चैंपियंस ट्रॉफी के विनर को लेकर भविष्यवाणी की है. अख्तर ने उस टीम का नाम बताया है जिसे वो इस बार चैंपियंस ट्रॉफी का विजेता के तौर पर देखना चाहते हैं. बता दें कि 2017 के बाद पहली बार चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन हो रहा है. पिछली बार 2017 के चैंपियन ट्रॉफी के फाइनल में भारत को पाकिस्तान ने हराकर खिताब जीता था. अब 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन होने वाला है. ऐसे में पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने भविष्यवाणी करते हुए विजेता टीम के बारे में बात की है. पाकिस्तान के यू-टयूबर निकस खान के पॉडकास्ट पर बात करते हुए अख्तर ने उस टीम का नाम लिया है. दरअसल, पॉडकास्ट में अख्तर ने चैंपियंस ट्रॉफी के विजेता को लेकर भविष्यवाणी करने को लेकर सवाल किया गया. जिसपर अख्तर ने रिएक्ट किया और सीधे तौर पर कहा कि," मैं तो पाकिस्तान के विजेता मानता हूं और इस टीम को अब हर हाल में चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीतना चाहिए." शोएब ने अपनी बात रखते हुए कहा कि, "देखिए हाल के समय में चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी को लेकर जो कुछ भी हल्ला मचा है उसे देखते हुए यहां अब पाकिस्तान के लिए यह खुद को साबित करने वाली लड़ाई बन गई है. ऐसे में पाकिस्तान को चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीतकर दिखाना होगा कि वो विश्व क्रिकेट में कहां पर खड़े हैं. मैं पाकिस्तान को विजेता बनने को लेकर भविष्यवाणी करता हूं "रावलपिंडी एक्सप्रेस के नाम से मशहूर अख्तर ने ये भी कहा कि "यदि टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल पर भी आयोजित होता है तो पाकिस्तान को ही इससे फायदा है.

सुब्रमण्यम भारती जैसी शख्सियत सदियों में एक बार मिलती है

> जन्मशताब्दी पर बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली.

पूरे देश में महान राष्ट्रवादी तमिल कवि सुब्रमण्यम भारती जयंती की मनाई गई. इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय साहित्य में सुब्रमण्यम भारती के रचनात्मक योगदान को याद किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी. उन्होंने कहा कि यह दिन भारतीय साहित्य और संस्कृति के लिए, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम और तमिलनाडु के लिए गौरव का दिवस है. प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह दिन बहुत बड़ा अवसर लेकर आया है. उन्होंने इस दौरान 21 खंडों में सुब्रमण्यम भारती की रचनाओं के ग्रंथ का भी विमोचन किया.

इस मौके पर आयोजित समारोह में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस दिन 21 खंडों में सुब्रमण्यम भारती की रचनाओं का प्रकाशन सेवा यज्ञ के समान है. यह कार्य छह दशकों की मेहनत का नतीजा है.

यह कार्य समर्पण भाव से ही संपन्न हो सका है. प्रधानमंत्री मोदी

ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को महाकवि सुब्रमण्यम भारती की समग्र रचनाओं से बड़ा लाभ मिलने वाला है. प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सुब्रमण्यम भारती की रचनाओं में राष्ट्रीय चेतना प्रखरता से मौजूद हैं. वो ऐसे महान मनीषी थे, जो देश की जरूरतों को देखते हुए काम करते थे. महाकवि का विजन बहुत व्यापक था. पीएम मोदी ने कहा कि महाकवि ने हर उस दिशा में काम किया, उस दौर में देश को जिसकी जरूरत थी. उन्होंने कहा कि भारती केवल तमिलनाडु और तमिल भाषा की ही धरोहर नहीं है, वो एक ऐसे विचारक थे जिनकी हर सांस मां भारती की सेवा के लिए समर्पित थी. प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सालों बाद आज भी सुब्रमण्यम भारती का चिंतन, उनकी मेधा, उनका बहु-आयामी व्यक्तित्व हर किसी को हैरान कर देता है. उन्होंने कहा कि सुब्रमण्यम भारती ने साहित्य के साथ साथ पत्रकारिता की भी सेवा की और तमिल भाषा के विकास में अहम योगदान दिया है.

सभी भारतीय भाषाओं का करें सम्मान

प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान यह भी कहा कि तमिल भारत की प्राचीनतम भाषा है, इसमें लिखे साहित्य का अहम योगदान है. उन्होंने कहा कि हम भारतीयों को सभी भारतीय भाषाओं का सम्मान करना चाहिए. उससे सीखना चाहिए. महान तमिल कवि सुब्रमण्यम भारती का जन्म 11 दिसंबर सन् 1882 में हुआ था और निधन महज 38 साल की उम्र में 12 सितंबर को साल 1921 को हो गया था. साहित्य जगत में उनके योगदान को देखते हुए उनको महाकवि भारतियार भी कहा गया है. उनकी ख्याति कविताओं में राष्ट्रवादी चेतना के लिए रही है. उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में भी बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया था.

'दरियाई घोड़ा' दौड़ा पर्यटकों के पीछे

नई दिल्ली. दरियाई घोड़ा एक अर्धजलिय प्राणी है, जो ज्यादातर अफ्रीका में पाया जाता है। दरियाई घोड़ा देखने में डरावना होता है। इसके सिंग और दांत बहुत तेज होते है, जिससे वो शिकार करता है। फिलहाल गुस्साए दरियाई घोड़े का एक वीडियो सोशल मीडिया पर बहुत वायरल हो रहा है। दक्षिण अफ्रीका के मन्योनी प्राइवेट गेम रिजर्व में ड्रीम सफारी पर गए पर्यटकों की गाड़ी पर गुस्से से लाल एक दरियाई घोड़े ने हमला कर दिया। पर्यटकों ने इस हमले को अपने कैमरे में कैद कर लिया। जिसमें दरियाई घोड़ा गाडी के पिछे दौडता दिखाई दे रहा है। ड़रे हुए पर्यटकों ने अपनी गाडी रिवर्स चलाकर जान बचाकर भाग निकले। एक मिनट के इस वीडियो में देखा जा सकता है कि एक दरियाई घोड़ा जंगल के रास्ते में शांति से टहल रहा है। तभी सफारी घूमने गए पर्यटकों की गाड़ी को उसने देखा। पर्यटकों की गाडी उसके काफी करीब थी। फिर क्या था, दरियाई घोड़ा गुस्से से आग बबूला हो गया और पर्यटकों की गाड़ी पर हमला कर दिया। दरियाई घोड़े को गुस्से में देख घबराए पर्यटकों की गाड़ी का ड्राइवर गाड़ी को रिवर्स कर भगाने लगा। लेकिन दरियाई घोड़ा गुस्से में उनके पीछे पड़ गया और उनके वाहन का पीछा करने लगा।

ईरान को जो भी चाहिए, वह भारत में उपलब्ध

> ईरान के राजदूत का बयान

नई दिल्ली.

भारत में ईरान के राजदूत इराज इलाही ने बुधवार को कहा कि भारत के पास वह सभी संसाधन और अवसर हैं जिनकी ईरान को आवश्यकता है, और दोनों देशों के बीच व्यापार, यात्रा और सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए वे सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित ईरान फूड फेस्टिवल में भाग लेते हुए इलाही ने एएनआई से बातचीत में कहा कि वह भारतीय अधिकारियों के साथ मिलकर व्यापार में धन के हस्तांतरण में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए भारतीय अधिकारियों के साथ काम कर रहे हैं। सुगमता का मतलब है कि हमें धन के हस्तांतरण की समस्या को दूर करना चाहिए। हमें अपने व्यापार के लिए अलग-अलग कानूनी आधार बनाने की जरूरत है। इसलिए मैं भारत के व्यापार मंत्री के साथ निकट संपर्क में हूं, और मैंने ईरान के व्यापार मंत्री के साथ एक

संयुक्त बैठक की योजना बनाई है ताकि दोनों देशों के बीच व्यापार में मौजूदा कठिनाइयों और बाधाओं का समाधान निकाला जा सके," उन्होंने एएनआई को बताया। इलाही ने कहा कि ईरान भारतीय पासपोर्ट धारकों को वीजा से छूट देकर भारत के साथ यात्रा को सुविधाजनक बना रहा है।

उन्होंने कहा, "ईरान में हम भारतीय पर्यटकों को सुविधा प्रदान कर रहे हैं और उन्हें और अधिक सुविधाएं दे रहे हैं। हमने भारतीय पासपोर्ट धारकों को वीजा से छूट दी है। उनके पासपोर्ट पर ईरानी अधिकारियों द्वारा मुहर नहीं लगाई जाएगी। इसलिए वे आसानी से ईरान जा सकते हैं। और हम दो देशों के बीच उड़ान की आवृत्ति बढ़ाने की भी कोशिश कर रहे हैं। मैंने एयर इंडिया और अन्य उड़ानों से बात की है। मुझे उम्मीद है कि कुछ प्रगति होगी और भारतीय आसानी से टिकट खरीदकर ईरान जा सकेंगे।

ऑस्ट्रेलिया में बच्चों के लिए सोशल मीडिया बैन

नई दिल्ली.

अपने मोबाइल और अपने लैपटॉप के साथ अपने कमरे में ही बिजी टीएनएजर आजकल महानगरों के पेरेंट्स के लिए चिंता की बात बने हुए हैं. ऐसे में दूर देश ऑस्ट्रेलिया से उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया बैन की ख़बर से हिंदुस्तानी पैरेंट्स भी उत्साहित है बच्चों में स्क्रीन टाइम के लिए आई ग्लोबल अवेयरनेस बताती है मामला सीरियस है. जानिए कैसे? 15 साल की लड़की घर में पेंटिंग बनाती और अंग्रेजी गाने सुनती थी. घर वालों को अंग्रेजी आती नहीं थी.

लेकिन बेटी के व्यवहार में उन्हें कभी कुछ असामान्य नहीं लगा. अलार्म तो तब बजा जब उसने बिना वजह खुद को नुकसान पहुचांने की कोशिश की. ऐसा दो तीन बार और हुआ. परिवार ने साइकॉलजिस्ट की मदद ली. मालूम चला वो जो गाने सुनती है, वो डिप्रेशन से भरे हैं और वो जो तस्वीरे बनाती हैं, वो हिंसा से भरी हैं. गाने के लिरिक्स एडल्ट और पेंटिंग खून-खराबे से भरी. उनके पेरेंट्स को पता ही नहीं था कि बच्ची सोशल मीडिया पर एक्टिव है और वहीं का वर्चुअल तनाव वो अपने सिर पर लिए बैठी है.

दहेज मामलों की सुनवाई में बरतें सतर्कता

> सुप्रीम कोर्ट का सभी अदालतों को निर्देश

नई दिल्ली.

सुप्रीम कोर्ट ने दहेज प्रताड़ना के एक मामले में अहम फैसला सुनाया है. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कानून का दुरुपयोग रोकने के लिए अदालतों को दहेज मामलों में सावधानी बरतनी चाहिए. अदालत ने कहा कि यह एक सर्वमान्य तथ्य है, जो न्यायिक अनुभव से प्रमाणित है कि वैवाहिक कलह के कारण उत्पन्न घरेलू विवादों में प्रायः पति के परिवार के सभी सदस्यों को फंसाने की प्रवृत्ति होती है. सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि अदालतों को दहेज उत्पीड़न के मामलों में कानून के दुरुपयोग को रोकने तथा पति के रिश्तेदारों को फंसाने की प्रवृत्ति को देखते हुए निर्दोष परिवार के सदस्यों को अनावश्यक परेशानी से बचाने के लिए सावधानी बरतनी चाहिए.

प्रावधान महिलाओं के खिलाफ क्रूरता रोकने के लिए जस्टिस बी.वी. नागरत्ना और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि वैवाहिक विवाद से उत्पन्न आपराधिक मामले

में परिवार के सदस्यों के नामों का उल्लेख मात्र, बिना उनकी सक्रिय संलिप्तता को स्पष्ट आरोपों के शुरू में ही रोक दिया जाना चाहिए. ठोस साक्ष्यों से समर्थित न होने वाले ऐसे सामान्यीकृत और व्यापक आरोप या विशिष्ट आरोप आपराधिक अभियोजन का आधार नहीं बन सकते.

भारतीय दंड संहिता की धारा 498-ए का प्रावधान पत्नियों/उनके रिश्तेदारों के लिए पति/उनके परिवार के साथ अपना हिसाब बराबर करने का कानूनी हथियार बन गया है, जबकि वे प्रावधान पति और उसके परिवार द्वारा महिलाओं पर की जाने वाली क्रूरता को रोकने के लिए लाए गए हैं, ताकि राज्य द्वारा त्वरित हस्तक्षेप सुनिश्चित हो सके. सुप्रीम कोर्ट ने खारिज किया मामलापति और पत्नी के ससुराल वालों के खिलाफ आईपीसी की धारा 498-ए (क्रूरता) के तहत दर्ज मामले को खारिज करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने ये फैसला दिया है. साथ ही कोर्ट ने पति और उसके परिवार के खिलाफ व्यक्तिगत प्रतिशोध को बढ़ावा देने के लिए आईपीसी की धारा 498-ए जैसे प्रावधानों का दुरुपयोग करने की बढ़ती प्रवृत्ति की आलोचना की.

ट्रंप ने जस्टिन ट्रूडो का उड़ाया मजाक

वाशिंगटन.

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो का मजाक उड़ाया। ट्रंप ने कनाडाई पीएम को ग्रेट स्टेट कनाडा का गवर्नर कहा। इसके साथ ही ट्रंप ने ट्रूडो को सुझाव दिया कि अगर ट्रंप के प्रस्तावित 25 प्रतिशत टैरिफ से कनाडा की अर्थव्यवस्था खत्म हो जाती है। तो कनाडा को संयुक्त राज्य अमेरिका का 51वां राज्य बन जाना चाहिए। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा कि- कनाडा के महान राज्य के गवर्नर जस्टिन ट्रूडो के साथ दूसरी रात डिनर करना काफी खुशी की बात थी। मैं गवर्नर से फिर मिलने के लिए बहुत उत्सुक हूं, ताकि हम टैरिफ और व्यापार पर अपनी गहन बातचीत जारी रख सकें। जिससे परिणाम सभी के लिए वास्तव में शानदार होंगे।

रात्रिभोज के बाद ट्रूडो ने चिंता जताते हुए कहा था कि इस तरह के शुल्क से कनाडा की अर्थव्यवस्था खत्म हो जाएगी। और इस पर नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ने कथिततौर पर ट्रूडो के समक्ष कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की पेशकश की। और ट्रंप ने इंटरव्यू में फिर से पोस्ट में यही बात दोहराई। ट्रंप ने अपने पोस्ट में कहा-मैं गवर्नर से शीघ्र फिर से मिलने की आशा करता हूं। ताकि हम शुल्क और व्यापार पर अपनी गहन वार्ता जारी रख सकें। जिसके परिणाम सभी के लिए सचमुच शानदार होंगे।

उत्तरी गाजा में नहीं पहुंच पा रही मानवीय सहायता: संयुक्त राष्ट्र

गाजा.

मानवीय संगठनों के नेताओं ने उत्तरी गाजा में स्थिति को 'विनाशकारी' बताया है। इजरायल से हमले को बंद करने की अनुरोध की है। दरअसल विश्व स्वास्थ्य संगठन, संयुक्त राष्ट्र बाल कोष, अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन, वर्ल्ड फूड प्रोग्राम और सहायता समूहों समेत 15 संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों के प्रमुखों द्वारा शुक्रवार को हस्ताक्षरित एक संयुक्त बयान जारी किया। जिसमे संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि- उत्तरी गाजा में जो स्थिति बन रही है, वह भयावह है। ये क्षेत्र लगभग एक महीने से घेरे में है। जहां बुनियादी सहायता और65 हजार से 75 हजार फलस्तीनी नागरिक भोजन, पानी, बिजली तथा स्वास्थ्य सेवा की पहुंच से वंचित हैं। इसके साथ ही उत्तरी गाजा में पूरी फिलिस्तीनी आबादी की जिंदगी बीमारी, अकाल और हिंसा की कारण खतरे में है।

संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय ने मंगलवार को कहा कि उत्तरी गाजा में इजराइल ने बेत लाहिया, बेत हनून और जबालिया पर अपनी घेराबंदी जारी रखी है। वहां रहने वाले फलस्तीनियों को सहायता से वंचित रखा है। ओसीएचओ ने कहा कि इजराइल ने बेत लाहिया के 3 स्कूलों से लगभग 5,500 लोगों को जबरन गाजा सिटी भेजा है। ओसीएचए

ने कहा है कि खाद्य संकट गहरा है।इसके साथ ही गाजा के लिए संयुक्त राष्ट्र की वरिष्ठ मानवीय और पुनर्निर्माण समन्वयक सिग्रिड काग ने मंगलवार दोपहर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को जानकारी देने के दौरान पत्रकारों को कहा कि गाजा में लोग भीषण परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं। और कानून-व्यवस्था ध्वस्त है, लूटपाट की स्थिति है जिससे हालात और अधिक गंभीर हो गए हैं। संयुक्त राष्ट्र और कई सहायता संगठन लाखों जरूरतमंद फलस्तीनियों को भोजन और अन्य कई वस्तुएं पहुंचाने में असमर्थ हैं।

कश्मीर घाटी में ठंड है प्रचंड

श्रीनगर.

घाटी में कड़ाके की ठंड ने अपना शिकंजा और अधिक कस लिया है और मंगलवार को शुष्क मौसम के बीच तापमान में और अधिक गिरावट आया और यह जमाव बिंदु से और नीचे चला गया। श्रीनगर समेत लगभग तमाम स्थानों पर लोगों ने मौसम की सब से ठंडी रात गुजारी। इधर मौसम विभाग ने अगले चौबीस घंटों के दौरान भी घाटी में मौसम के मिजाज शुष्क बने रहने तथा इस बीच कड़ाके की ठंड बनी रहने की संभावना जताई है। श्रीनगर में न्यूनतम तापमान -5.4 डिग्री सेलसियस रिकॉर्ड किया गया जो मौजूदा मौसम में श्रीनगर का सब से कम न्यूनतम तापमान है। उधर गुलमर्ग में न्यूनतम तापमान -9.0 डिग्री सेलसियस रिकॉर्ड किया गया जो मौजूदा सर्दियों में गुलमर्ग का अभी तक का सब से कम तापमान है।

वहीं काजीगुंड में भी मौजूदा सर्दियों का सब से कम न्यूनतम तापमान -6.4,पहलगाम में -8.4,कुपवाड़ा में -4.5 तथा कुकरनाग में न्यूनतम

तापमान -4.0 डिग्री सेलसियस रिकॉर्ड किया गया। बता देते हैं कि उक्त इलाकों में यह मौजूदा सर्दियों का सब से कम तापमान है।

गौरतलब है कि पहाड़ों पर हालिया बर्फबारी के बाद से घाटी में मौसम के मिजाज तो शुष्क बने हुए हैं अलबत्ता शुष्क मौसम के बीच पारा लगातार गिर रहा है जिसके चलते समूची घाटी में भीषण सर्दी पड़ रही है।इधर मौसम विभाग ने भी 18 दिसंबर तक घाटी में मौसम के मिजाज इसी तरह बने रहने का संभावना जताई है। मंगलवार को भी घाटी में मौसम की स्थिति ऐसी ही बनी रही। मौसम शुष्क बना रहा अलबत्ता सभी स्थानों पर न केवल तापमान जमाव बिंदु से नीचे बना रहा बलकि इसमें और अधिक गिरावट आई जिसके चलते श्रीनगर समेत तमाम स्थानों पर लोगों ने मौजूदा सर्दियों की सब से ठंडी रात गुजारी।

प्रियंका से मिले फिलिस्तीन के राजदूत

नई दिल्ली. भारत में फिलिस्तीन के राजदूत अदनान अबू ने बुधवार को कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी से मुलाकात की है. उन्होंने प्रियंका गांधी को वायनाड लोकसभा चुनाव में जीत की बधाई दी. प्रियंका गांधी केरल की वायनाड सीट से जीतकर पहली बार लोकसभा पहुंची हैं. इस मुलाकात में प्रियंका गांधी ने स्वतंत्रता को प्राप्त करने के लिए फिलिस्तीनी लोगों के संघर्ष के लिए अपने समर्थन की बात कही. उन्होंने कहा कि वह बचपन से ही फ़िलिस्तीनी हितों के लिए जी रही हैं और इसके न्याय में विश्वास करती हैं. इसके अलावा उन्होंने बचपन में फिलिस्तीनी नेता यासिर अराफात की भारत यात्रा के दौरान कई बार पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, राजीव गांधी से मुलाकात का जिक्र किया. इस दौरान प्रियंका ने गाजा में चल रही इजराइली सैन्य कार्रवाइयों की निंदा की और क्षेत्र में विनाश और तबाही के लिए गहरा दुख व्यक्त किया. उन्होंने कहा, मैं हर उस मां के प्रति संवेदना व्यक्त करती हूं जिसने अपना बच्चा खोया है.

प्रयागराज से जौनपुर तक अदालती लड़ाई जारी

सबकी नजरें 16 दिसंबर पर

नई दिल्ली.

जौनपुर की अटाला मस्जिद को लेकर कानूनी लड़ाई जोरों पर है। हिंदू पक्ष का कहना है कि कन्नौज के राजा विजय चंद्र ने अटला देवी का मंदिर बनवाया था। 14 वीं सदी में फिरोज शाह तुगलक ने मंदिर तोड़कर मस्जिद बनवा दी और वहां पूजा पाठ बंद हो गई। इसी मामले को लेकर स्वराज वाहिनी एसोसिएशन ने जौनपुर की सिविल कोर्ट में याचिका दायर की और सिविल कोर्ट ने याचिका को स्वीकार किया और 2 जुलाई को अमीन सर्वे का आदेश दिया। 30 जुलाई को सर्वे की टीम पहुंची जिसका भारी विरोध हुआ।

बताया जा रहा है कि मस्जिद के सभी दरवाजे बंद कर दिए गए लिहाजा सर्वे टीम के लोग लौट गए। 31 जुलाई को सर्वे टीम ने अपनी रिपोर्ट कोर्ट को दी कहा सर्वे करने गए तो भारी भीड़ हुई जिससे सर्वे पूरा नहीं हो पाया लिहाजा इसके लिए पर्याप्त सुरक्षा बल उपलब्ध हो।

वहीं मुस्लिम पक्ष हाईकोर्ट की शरण में है और जौनपुर कोर्ट के फैसले को चैलेंज कर रहा है। हिंदू पक्ष ने सर्वे को पूरा कराने के लिए गुहार लगाई है और 16 दिसंबर को सर्वे का प्रारूप तय होना है कि सर्वे में कौन लोग जाएंगे। दोनो ओर से कितने लोग शामिल होंगे।

स्वराज वाहिनी एसोसिएशन और संतोष कुमार मिश्र द्वारा जौनपुर की सिविल कोर्ट में एक वाद दाखिल किया गया और उस वाद में मांग की गई कि विवादित संपत्ति अटाला देवी का मंदिर है। जहां सनातन धर्म के अनुयायियों को पूजा करने का अधिकार है। बताया गया है कि राजा विजय चंद्र द्वारा 13वीं शताब्दी में बनवाया गया यह एक हिंदू मंदिर था, जहां पूजा, सेवा और कीर्तन जैसे अनुष्ठान किए जाते थे।

कोर्ट से कब्जे के लिए प्रार्थना की गई और याचना की गई कि मुकदमे में प्रतिवादियों और अन्य गैर - हिंदुओं के प्रवेश पर रोक लगाई जाए। हिंदू पक्ष ने ये आरोप लगाया है कि 13 वीं शताब्दी में फिरोज तुगलक के भारत पर आक्रमण के बाद उक्त मंदिर को आंशिक रूप से ध्वस्त कर दिया गया। इसके खंभों पर मस्जिद का निर्माण किया गया।

वादी आगे तर्क देते हैं कि तुगलक ने हिंदुओं को उस स्थान पर प्रवेश करने से रोका। जो मूल रूप से हिंदू कारीगरों द्वारा पारंपरिक शैली में निर्मित हिंदू मंदिर था। यह भी तर्क दिया गया कि विचाराधीन संरचना कभी मस्जिद नहीं थी बल्कि हिंदू मंदिर था। हिंदू पक्ष का दावा है कि इमारत में हिंदू स्थापत्य शैली से जुड़े प्रमाण आज भी बरकरार हैं जो रीति - रिवाजों को दर्शाते हैं।

भारत ने सीरिया से 75 लोगों को किया एयरलिफ्ट

नई दिल्ली.

सीरिया में तख्तापलट हो गया है, विरोधी ग्रुप हयात तहरीर अल शाम ने सीरिया पर कब्जा कर लिया है और अब देश की बागडोर उसके हाथों में आ गई है. साथ ही कब्जे के बाद राष्ट्रपति बशर अल असद भी देश छोड़कर भाग चुके हैं. बताया जा रहा है कि वो अपने परिवार के साथ इजरायल गए हैं, जहां पर उन्हें शरण दी गई है. सीरिया के हालात को खराब होता देख सभी देश अपने-अपने नागरिकों की सुरक्षा में लगे हुए हैं. भारत ने भी अपने 75 नागरिकों को सीरिया से बाहर निकाला है.

भारत ने सीरिया में विद्रोही बलों द्वारा बशर अल असद की सरकार को अपदस्थ किए जाने के दो दिन बाद मंगलवार को वहां से 75 भारतीय नागरिकों को बाहर निकाला. विदेश मंत्रालय ने कहा कि सुरक्षा स्थिति के आकलन के बाद दमिश्क और बेरूत में मौजूद भारतीय दूतावासों ने

निकासी के अमल को अंजाम दिया. देर रात जारी बयान में कहा गया,'भारत सरकार ने सीरिया के अंदर हाल में हुए घटनाक्रम के बाद आज 75 भारतीय नागरिकों को वहां से निकाला बयान में कहा गया,'निकाले गए लोगों में जम्मू कश्मीर के 44 जायरीन शामिल हैं, जो सईदा जैनब में फंसे हुए थे. सभी भारतीय नागरिक सुरक्षित रूप से लेबनान पहुंच गए हैं और वे उपलब्ध वाणिज्यिक उड़ानों से भारत लौटेंगे.' विदेश मंत्रालय ने कहा कि सरकार विदेश में रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को पहली प्राथमिकता देती है. बयान में आगे कहा गया,'सीरिया में रह रहे भारतीय नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे दमिश्क में भारतीय दूतावास के संपर्क में रहें.

भारत बांग्लादेश पर एक्शन के मूड़ में

> सरकार रद्द करने जा रही है ये समझौता

नई दिल्ली.

इन दिनों भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में बेहद खटास आ गई है. जहां बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने पहले से स्वीकृत बैंडविड्थ ट्रांजिट समझौते को रद्द कर दिया. वहीं भारत भी अब कड़े एक्शन के मूड़ में दिख रहा है. यदि भारत भी समझौते को तोड़ता है तो वहां के लोग भूखे मर जाएंगे. क्योंकि गेहूं, चीनी, चावल चने से लेकर प्याज, आलू लगभग 100 प्रकार की खाने-पीने की चीजें बांग्लादेश में भारत से ही भेजी जाती है. बताया जा रहा है कि अब भारत की सरकार भी आर-पार के मूड़ में है. हालांकि भारत के सामने बांग्लादेश कहीं नहीं टिकता है. लेकिन उसके बावजूद भी अब मोदी सरकार कड़ा रुख अपना सकती है.

दरअसल, बांग्लादेश, भारत

से हर साल ढेर सारा गेहूं आयात करता है. साल 2021-22 की बात करें तो इस साल भारत से बांग्लादेश निर्यात किए जाने वाले गेहूं की वैल्यू 119.16 करोड़ डॉलर थी. वहीं, 2020-21 में गेहूं निर्यात का ये आंकड़ा 31.03 करोड़ डॉलर का था. यानी अगर भारत ने बांग्लादेश को गेहूं देना बंद कर दिया तो वहां के लोगों की थाली से रोटी गायब हो जाएगी. यानि लोग दाने-दाने के लिए मोहताज हो जाएंगे. उनके यहां खाने के लिए मांस के अलावा कुछ नहीं बचेगा. इसके अलावा चावल, चीनी आदि भी बांग्लादेश भारत से ही आयात करता है. यदि भारत ये समझौता तोड़ देता है तो वहां की जनरेशन भूखी मरने को तैयार हो जाएगी. गेहूं के अलावा बांग्लादेश के लोग चावल के लिए भी तरसेंगे. दरअसल, भारत से बांग्लादेश में निर्यात की जाने वाली तीसरी सबसे ज्यादा चीज चावल है. साल 2021-22 में कुल 61.39 करोड़ डॉलर के चावल बांग्लादेश में निर्यात किए गए थे. यानी अगर भारत और बांग्लादेश के बीच स्थिति खराब हुई तो इसका असर वहां के लोगों की थाली में मौजूद चावल पर भी पड़ेगा.

मिठाई भी नहीं होगी नसीब

आपको बता दें कि साल 2021-22 में भारत से बांग्लादेश करीब 56.59 करोड़ डॉलर की चीनी का निर्यात हुआ. वहीं, 2020-21 में ये आंकड़ा 7.47 करोड़ डॉलर का था. इससे साफ है कि अगर भारत ने बांग्लादेश को चीनी भेजना बंद कर दिया तो वहां के लोगों को मिठाई तो नसीब हो गई नहीं.

गैस संकट से जूझ रहा रावलपिंडी

> ठंड में जीवन हुआ बेहाल, सड़कों पर उतरे लोग

इस्लामाबाद. कड़ाके की ठंड के बीच रावलपिंडी के 70 फीसदी इलाकों में गैस संकट ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। एआरवाई न्यूज के अनुसार, लिस्तान कॉलोनी, विलायत होम्स, ईदगाह मोहल्ला, जामिया मस्जिद रोड, ढोके हस्सू, ढोके कश्मीरियन, सादिकाबाद खुर्रम कॉलोनी, रावलपिंडी छावनी, खयाबन-ए-सर सैयद और ढोके काला खान समेत कई क्षेत्रों में लोग खाना पकाने और दैनिक कार्यों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। ठंड के बीच गैस की कमी के विरोध में क्वेटा के निवासी सड़कों पर उतर आए यह प्रदर्शन मस्तंग में इसी तरह के विरोध प्रदर्शन के बाद हुआ, जहाँ स्थानीय लोगों ने गैस और बिजली की कमी पर अपनी निराशा व्यक्त करने के लिए क्वेटा-कराची राष्ट्रीय राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया था।

मस्तंग में, प्रदर्शनकारियों ने पहले गैस और बिजली जैसी आवश्यक सेवाओं से वंचित होने के दौरान समय पर बढ़े हुए उपयोगिता बिलों का भुगतान करने पर अपना गुस्सा व्यक्त किया। उनके धरने के कारण क्वेटा-कराची राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात ठप हो गया।

रिपोर्ट के अनुसार, बलूचिस्तान में पानी, बिजली और गैस जैसी बुनियादी सेवाओं की मांग को लेकर लगातार विरोध प्रदर्शन आम हो गए हैं।

विवाह व्यक्ति के प्राकृतिक जीवन का अभिन्न अंग

नई दिल्ली.

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि शादी या साथ रहना व्यक्ति के प्राकृतिक जीवन का एक अभिन्न हिस्सा। कोर्ट ने सड़क हादसे के कारण 75 फीसदी बौद्धिक अक्षम महिला को मिलने वाली मुआवजा राशि बढ़ाकर 50.87 लाख रुपये कर दिया। जस्टिस बी.आर.गवई और जस्टिस के.वी.विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि महिला उस समय साथ साल की थी, जब 2009 में यह दुर्घटना हुई थी और मेडिकल प्रमाणपत्र के मुताबिक वह मध्यम स्तर की बौद्धिक अक्षमता से पीड़ित है। पीठ ने कहा, उसका शरीर प्रभावी रूप से बढ़ता रहेगा, लेकिन वह हमेशा एक छोटी बच्ची जैसी ही रहेगी।

कोर्ट ने कहा, अपीलकर्ता (महिला) ने न केवल अपनी बचपन की अवस्था खो दी है, बल्कि उसका वयस्क जीवन भी प्रभावित हो

गया है। शादी और साथ रहना एक व्यक्ति के प्राकृतिक जीवन का अभिन्न हिस्सा है। हालांकि, कोर्ट ने यह भी माना कि महिला बच्चों बच्चों को जन्म देने में सक्षम हो सकती है। लेकिन उसे वैवाहिक जीवन के सामान्य सुखों का अनुभव करना लगभग असंभव होगा। इसलिए कोर्ट ने महिला का मुआवजा बढ़ाकर, 50.87 लाख रुपये कर दिया। महिला ने दिल्ली हाईकोर्ट के नवंबर 2017 के एक आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की थी। हाईकोर्ट ने उसे 11.51 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया था।